স্বরবিতান ৩১

গীতমালিকা

দ্বিতীয় ভাগ

রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর

বিশ্বভারতী গ্রন্থনবিভাগ
কলিকাতা

স্বরলিপিকার
দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর
অনাদিকুমার দস্তিদার, রমা মজুমদার

প্রকাশ পৌষ ১৩৩৬
সংস্করণ আশ্বিন ১৩৬০
পুনর্মুদ্রণ আশ্বিন ১৩৬৮, আশ্বিন ১৩৭২
সংস্করণ মাঘ ১৩৭৮
পুনর্মুদ্রণ মাঘ ১৩৮৪, আশ্বিন ১৩৯০
ভাদ্র ১৩৯৩ : ১৯০৮ শক

প্রকাশক শ্রীজগদিন্দ্র ভৌমিক
বিশ্বভারতী। ৬ আচার্য জগদীশ বসু রোড। কলিকাতা ১৭
মুদ্রক স্বপ্না প্রিন্টিং ওয়ার্কস প্রাইভেট লিমিটেড
৫২ রাজা রামমোহন রায় সরণী। কলিকাতা ৯

গীতমালিকা

দ্বিতীয় ভাগ

গোপন প্রাণে একলা মানুষ যে
তারে কাজের পাকে জড়িয়ে রাখিস নে ॥
তার একলা ঘরের ধেয়ান হতে উঠুক-না গান নানা স্রোতে,
তার আপন সুরের ভুবন-মাঝে তারে থাকতে দে ॥
তোর প্রাণের মাঝে একলা মানুষ যে
তারে দশের ভিড়ে ভিড়িয়ে রাখিস নে।
কোন্ আরেক একা ওরে খোঁজে, সেই তো ওরই দরদ বোঝে—
যেন পথ খুঁজে পায়, কাজের ফাঁকে ফিরে না যায় সে ॥

II সা -ণ্া | সা -মা মা -া I মা -া | -া -া -া -া I
গো • প ন্ প্রা • ণে • • • • •

I সা -া | -রা জ্ঞা -া -া I -া -া | -া -া -ঋা -সা I
এ • ক্ লা • • • • • • • •

I সা -রা | জ্ঞা -মা মজ্ঞা -া I ঋজ্ঞা -ঋা | -া সা -া -ণ্া I
এ ক্ লা • মা • নু• • ষ্ যে • •

I সা -ণ্া | সা -মা মা -া I মা -া | -া -া দা দা I
গো • প ন্ প্রা • ণে • • • তা রে

I দর্সা -া | র্সা -া র্ণা -া I দা -া | দপা -া পা -জ্ঞা I
কা• • জে র্ পা • কে • জ • ড়ি •

I পা -দা | দপা -ণা ণদা -পা I মা -া | মপা -পমা জ্ঞা -রা I
য়ে • রা • খি স্ নে • রা• • খি স্

I জ্ঞা -া | -া -ঋা -সা -া II
নে • • • • •

মা -া II { মা -া | পদা -া পা -া I র্সা -া | -া -া -া -া I
তা র্ এ ক্ লা॰ ॰ য ॰ রে ॰ ॰ ॰ ॰ র্

I র্সা -র্ঋা | র্ঋর্সা -া পা -া I র্সা -া | -া -া -া -া I
যে ॰ মা ন্ হ ॰ তে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I দা -া | দা -া পা -া I দা -পা | -র্সা -র্ঋা -র্জ্ঞা -র্ঋা I
উ ॰ ঠ্ ক্ না ॰ গা ॰ ॰ ॰ ॰ ন্

I র্ঋর্সা -র্ঋা | পা -র্জ্ঞা র্জ্ঞর্ঋা -া I র্সা -া | -া -া (মা -া) } I র্সা -া I
না ॰ না ॰ স্রো ॰ তে ॰ ॰ ॰ তা র্ তা র্

I র্সা -র্ঋা | র্ঋা -র্সা র্সা -পা I পা -া | -া -া -দা -পা I
আ ॰ প ন্ সু ॰ রে ॰ ॰ ॰ ॰ র্

I পা -দা | দপা -পা দা -া I পা -া | -া পা পা -দা I
ভু ॰ ব ন্ মা ॰ ঝে ॰ ॰ তা রে ॰

I পা -া | -জ্ঞা পা -া -দা I দপা -পা | -া -দা -া -া II
থা ॰ ক্ তে ॰ ॰ ॰ দে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

দ্‌া -া II দ্‌া -া | ণ্‌া -সা সা -া I সা -ঋা | -া -ণ্‌া -া -া I
তো র্ প্রা ॰ ণে র্ মা ॰ ঝে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I সা -া | -রা জ্ঞা -া -া I দ্‌া -ণ্‌া | সা -রা জ্ঞা -মা I
এ ॰ ক্ লা ॰ ॰ এ ক্ লা ॰ মা ॰

I ঋজ্ঞা -ঋা | -া সা সা সা I সা -দা | দা -া দা -া I
ছু॰ ॰ ব্ যে তা রে দ ॰ শে র্ ভি ॰

I পা -া | পা -া দা -পা I মা -া | পা -মা জ্ঞা -রা I
ভে • ভি • ড়ি • রে • রা • খি স্

I জ্ঞা -মা | মজ্ঞা -া ঋা -া I সা -া | -া -া (দা -া) } I { পা -া I
নে • রা • খি স্ নে • • • তো ব্ কো ন্

I পমা -া | পদা -া ণা -া I র্সা -া | -া -া -া -া I
আ • রে • ক এ • কা • • • • •

I র্সর্ঋা -া | র্সা -া ণা -া I র্সা -া | -া -া -া -া I
ও • • রে • খোঁ • জে • • • • •

I দা -া | দা -া ণা -া I ণা -র্জ্ঞা | -া -া -র্ঋা -র্সা I
সে ই তো • ও • রি • • • • •

I র্সণা -র্সা | ণা -র্জ্ঞা র্জ্ঞর্ঋা -া I র্সা -া | -া -া } র্সা র্সা I
হ • র দ্ বো • ঝে • • • যে ম

I র্সা -র্ঋা | র্ঋা -র্সা র্সা -ণা I ণা -া | -া -া -দা -পা I
প থ্ খুঁ • জে • পা • • • • র্

I পা -দা | দপা -ণা ণদা -া I পা -া | -া -া পা পা I
কা • জে র্ ফাঁ • কে • • • ফি রে

I মপা -া | -জ্ঞা পা -মা -পা I পা -ণা | -া -দা -া -া II II
মা • • • যা • র্ সে • • • • •

২

খেলাঘর বাঁধতে লেগেছি আমার মনের ভিতরে।
কত রাত তাই তো জেগেছি বলব কী তোরে॥
প্রভাতে পথিক ডেকে যায়, অবসর পাই নে আমি হায়—
বাহিরের খেলায় ডাকে যে, যাব কী ক'রে॥
যা আমার সবার হেলাফেলা যাচ্ছে ছড়াছড়ি
পুরোনো ভাঙা দিনের ঢেলা, তাই দিয়ে ঘর গড়ি।
যে আমার নতুন খেলার জন তারি এই খেলার সিংহাসন,
ভাঙারে জোড়া দেবে সে কিসের মন্তরে॥

রা | ধা পা -া II মা -গা গরা | সা -ন্া সা I সরা -া -া | -া -া -া I
খে লা ঘ র্ বাঁ ধ্ তে॰ লে • গে ছি॰ • • • • •

I রা -গা -রা | রগা -মা -গা I -মা -পা -া | -া -া -রা I
আ • • মা • • • • • • • • র্

I রা গরা -গা | মা -ধা ধপা I মা -গা রা | ধা পা -া I
ম নে • র্ ভি • ত রে • খে লা ঘ র্

I মা -গা গরা | সা -ন্া সা I সরা -া -া | -া -া -া I
বাঁ ধ্ তে লে • গে ছি॰ • • • • •

I -া -া মা | মা মা -গপা I পা -া পা | পা -র্সা পর্সপা I
• • ক ত রা • ত্ তা ই তো জে • গে • •

I পা -র্সা -নর্সা | -ধণা -পা -া I রা -গরা গা | মা -ধা ধপা I
ছি • • • • • • • ব • ল্ বো কী • তো

I র্সা -পা রা | ধা পা -া II
রে • "খে লা ঘ র্"

II -া -া { পা | পা নধা -না I র্সা র্সা -া | র্সা র্সনা -র্সা I
• • প্র ভা তে• • প থি ক্ ডে কে •

I র্সধা -না -ধা | ধপা -না -র্সা I র্সধা -র্সা -া | -া -া -া I
যা • • • • • • • • • • •

I -া -পা পর্সা | না না -া I ধা -পা পক্ষা | পক্ষা -ধা ধপা I
• য়্ অ• ব স র্ পা ই নে• আ• • মি

I পমা -া -া | -া -া -া I -া -া } র্গা | র্গা র্গা -া I
হা • • • • • • য়্ বা হি রে র্

I র্গা র্গা -া | র্গা র্গা -া I র্গা -র্মা -া | -র্রা -া -না I
খে লা য়্ ডা কে • সে • • • • •

I -র্রর্সা -া -া | -া -া -া I রা গরা -গা | মা -ধা ধপা I
•• • • • • • যা ব• • কী • ক

I মা -গা রা | রধা পা -া II
রে • "খে লা ঘ র্"

II { -া -া মা | মা মা -া I মা মা -া | মা মা -া I
• • যা আ মা র্ স বা র্ হে লা •

I মা -গা -পক্ষা | পা -া -া I পা -ক্ষা পা | পধা ধপা -ক্ষা I
কে • •• লা • • যা চ্ ছে ছ• ড়া •

I ক্ষধপা পা -া | -মা -া -া I -া -া মা | মা মা -া I
ছ• ড়ি • • • • • • পু রো নো •

I মা মা -া | মা মা -া I মা -গা -পমা | পা -া -া I
ভা ঙা • দি নে র্ চে • •• লা • •

I ধা -র্সা র্সা | গধা পমা -পধা I ধপা পমা -া | -া -া -া } I
তা ই দি য়ে ঘ• •র্ গ• ড়ি • • • •

I -া -া { পা | পা না -া I না র্সা -া | র্সা গনা -র্সা I
• • যে আ মা র্ ন তু ন্ খে লা র্

I গধা -না -ধা | -পা -না -র্সা I -গধা -র্সা -া | -া -া -া I
জ • • • • • • • • • • •

I -া -পা র্সা | র্সা না -া I ধা পা -মা | পা -মধা ধপা I
• ন্ তা রি এ ই খে লা র্ দি •ঙ্ হা

I পা -মা -া | -া -া -া I -া -া } র্গা | র্গা র্গা -া I
ন • • • • • • ন্ ভা ঙা রে •

I র্গা র্গা -া | র্গা র্গা -া I র্গা -র্মা -া | -র্রা -া -না I
জো ড়া • দে বে • সে • • • • •

I -র্রর্সা -া -া | -া -া -া I রা গরা -গা | মা -ধা ধপা I
•• • • • • • কি সে• র্ ম ন্ ত

I মা -গা রা | রধা ধপা -া II II
রে • "খে লা ঘ র্"

৩০

ভেবেছিলেম আসবে ফিরে,
তাই   ফাগুনশেষে দিলেম বিদায়।
তুমি   গেলে ভাসি নয়ননীরে
এখন   শ্রাবণদিনে মরি দ্বিধায়॥
এখন   বাদল-সাঁঝের অন্ধকারে   আপনি কাঁদাই আপনারে,
একা   ঝরো ঝরো বারিধারে   ভাবি   কী ডাকে ফিরাব তোমায়॥
যখন থাক আঁখির কাছে
তখন দেখি ভিতর বাহির সব ভরে আছে।
সেই   ভরা দিনের ভরসাতে   চাই বিরহের ভয় ঘোচাতে,
তবু   তোমা-হারা বিজন রাতে
কেবল   হারাই-হারাই বাজে হিয়ায়॥

II { সা -া রা | -া রসা -রা I মজ্ঞা -া -া | -া -মা -পা I
ভে • বে • ছি৹ • লে • ৹ • • • ম্

I পা -পা পা | -া পধা -া I পা -া -া | -া (ধা -পা I
আ স্ বে • ফি • রে • • • তা ই

I পগা -া মা | -া গা -া I মা -া মা | -পা পমা -া I
ফা • গু ন্ শে • ষে • দি • লে ম্

I জ্ঞা -া -ঋা | মজ্ঞা -া -রা) } I গা মা I { পা -না না | -া না -া I
বি • • দা • • য়্ তু মি গে • লে • ভা •

I নর্সা -া -া | -া -া -র্রা I র্ধা -পা পধা | -র্সা পা -ধা I
সি৹ • • • • • ন • য় ন্ নী •

I পা -া -া | -া (গা মা)} I গা মা I পা -র্সা র্সণা | -া ধা -া I
রে • • • তু মি এ খন্ জা • ব ণ্ দি •

I পা -া পা | -ধা ধপা -া I গা -া -মা | পা -ধা -পা I
নে • ম • রি • ঘি • • ধা • •

I -পধা -া -পা | -মা -জ্ঞা -রা II
•• • • • • র্

পা পা II{পা -া পা | -া পা -া I পা -া -া | -া -া -ধা I
এ খন্ বা • দ ল্ সাঁ • ঝে • • • • র্

I না -া র্সা | -র্রা র্সনা -া I র্সা -া -া | -া -া -া I
অ ন্ ধ • কা • রে • • • • •

I র্সনা -া র্সা | -র্রা র্রা -া I র্রা -র্জ্ঞা -া | -া -র্রা -র্সা I
আ প্ নি • কাঁ • দা • • • • ই

I র্সা -না র্সা | -নর্রা র্নর্সা -া I সপা -া -ধা | পা পগা -মা I
আ • প •• না • রে • • এ কা •

I পা -না না | -া না -া I নর্সা -া -া | -া -া -র্রা I
ঝ • রো • ঝ • রো• • • • • •

I র্সধা -পা পধা | -র্সা র্সণা -ধা I পা -া -া | গা গা -মা I
বা • রি • ধা • রে • • ভা বি •

I পা -র্সা র্সণা | -া ধা -া I পা -া পধা | -া ধপা -া I
কী • তা • কে • ফি • রা• • ব •

I গা -া -মা | পা -ধা -ণা I -পধা -া -পা | -মা -জ্ঞা -রা II
তো • • মা • • •• • • • • র্

-া -া II { সা -জ্ঞা জ্ঞা | -া জ্ঞা -রা I মজ্ঞা -া জ্ঞা | -রা সা -ন্‌া I
• • ধ • থ ন্ থা • ক• • আঁ • খি র্

I সা -জ্ঞা -জ্ঞরা | সা (-া -া I সা -গা গা | -া গা -া I
কা • • ছে • • ত • খ ন দে •

I গা -া -া | -া -া -া I গা -া মা | -া মগা -া I
খি • • • • • তি • ত র্ বা •

I মা -া -া | মা -গা -পা I মা -পা পমা | -া জ্ঞা -রা I
হি • র্ স • র্ ভ • রে • আ •

I মজ্ঞা -া -া | -া -রা -সা) } I পা -া I পা -া পা | -া পা -া I
ছে• • • • • • সে ই ভ • রা • দি •

I পা -া -া | -া -া -ধা I না -া র্সা | -র্রা র্না -া I
সে • • • • র্ ত • র • আ •

I র্সা -া -া | -া -া -া I র্না -া র্সা | -র্রা র্রা -া I
তে • • • • • চা ই বি • র •

I র্রজ্ঞা -া -া | -া -র্রা -র্সা I র্সা -নর্সা র্রর্সা | -া ণা -ধা I
হে • • • • র্ ভ •র্ খো • চা •

I র্সপা -া -ধা | পা পগা -মা I পা -না না | -া না -া I
তে• • • ত র্ • তো • মা • হা •

I র্সা -া -া | -া -া -র্রা I র্ধা -ণা ণধা | -র্সা ণা -ধা I
রা॰ • • • • • বি • জ ন্ রা •

I পা -া -া | গা গা -মা I পা -র্সা র্ণা | -া ধা -া I
তে • • কে ব ল্ হা • রা ই হা •

I পা -া পা | -ধা ধপা -া I গা -া -মা | পা -ধা -ণা I
রা ই বা • জে • হি • • রা • •

I -পধা -া -পা | -মা -জ্ঞা -রা II II
•• • • • • র্

৪

তার হাতে ছিল হাসির ফুলের হার কত রঙে রঙ-করা।
মোর সাথে ছিল দুখের ফলের ভার অশ্রুর রসে ভরা॥
সহসা আসিল, কহিল সে সুন্দরী 'এসো-না বদল করি'।
মুখপানে তার চাহিলাম, মরি মরি, নিদয়া সে মনোহরা॥
সে লইল মোর ভরা বাদলের ডালা, চাহিল সকৌতুকে।
আমি লয়ে তার নবফাগুনের মালা তুলিয়া ধরিনু বুকে।
'মোর হল জয়' যেতে যেতে কয় হেসে, দূরে চলে গেল ত্বরা।
সন্ধ্যায় দেখি তপ্ত দিনের শেষে ফুলগুলি সব ঝরা॥

না -া II { না -া র্সা | -র্রা র্না -া I র্সা -া -া | -া (-া -া I
তা র্ হা • তে • ছি • ল • • • • •

I না র্রা র্সা | পা ধা পা I মা -গা রা | গা রা পা I
হা সি র ফু লে র হা র্ ক ত র ঙে

I মা -গা রা | সা -া সা I রা -মা রা | মা -পা -ধপা I
র ঙ্ ক রা • র ঙে • র ঙে • ••

I পধা -র্সা পধা | পা না -া) } I মা -া I মা -া পা | -ধা পমা -া I
র ঙ্ ক• রা তা র্ মো র্ সা • থে • ছি •

I পা -া -া | -া -া -া I সা সা সা | সা ন্া সা I
ল • • • • • দু খে র ফ লে র

I রা -া -া | -া -া -া I রা -া পা | মা মা গা I
ভা • • • • র্ অ শ্ রু র র সে

I রগা রা -া | -া -া -া I মা রা -া | মা পা -া I
ভ• রা • • • • র সে • র সে •

I -পা -া মা | পা না -া II
• • ভ রা "তা র্"

-া -া II { র্রা র্রা র্রা | র্র্সা -া র্রা I র্র্সা -া -া | -া -া -া I
• • স হ সা আ• • সি ল • • • • •

I না র্সা র্রা | র্সা না -র্সা I সনা র্র্সা -পা | ধা পা -া I
ক হি ল সে সু ন্ দ রী• • এ সো •

I ধা পা -ধা | মা পা পণা I পধা ধা -পা | ধা পা -া I
এ সো • এ সো না• ব দ ন্ ক রি •

I -া -া -া | -া -া -া } I পণা পা পা | ধা পা -া I
• • • • • • মু• খ পা নে তা র্

I পধা -র্সণা ধা | পা -া -ধা I মা পা -া | পণা পা -ধা I
চা •• হি লা • ম্ ম রি • ম• রি •

I পা পমা -গা | রগা সা -া I রা মা রা | মা পা -া II
নি দ • রা• সে • ম নো হ রা "তা র্"

-া -া II { ন্া -া ন্া | ন্া ন্া -া I সা -া সা | রা রা -গা I
• • সে • ল ই ল • মো র্ ভ রা বা •

I গরা রা -পা | পমা -া -গা I রা -মা গা | রা সা -া I
দ লে র্ ভা • • লা • চা হি ল •

I রা রমা রা | মা -গমপা -মা I পা -া -া | -া -া -া I
দ কৌ॰ ॰ তু ॰॰॰ ॰ কে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I -া -া মা | পা না -া I না র্সা -া | -া -া -া I
॰ ॰ আ মি ল ॰ রে তা ॰ ॰ ॰ ॰

I -া -া র্সা | না র্সা -া I র্সনা র্সা -নর্রা | র্রর্সা -া -ধা I
॰ র্ ম ব ফা ॰ শু নে ॰র্ মা ॰ ॰

I র্সণা -া ণা | ধা পা -ধা I ধমা পা -া | পমা -পা ণা I
লা॰ ॰ তু লি য়া ॰ ধ রি ॰ সু ॰ র্

I রা -া -া | -া -া -া } I { র্রা -া র্রা | র্রা র্রর্মা -া I
কে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ মো র্ হ ল জ॰ য়্

I র্রা র্জ্ঞা র্রা | র্সা র্রর্সা -না I না র্সা -া | না র্সা -া I
যে তে যে তে ক॰ য়্ হে সে ॰ দূ রে ॰

I র্সনা র্সা -না | নর্রা র্রর্সা -পা I পণা ণপা -া | -া -া -া } I
চ লে ॰ গে॰ ল ॰ স্ব॰ রা ॰ ॰ ॰ ॰

I পা -ণা ণধা | -ণা ধা ণা I ণধা -া ণা | ধা পা -া I
স ন্ ধা য়্ দে খি ত প্ ত দি নে র্

I পণা -া -মা | পা -া -া I ন্া -া ন্া | ন্া ন্া -া I
শে॰ ॰ ॰ যে ॰ ॰ ফু ল্ গু লি স ব্

I ন্া সা -া | -া না -া II II
ঝ রা ॰ ॰ "তা র্"

৫

ভরা থাক্ স্মৃতিসুধায় বিদায়ের পাত্রখানি
মিলনের উৎসবে তায় ফিরায়ে দিয়ো আনি ॥
বিষাদের অশ্রুজলে   নীরবের মর্মতলে
গোপনে উঠুক ফ'লে   হৃদয়ের নূতন বাণী ॥
যে পথে যেতে হবে   সে পথে তুমি একা —
নয়নে আঁধার রবে,   ধেয়ানে আলোকরেখা।
সারা দিন সঙ্গোপনে   সুধারস ঢালবে মনে
পরানের পদ্মবনে   বিরহের বীণাপাণি ॥

II { -া -া সা | সগা গা -া I -া -া গা | গা গমা -ঋা I
• • ভ রা• থা • • ক্ ভ রা থা • •

॥
I (-পা -া -া | -া -া -া I পা -া -না | নধা ধনা -র্সা I
• • • • • ক্ স্ম • • তি সু• • •

I ধনা -া পা | পা পা -ধা I পমা -পা -মা | -পা -মা -পা I
ধা• য়্ বি দা য়ে •• • • • • • র্

I পরা -া পা | পমা ধপা -া) } I -পা -া পা | না না -া I
পা ৎ ত্র খা নি• • • ক্ মি ল নে র্

I না ধা -না | না র্সা -না I ধপা -া পা | পর্সা র্না -া I
উ • ৎ স বে • • তা• য়্ ফি রা• য়ে •

I ধা পা -গপা | পমা গা -া II
দি য়ো •• আ নি •

II -া -া {পা | পনা র্মা -া I পা -া -া | পনা না -া I
০ ০ বি মা০ নে র্ অ ০ শ্ শ্রু০ জ ০

I র্সা -া র্সা | র্সর্গা র্রা -র্সা I না -ধা -না | নর্সা র্সা -না I
লে ০ নী র০ বে র্ ম ০ র্ ম০ ত ০

I ধপা -া} মা | মা গা -মা I মরা রা -পা | পজ্ঞা পা -া I
লে০ ০ গো প নে ০ উ ঠু ক্ ফ লে ০

I -া -া না | না না -র্সা I নধা ধনা -র্সা | র্সনা ধপা -া I
০ ০ হৃ দ য়ে র্ নূ ত০ ন্ বা ণী০ ০

I -ধা -পা ধা | পা মা -গা I রা রা -পা | পজ্ঞা পা -া I
০ ০ গো প নে ০ উ ঠু ক্ ফ লে ০

I -া -া না | না না -র্সা I নধা ধনা -র্সা | র্সনা ধপা -া II
০ ০ হৃ দ য়ে র্ নূ ত০ ন্ বা ণী০ ০

II {-া -া সা | সপা পা -া I জ্ঞা পা -া | পজ্ঞা পা -া I
০ ০ যে প০ থে ০ যে তে ০ হ বে ০

I -া -া পা | পর্সা পা -ধা I পা পগা -পা | পমা গা -া I
০ ০ সে প০ থে ০ তু মি০ ০ এ কা ০

I -া -া গা | গা গা -া I গা গা‿-রা | গা গা‿-মা I
০ ০ ন য় নে ০ আঁ ধা র্ র বে ০

I -া -া মগা | গপা পমা -া I গা গরা -গমা | গরা রসা -া} I
০ ০ ধে য়া০ নে ০ আ লো ০ক্ রে খা ০

I -া -া {পা | পা পনা -া I মপা -া -া | পনা না -ধনা I
• • আ মা দি• ন্ স • ও. গো• প • •
•

I র্সা -া র্সা | র্সর্গা র্রা -র্সা I না -ধা -না | নর্সা র্সা -না I
নে • সু ধা• র স্ ঢা • ল্ বে• ম •

I ধপা -া } মা | মা মগা -মা I রা -া পা | পক্ষা পা -া I
নে• • প রা নে র্ প • দ্ম ব নে •

I -া -া না | না না -র্সা I নধা ধনা -র্সা | র্সনা ধপা -া I
• • বি র হে র্ বী ণা• • পা ণি• •

I -ধা -পা ধা | পা মা -গা I রা -া পা | পক্ষা পা -া I
• • প রা নে র্ প • দ্ম ব নে •

I -া -া না | না না -র্সা I নধা ধনা -র্সা | র্সনা ধপা -া II II
• • বি র হে র্ বী ণা• • পা ণি• •

৬

তোমায় চেয়ে আছি বসে পথের ধারে সুন্দর হে।
জমল ধুলা প্রাণের বীণার তারে তারে সুন্দর হে॥
নাই যে কুসুম, মালা গাঁথব কিসে।   কান্নার গান বীণায় এনেছি যে,
দূর হতে তাই শুনতে পাবে অন্ধকারে সুন্দর হে॥
দিনের পরে দিন কেটে যায় সুন্দর হে।
মরে হৃদয় কোন্ পিপাসায় সুন্দর হে।
শূন্য ঘাটে আমি কী- যে করি—   রঙিন পালে কবে আসবে তরী,
পাড়ি দেব কবে সুধারসের পারাবারে সুন্দর হে॥

II র্সা -র্জ্ঞা | র্জ্ঞা -া র্জ্ঞর্ঋা -া I র্সা -া | ণা -দা দা -া I
তো • মা য়্ চে • য়ে • আ • ছি •

I পা -া | পা -জ্ঞা পা -মা I পা -দা | পা -ণা পদা -পা I
ব • সে • আ • ছি • ব • সে •

I মা -া | মা -পমা মজ্ঞা -রা I জ্ঞা -রা | -জ্ঞা -রা -জ্ঞা -মা I
প • থে •র্ ধা • রে • • • • •

I মজ্ঞা -া | জ্ঞসা -জ্ঞা জ্ঞঋা -া I সা -া | -া -া -া -া I
সু ন্ দ ০ র ০ হে • • • • •

I দ্‌া -া | ণ্‌া -সা সা -া I সা -া | সা -ঋা ঋণ্‌া -া I
জ ম্ ল • ধু • লা • প্রা • ণে র্

I সা -জ্ঞা | জ্ঞা -া জ্ঞা -রা I জ্ঞা -া | মা -া মা -পা I
বী • ণা য়্ তা • রে • বী • ণা য়্

I পমা -পা | পমা -পা পদা -পা I মজ্ঞা -রা | -জ্ঞা -রা -জ্ঞা -মা I
তা • রে • তা • রে • • • • •

I মজ্ঞা -া | জসা -জ্ঞা জঋা -া I সা -া | -া -া -া -া II
সু ন্ দ • র • হে • • • • •

II { র্সা -র্জ্ঞা | র্জ্ঞা -র্ঋা র্ঋা -র্সা I র্সা -া | র্সা -া র্সা -র্ঋা I
না ই যে • হু • সু ম্ মা • লা •

I র্সণা -া | র্সা -র্ঋা র্ঋণা -র্সা I পদা -া | -া -া -পা -দা I
গাঁ থ্ ব • কি • সে • • • • •

I দমা -া | দা -া ণা -া I র্সা -া | র্সা -া র্সা -র্ঋা I
কা ন্ না • য় • পা ন্ বী • না য়্

I র্ঋণা -া | র্সা -র্জ্ঞা র্জঋা -া I র্ঋর্সা -া | -া -া -া -া } I
এ • নে • ছি • যে • • • • •

I র্সা -র্জ্ঞা | র্জ্ঞা -া র্ঋা -া I র্সা -া | ণা -া দা -পা I
দূ র্ হ • তে • তা ই ত ন্ তে •

I পা -া | পা -জ্ঞা পা -মা I পা -দা | দপা -ণা -দা -পা I
পা • বে • পা • বে • গো • • •

I পমা -া | মপা -মা মজ্ঞা -রা I জ্ঞা -রা | -জ্ঞা -রা -জ্ঞা -মা I
অ ন্ ধ • কা • রে • • • • •

I মজ্ঞা -া | জসা -জ্ঞা জঋা -া I সা -া | -া -া -া -া I
সু ন্ দ • র • হে • • • • •

I দ্‌া -া | ণ্‌া -সা সা -া I র্সা -া | সা -ঋা ঋণ্‌া -া I
অ ব্ ল ০ ধূ ০ লা ০ প্রা ০ ণে র্

I সা -জ্ঞা | জ্ঞা -া জ্ঞা -রা I জ্ঞা -া | মা -া মা -পা I
বী ০ ণা র্ তা ০ রে ০ বী ০ ণা র্

I পমা -পা | পমা -ণা পদা -পা I মজ্ঞা -রা | -জ্ঞা -রা -জ্ঞা -মা I
তা ০ রে ০ তা ০ রে ০ ০ ০ ০ ০

I মজ্ঞা -া | জসা -জ্ঞা জঋা -া I সা -া | -া -া -া -া II
সু ন্ দ ০ র ০ হে ০ ০ ০ ০ ০

II { সা -মা | মা -া মা -া I মা -পা | পমা -ণা পদা -পা I
দি ০ নে র্ প ০ রে ০ দি ন্ কে ০

I মজ্ঞা -রা | জ্ঞা -া জ্ঞা -ঋা I সা -ঋা | জ্ঞা -া -া -সা I
টে ০ যা য়্ কে ০ টে ০ যা ০ ০ য়্

I সা -ঋা | জ্ঞা -া জঋা -া I সা -া | -া -া -া -া I
সু ন্ দ ০ র ০ হে ০ ০ ০ ০ ০

I সা -দা | দা -া পা -া I পা -দা | পা -র্সা ণা -দা I
ম ০ রে ০ হৃ ০ দ য়্ কো ন্ পি ০

I দা -পা | মা -া মপা -মা I জ্ঞা -রা | জ্ঞা -া -া -সা I
পা ০ সা য়্ পি০ ০ পা ০ সা ০ ০ য়্

I সা -ঋা | জ্ঞা -া জঋা -া I সা -া | -া -া -া -া } I
সু ন্ দ ০ র ০ হে ০ ০ ০ ০ ০

I { র্সা -র্জ্জা | র্জ্জা -া র্ঋা -া I র্সা -া | র্সা -া র্সা -র্ঋা I
শূ ন্ ন • ঘা • টে • আ • মি •

I র্সণা -র্জ্জা | র্জ্জা -া র্জ্জর্ঋা -া I র্সা -া | -র্সা -র্ঋা -ণা -া I
কী • যে • ক • রি • • • • •

I ণা -া | র্সা -র্জ্জা র্জ্জা -া I র্ঋা -া | র্সা -া র্সা -র্ঋা I
র • ভী ন্ পা • লে • ক • বে •

I র্ঋণা -া | র্সা -র্ঋা ণা -র্সা I ণা -া | -া -দা -া -া } I
আ স্ বে • ত • রী • • • • •

I দা -র্সা | র্সা -ণা ণা -দা I দা -পা | পা -া পা -জ্ঞা I
পা • ড়ি • দে • ব • ক • বে •

I পা -মা | পা -মা পা -দা I পা -ণা | -া -দা -া -পমা I
সু • ধা • র • সে • • • • • র্

I মা -া | মপা -মা জ্ঞা -রা I জ্ঞা -রা | -জ্ঞা -রা -জ্ঞা -মা I
পা • রা • বা • রে • • • • •

I মজ্ঞা -া | জ্ঞঋা -জ্ঞা জ্ঞঋা -া I সা -া | -া -া -া -া I
সু ন্ দ • র • হে • • • • •

I দ্‌া -া | ণ্‌া -সা সা -া I সা -া | সা -ঋা ঋণ্‌া -া I
জ ন্ মো • ধূ • লা • প্রা • ণে র্

I সা -জ্ঞা | জ্ঞা -া জ্ঞা -া I জ্ঞা -া | মা -া মা -পা I
বী • ণা র্ তা • রে • বী • ণা র্

I পমা -পা | পমা -পা পদা -পা I মজ্ঞা -রা | -জ্ঞা -রা -জ্ঞা -মা I
তা ০ রে ০ তা ০ রে ০ ০ ০ ০ ০

I মজ্ঞা -া | জ্ঞসা -জ্ঞা জ্ঞধা -া I সা -া | -া -া -া -া II II
সু ন্ দ ০ র ০ হে ০ ০ ০ ০ ০

অবেলায় যদি এসেছ আমার বনে   দিনের বিদায়ক্ষণে
গেয়ো না, গেয়ো না চঞ্চল গান ক্লান্ত এ সমীরণে ॥
ঘন বকুলের ম্লান বীথিকায়
শীর্ণ যে ফুল ঝ'রে ঝ'রে যায়
তাই দিয়ে হার কেন গাঁথ হায়,   লাজ বাসি তায় মনে।
চেয়ো না, চেয়ো না মোর দীনতায়   হেলায় নয়নকোণে ॥
এসো এসো কাল রজনীর অবসানে   প্রভাত-আলোর দ্বারে।
যেয়ো না, যেয়ো না অকালে হানিয়া   সকালের কলিকারে।
এসো এসো যদি কভু সুসময়
নিয়ে আসে তার ভরা সঞ্চয়,
চিরনবীনের যদি ঘটে জয়—   সাজি ভরা হয় ধনে।
নিয়ো না, নিয়ো না মোর পরিচয়   এ ছায়ার আবরণে ॥

II সা -া সা | রা -া | রা রা I রগা -রা গা | মা -পা | পা -া I
অ • বে লা য়্ য দি এ• • সে ছ • আ •

I পধা -পা গা | মা -া | মা -পা I পমা -পা জ্ঞা | জ্ঞরা -জ্ঞা | -মা -পা I
মা• র্ ব নে • দি • নে র্ বি দা • • •

I পরা -মা মজ্ঞা | রা -া | -জ্ঞা -রা I সা -া সা | রা -া | রা রা I
• য়্ ক্ষ ণে • • • অ • বে লা য়্ য দি

I মা -পা পা | পধা -া | -ধা -মা I ধপা -র্সা পধা | ধপা -া | -া -া I
গে • য়ো না • • • গে• • য়ো• না • • •

I পা -না না | না -র্সা | র্সা -র্রা I র্ধা -র্সা র্সপা | পা -ধা | ধপা -ধপা I
চ ন্ চ ল • গা ন্ ক্লা ন্ ত এ • স ••

I মা -পা পা | পমা -া | -া -া II
মী • র ণে • • •

-া -া II { পা পা পা | পা -া | পা -ধা I না -া র্সা | র্সর্রা র্সনা | নর্সা -া I
• • ঘ ন ব হু • লে র্ শ্যা • ম বী• থি• কা• য়্

I ধা -র্সা র্সণা | ণা -া | ণধা -া I -া -া ধা | পধা -মা | ধা -া I
শী র্ ণ বে • ছু • • ল্ ব রে• • ব •

I ধা -ণা -র্সা | -র্সণা -ধা | পা -া I -া -া -া | -া -া | -া -া } I
রে • • • • যা • • • • • • • য়্

I পা -না না | নর্সা -া | র্সা -র্রা I র্রধা -র্সা র্সণা | ধা -পা | মা -া I
ভা ই দি য়ে• • হা র্ কে • ন গাঁ • থো •

I গা -মা -পা | -ধা -ণা | -র্সা -া I র্সধা -র্সা র্সণা | ধা -পা | মা -া I
হা • • • • • র্ লা • জ বা • সি •

I মগা -মা -পা | -ধা -ণা | -র্সা -র্রর্সা I র্সনা -া -া | নর্সা -া | -া -ধা I
ভা • • • • • • র্ ম • • নে• • • •

I ণা -র্রা র্রর্সা | র্সণা -া | -া -ধা I ধপধা -ণা ধা | পা -া | পা -মা I
চে • য়ো না • • • চে• • য়ো না • যো র্

I পা -ণা ণধা | ণা -া | -া -া I -ধা -র্সা ণধা | র্সণা -ধা | ধপা -া I
দী • ন তা • • • • র্ হে• লা• র্ ন •

I পা -ধা ধপা | পমা -গা | পমা -া II
র • ন কো • ণে• -

-া -া II { সা -জ্ঞা জ্ঞা | রা -জ্ঞা | পা -া I পা -া মা | মজ্ঞা -রা | মজ্ঞা -রা I
০ ০ এ ০ সো এ ০ সো ০ কা ল্ র জ০ ০ মী ০ র্

I সসা -া রা | ন্‌া -া | সা -া I সা গা গা | গা -া | গা -সা I
অ ০ ব সা ০ নে ০ প্র ভা ত আ ০ লো র্

I গা -া -মা | মা -া | -া -া I মা -পা পা | পা -া | -া -ধণা I
বা ০ ০ রে ০ ০ ০ যে ০ য়ো না ০ ০ ০০

I ধণা -র্সা ণধা | ধপা -া | -পা -ণা I ণধা ধা ণা | ণধা ধা | ধা -ণা I
যে০ ০ য়ো০ না ০ ০ ০ অ কা লে হা নি য়া ০

I ণধণা -ণর্সা ণধা | ধপা -া | -া -া I পা -া ধা | ধপধা -পা | মা গা I
যে০ ০০ য়ো০ না ০ ০ ০ স ০ কা লে০ র্ ক লি

I রগা -া -মপা | পমা -া | -া -া } I { পা পা পা | পা -া | পা ধা I
কা০ ০ ০০ রে ০ ০ ০ এ সো এ সো ০ য দি

I না না র্সা | র্র্সা -না | নর্সা -া I ধর্সা র্সণা ণা | ণধা -া | ধা -মা I
ক ভু র স০ ০ ম০ র্‌ নি০ য়ে আ সে ০ তা র্

I ধা ধণা -র্সা | র্সণা -ধা | ধপা -া } I পা না না | নর্সা -া | র্সা -র্রা I
ভ রা০ ০ ন র্ চ র্‌ চি র ন বী০ ০ নে র্

I র্সধা -র্সা র্সণা | ধা -পা | পমা -া I মগা -মা -পা | -ধা -ণা | -র্সা -া I
য ০ দি য ০ টে ০ জ ০ ০ ০ ০ ০ র্‌

I র্সধা -র্সা র্সণা | ধা -পা | পমা -া I মগা -মা -পা | -ধা -ণা | -র্সা -র্রর্সা I
লা ০ জি ত ০ য়া ০ হ ০ ০ ০ ০ ০ ০ র্‌

I সনা -া -া | নর্সা -া | -র্সা -ধা I ণা -র্রা র্র্সা | র্সণা -া | -া -ধা I

ধ • • নে• • • • নি • য়ো না • • •

I ধপধা -পা পধা | পা -া | পা -মা I পা -পা পধা | পা -া | -া -া I

নি· • য়ো না • মো র্ প • রি চ • • •

I -ধা -র্সা ধা | র্সণা -ধা | ধপা -া I পা -ধা ধপা | মা -গা | পমা -া II II

• য়্ এ ছা• • য়া র্ আ • ব র • ণে• •

আজ শ্রাবণের পূর্ণিমাতে কী এনেছিস বল্—
হাসির কানায় কানায় ভরা নয়নের জল ॥
বাদল-হাওয়ার দীর্ঘশ্বাসে যূথীবনের বেদন আসে—
ফুল-ফোটানোর খেলায় কেন ফুল-ঝরানোর ছল।
ও তুই কী এনেছিস বল্ ॥
কী আবেশ হেরি চাঁদের চোখে,
ফেরে সে কোন্ স্বপন-লোকে ওগো।
মন বসে রয় পথের ধারে, জানে না সে পাবে কারে·
আসা-যাওয়ার আভাস ভাসে বাতাসে চঞ্চল।
ও তুই কী এনেছিল বল্ ॥

[মপা]
II সা -গা গা | গা গা -া I পা -া গা | গমা -া -রা I
আ জ্ শ্রা ব ণে র্ পূ র্ ণি মা০ ০ ০

I রা -া -পা | -া -া -া I না -া -ধনা | না র্র্সা র্সনা I
তে ০ ০ ০ ০ ০ কী ০ ০০ এ নে০ ০

I ধপা -া -া | -া -া -া I পা -র্সা -া | র্সপা -া -ধা I
ছি০ ০ ০ ০ ০ স্ ব ০ ০ ০ ০ ল্

I পা -ধা ধপা | -মা -গা -রসা I সা -গা গা | গা গা -া I
ব ০ ০ ০ ০ ০ল্ আ জ্ শ্রা ব ণে র্

I গা -া গা | গমা -া -রা I রা -া -পা | -া -া -া I
পূ র্ ণি মা০ ০ ০ তে ০ ০ ০ ০ ০

I { পনা না -া | না না -া I না -া -ধনা | র্র্সা -া -া I
হা• সি র্ কা না য়্ কা • •• না• • য়্

I ধনা -র্সনা -ধনা | ধপা -া -া } I গা -মা পা | -ধা পা -া I
ভ• •• •• রা• • • ন • য় • নে র্

I পধা -র্সপা -ধপা | ধা পা -া I পা -ধা ধপা | -পা পমা -া I
জ •• •ল্ ও তু ই কী • এ • নে •

I গা -া -া | -া -া -রসা I সা -গা -া | -া -া -া I
ছি • • • • ••স্ ব • • • • ল্

I গা -মা -া | -া -া -া I [ ] I
ব • • • • ল্

II { পা পা -া | না না -র্সা I র্সা -া -া | র্সা র্সাঃ -নঃ] I
বা দ ল্ হাও য়া র্ দী • র্ ঘ শ্বা •

I র্র্সা -া -া | -া -া -া I পর্সা র্সা -না | নর্র্া র্র্সা -না I
সে• • • • • • যূ• থী • ব• নে র্

I নধা -া -নর্সা | র্সনা -া পপক্ষা I পা -া -না | -নধা -া -র্সা I
বে • •• দ্ • •ন্ আ • • • • •

I (না -া -র্সা | -ধা -না -পা) } I না -া -া | -া -া -া I
সে • • • ◦ • সে • • • • •

I গা -া গা | গা গা -মা I পা পা -া | না না -ধনা I
ফু ল্ ফো টা নো র্ খে লা য়্ কে ন •

I র্সা -া র্সা | র্সা নধা -না I র্সা -নর্সা -া | র্সর্রা র্সা -া I
তু ০ ল্ ব রা মো০ র্ ছ ০০ ল্ ও তু ই

I না -া -ধনা | না র্রর্সা -র্সনা I ধপা -া -া | -া -া -া I
কী ০ ০ এ নে ০ ০ ছি০ ০ ০ ০ ০ স্

I পা -র্সা -া | -পা -া -ধপা I পা -ধা -ধপা | -মা -গা -রসা II
ব ০ ০ ০ ০ ০ল্ ব ০ ০ ০ ০ ০ল্

II { পা -র্সা র্সা | -পা ধা -পা I পা -গপা -পমা | গা -া -রসা I
কী ০ আ ০ বে শ্ হে ০০ ০ রি ০ ০০

I সা -গা গা | -া গা -রগা I মা -া -া | -া -া -া I
চাঁ ০ দে র্ চো ০ খে ০ ০ ০ ০ ০

I (গা -পা পা | -ক্ষা পা -ক্ষা I ধপা -া -া | -া -া -া I
ফে ০ রে ০ সে ০ কো০ ০ ০ ০ ০ ন্

I পা -না ধা | -না পা -ধা I গা -পমা -গা | গা গা -মা) } I
স্ব ০ প ন্ লো ০ কে ০০ ০ ও গো ০

I { পা -া পা | না না -র্সা I র্সা র্সা -না | র্সা -াঃ -নঃ I
ম ন্ ব সে র র্ প থে র্ ধা ০ ০

I র্রর্সা -া -া | -া -া -া I পর্সা র্সা -না | নর্রা র্রর্সা -না I
রে০ ০ ০ ০ ০ ০ জা০ নে ০ না ০ সে ০

I ধা -া -নর্সা | র্সনা -া -ধপক্ষা I পা -া -না | -ধা -া -র্সা I
পা ০ ০০ বে ০ ০০ কা ০ ০ ০ ০ ০

I (র্না -া -র্সা | -ধা -না -পা) } I র্না -া -া | -া -া -া I
রে • • • • • রে • • • • •

I পা পা -া | পা পা -মা I পা পা -া | না না -া I
আ সা • যাও য়া র্ আ ভা স্ ভা সে •

I নর্সা র্সা -া | র্সা নধা -না I র্সা -নর্সা -া | র্রা র্সা -া I
বা• তা • সে চ• ন্ চ • • ল্ ও ঠু ই

I না -া -না | না র্রর্সা -র্না I ধপা -া -া | -া -া -া I
কী • • এ নে• • ছি• • • • • ন্

I পা -র্সা -া | -পা -া -ধপা I পা -ধা -পা | -মা -পা -রসা II II
ব • • • • •ন্ ব • • • • •ন্

৯

একলা বসে বাদল-শেষে শুনি কত কী—
'এবার আমার গেল বেলা' বলে কেতকী ॥
বৃষ্টি-সারা মেঘ যে তারে ডেকে গেল আকাশপারে,
তাই তো সে যে উদাস হল— নইলে যেত কি ॥
ছিল সে যে একটি ধারে বনের কিনারায়,
উঠত কেঁপে তড়িৎ-আলোর চকিত ইশারায়।
শ্রাবণঘন-অন্ধকারে গন্ধ যেত অভিসারে—
সন্ধ্যাতারা আড়াল থেকে খবর পেত কি ॥

II র্সা -া ণা | ধা পা -া I পধা ধপা -া | মগা রা -া I
এ ক্ লা ব সে • বা• দ ল্ শে• ষে •

I রা রা -পা | পা মা -গা I রা -া -া | -া -া -া I
শু নি • ক ত • কী • • • • •

I রমা মা -া | মা মা -পমা I মগা গা -মা | রা রা -গা I
এ• বা র্ আ মা •র্ গে ল • বে লা •

I সা সা -া | রা রা -গা I রা -মা -া | -পা -া -র্সা II
ব লে • কে ত • কী • • • • •

II { মা -া পা | পনা না -া I না -া র্সা | নর্রা -া -র্সনা I
বৃ ষ্ টি সা• রা • মে ঘ্ যে তা• • ••

I র্সা -া -া | -া -ণা -া I ণা ণা -া | ণা -া -ধা I
রে • • • • • ডে কে • গে • •

I র্সণা -া -া | -া -া -া I ধর্সা ণা -া | ণধা -পধা -ণধা I
ল• • • • • • আ• কা শ্ পা• •• ••

I পা -া -া | -া -া (-ধা)} I -া I {পা -র্সা পা | ধা পা -া I
যে • • • • • • তা ই তো সে যে •

I পধা পা -া | মগা রা -া I রা -পা পা | মগা মা -গা I
উ• দা স্ হো• লো • ন ই লে যে• ত •

I (রা -া -মা | মা পা -ধা)} I রা -া -া | -া -া -া I
কি • • ও গো • শি • • • • •

I রমা মা -া | মা মা -পমা I মগা গা -মা | রা রা -গা I
এ• বা র্ আ মা •র্ গে ল • বে লা •

I সা সা -া | রা রা -গা I রা -মা -া | -পা -া -র্সা II
ব লে • কে ত • কী • • • • •

[রা সা -ন্া]
II {ন্া ন্া -া | ন্া -া -সা I সা -া -া | -া -া -া I
ছি ল • সে • • যে • • • • •

I (সা -া সরা | রা -া -া I রা -া -া | -া -া -া I
এ ক্ টি• ধা • • রে • • • • •

I রা রা -মা | মা মা -গা I পমা -া -া | -া -া -গা I
ব সে র্ কি না • রা • • • • র্

I রা -মা রা | মা -া -পা I পা -া -া | -া -া -া I
উ ঠ্ তো কেঁ • • পে • • • • •

I পর্সা ণা -া | ধা পা -া I পধা পা পা | মগা পমা -গা I
ত• ড়ি ৎ আ লো র্ চ• কি ত ই• শা• •

I রা -া -া | -া -া -জ্ঞা)} I {রা পা -া | রা রা -া I

রা • • • • র্ শ্রা ব ণ্ ঘ ন •

I না -া র্সা | নর্রা -া -র্সনা I র্র্সা -া -া | -া -া -পা I

অ ন্ ধ কা• • •• রে • • • • •

I পা -া পধা | পা -া -ধা I র্পা -া -া | -া -া -া I

গ ন্ ধ• যে • • ত • • • • •

I ধর্সা পা -া | পধা -পধা -পধা I পা -া -া | -া -া (-ধা)} I -া I

অ• ভি • সা• •• •• রে • • • • •

I {পা -র্সা পা | ধা পা -া I পধা পা -া | মগা রা -া I

স ন্ ধ্যা তা রা • আ• ড়া ল্ থে• কে •

I রা রা -পা | পা মা -গা I রা -া (-মা | মা পা -ধা)} I -া | -া -া -া I

খ ব র্ পে তো • কি • • ও গো • • • • •

I রমা মা -া | মা মা -পমা I মগা গা -মা | রা রা -গা I

এ• বা র্ আ মা •র্ গে ল • বে লা •

I সা সা -া | রা রা -গা I রা -মা -া | -পা -া -র্সা II II

ব লে • কে ত • কী • • • • •

১০

লহো লহো তুলে লহো নীরব বীণাখানি।
তোমার নন্দননিকুঞ্জ হতে সুর দেহো তায় আনি
ওহে   সুন্দর হে সুন্দর॥
আমি   আঁধার বিছায়ে আছি রাতের আকাশে
তোমারি আশ্বাসে।
তারায় তারায় জাগাও তোমার আলোক-ভরা বাণী
ওহে   সুন্দর হে সুন্দর॥
পাষাণ আমার কঠিন দুখে তোমায় কেঁদে বলে,
'পরশ দিয়ে সরস করো, ভাসাও অশ্রুজলে,
ওহে   সুন্দর হে সুন্দর।'
শুষ্ক যে এই নগ্ন মরু নিত্য মরে লাজে
আমার চিত্তমাঝে,
শ্যামল রসের আঁচল তাহার বক্ষে দেহো টানি
ওহে   সুন্দর হে সুন্দর॥

II র্সা র্সা -া | র্সর্রা -র্রর্সা | র্রর্সা -না I র্রা র্সা -া | না -া | না -র্সা I
ল হো ॰ ল॰ ॰ হো॰ ॰ তু লে ॰ ল ॰ হো ॰

I ধর্সা র্সা না | না -ধা | পা -ক্ষা I পা -া -ধা | না -া ॥ | পা পা I
নী॰ র ব বী ॰ ণা ॰ খা ॰ ॰ নি ॰ তো মার্

I পা -দা দা | দা -া | দা -ণা I পা -া দা | পা -া | পা -ক্ষা I
ন ন্ দ ন ॰ নি ॰ কু ন্ জ হ ॰ তে ॰

I পা -ণা ণা | ণদা -া | পা -া I মপা -া গা | গা -া | গা -মা I
সু র্ দে হো ॰ তা য়্ আ॰ ॰ নি ও ॰ হে ॰

I পা -না না | ধা -নধা | পা -ধা I মা -পা পা | পা -া | -া -া II
সু ন্ দ র ॰॰ হে ॰ সু ন্ দ র ॰ ॰ ॰

সা না II { র্সা র্সা -া | র্সা -া | র্সা -া I র্সা র্সা -া | র্সা -া | র্সা -র্সা I

আ মি আ মা • র • বি • ছা য়ে • আ • ছি •

I র্সা র্সা -র্জা | র্জা -া | র্জা -র্জর্রা I র্সা র্রা -া | -া -া | -া -র্সা I

রা তে • র • আ • • কা শে • • • • •

I র্রর্সা র্সা -া | র্জা -া | র্রা -র্সা I র্সর্রা র্সনা -া | -া -া | (না না) } I -া -া I

তো• মা • রি • আ • পা• নে• • • • আ মি • •

I নর্সা র্সা -া | র্সা -া | র্সা -া I র্সর্রা র্সা -া | র্সা -া | র্রর্সা -না I

আ• মা র্ তা • মা র্ আ• পা ও তো • মা• র্

I না র্সা -া | র্সা -না | না -র্সা I ধনা -র্সনা ধপা | পা -া | পা -ধা I

আ লো ক ভ • রা • বা• • • ণী ও • হে •

I পা না না | ধা -না | পা -ধা I মা -পা পা | পা -া | -া -া II

সু ন্ দ র • হে • সু ন্ দ র • • •

-া -া II { সা সা -া | রা -া | রা -গা I মা পা -ধা | মা -পা | গা -া I

• • পা ষা ণ্ আ • মা র্ ক ঠি ন্ দু • খে •

I গা গা -মা | রা -গা | গা পা I পমা গা -া | -া -া | -া -া I

তো মা র্ কেঁ • দে • ব লে • • • • •

I গা মা মা | মা -া | মা -া I মা পা পা | পা -া | পা -দা I

প র শ দি • য়ে • স র স ক • রো •

I দা দা -া | দা -া | পা -পা I পদা দা -পা | পা -া | পা -দা I

ভা সা ও অ শ্ রু • জ লে • ও • হে •

I মা -া পা | দা -পা | পদা -পা I মা -পা দপা | মপা -া | -া -া } I
সু ন্ দ র • হে• • সু ন্ দ• র• • • •

I { র্সা -া র্সা | র্সা -া | র্সা -া I র্সা -া র্সা | র্সা -া | র্রর্সা -না I
ত ব্ ক রে • এ ই ম ম্ ম ম • ক• •

I র্সা -া র্জা | র্জা -া | র্জা -র্রা I র্সা র্রা -া | -া -া | -া -র্সা I
নি ত্ ত ম • য়ে • লা জে • • • • •

I র্রর্সা র্সা -া | র্জা -া | র্জর্রা -র্সা I র্সর্রা র্সনা -া | -া -া | -া -া } I
আ• মা র্ চি ত্ ত• • মা• ঝে• • • • • •

I র্সা র্সা -া | র্সা -া | র্সা -া I র্সা র্সা -া | র্সা -া | র্রর্সা -না I
জা ম ল্ ম • সে র্ আঁ চ ল্ তা • হা• র্

I না -া র্সা | র্সা -া | না -র্সনা I ধনা -র্সনা ধপা | পা -া | পা -ধা I
দো ক্ খে দে • হো • • টা• • • নি ও • হে •

I পা -না না | ধা -না | পা -ধা I মা -পা পা | পা -া | -া -া II II
সু ন্ দ র • হে • সু ন্ দ র • • •

১১

যেতে দাও যেতে দাও গেল যারা।
তুমি যেয়ো না, তুমি যেয়ো না,
আমার বাদলের গান হয় নি সারা ॥
কুটিরে কুটিরে বন্ধ দ্বার, নিভৃত রজনী অন্ধকার,
বনের অঞ্চল কাঁপে চঞ্চল— অধীর সমীর তন্দ্রাহারা ॥
দীপ নিবেছে নিবুক নাকো, আঁধারে তব পরশ রাখো।
বাজুক কাঁকন তোমার হাতে আমার গানের তালের সাথে,
যেমন নদীর ছলোছলো জলে ঝরে ঝরোঝরো শ্রাবণধারা ॥

সা সজ্ঞা II জ্ঞা -া -া -া | -রা -সা সা র্সা I র্ণসা -া -া -া | -জ্ঞা -া জ্ঞরা সা I
যে তে০ দা ০ ০ ০ ০ ও যে তে০ দা০ ০ ০ ০ ও ০ গে ল

I রা -মজ্ঞা জ্ঞরা -া | -া -া -া -া I মা গা মা গা | মা -া -া -া I
যা ০০ রা ০ ০ ০ ০ ০ তু মি যে য়ো না ০ ০ ০

I মপা পমা জ্ঞা রা | মজ্ঞা -া মা মা I পা -ধা ণা -র্সা | ধর্সা র্সণধা পা -া I
০ তু ০ মি যে য়ো না ০ ০ আ মার্ বা ০ দ ০ লে০ ০র্ গা ন্

I পা -ধা মা -পা | মগা -া মা -া I -জ্ঞা -া -া -া | -া -া রসা রা II
হ য়্ নি ০ সা ০ রা ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ "যে০ তে"

II { পা না না -া | না না না -র্সা I র্ধনা -র্সর্রা -র্জ্ঞর্রা র্সনা | র্রর্সা -া -পা -া I
কু টি রে ০ কু টি রে ০ ব০ ০০ ০ন্ ধ০ দ্বা ০ ০ র্

I ধা ধা পা -া | ধা ধা ণা -া I ধা -াঃ -র্ণসঃ ণধা | পা -া -া (-া) } I -মগা I
নি ভৃ ত ০ র জ নী ০ অ ০ ০ন্ ধ০ কা ০ ০ র্ ০র্

I মা -ধা ধা ধা | ধা -া ধা মা I ধা -ণা ধণর্সণা -ধণা | পধা -পা পা পা I
ব • নের অ নু চ ল কাঁ • পে••• •• চ নু চ ল

I পা ধা ণা র্সা | ণর্সা -া -া ণধা I পা -ধা মণা ণা | মজ্ঞা -া -া -া I
অ ধী র স মী• • • র• ত নু ত্রা• হা রা • • •

I জ্ঞা জ্ঞা জ্ঞা রা | জ্ঞা -া -া -া I জ্ঞমা মজ্ঞা রা সন্‌া | সা -া মা মা I
তু মি যে য়ো মা • • • তু• মি যে য়ো• মা • আ মার্

I পা -ধা ণা -র্সা | ধর্সা -ণধা পা -া I পা -ধা মা -পা | পগা -া পমা -া I
বা • দ • লে• •র্ গা নু হ য়্‌ নি • সা • রা• •

I -জ্ঞা -া -া -া | -া -া রসা রা II
• • • • • • "যে• তে"

II { সা -া রা রা | রা -া -া -গা I মা পা -া পক্ষা | ধপা -া -া -া I
দী প্‌ নি বে ছে • • • নি বু কৃ না• কো• • • •

I পা -ধা ণা -র্সা | ধর্সা -ণধা পধা ধপা I গা গা মা পধপা | (পমা -া -জ্ঞা -রা) } I মা -া -া -া I
আঁ • ধা • রে• • • ত• ব প র শ রা•• খো • • • খো • • •

I { পা -া পা -া | পা -া পা ধা I না -া র্সা র্রা | র্রনা -া র্সা -া I
বা • জু কৃ কাঁ • ক ন তো • মা র হা • তে •

I না -র্রা র্রর্সা -া | ণা -ধা ণা ধা I ধপা -ধপা মা গা | রগা -মা মা (-পা) } I -া I
আ • মা র্ গা • নে র ভা • • লে র সা• • থে • •

I গা -া মা -া | মা -পা পা I পা পা পা পমা | পা -ধা ণা -া I
যে • ম নু ন • দী র্ ছ লো ছ লো জ • লে •

I পধা -পা পা -া | -া -া -া -া I পা ধা পা র্সা | র্সধা -র্সপা ধা পা I
ঝ॰ • রে • • • • • ঝ রো ঝ রো ঝা॰ •• ব ণ

I মপা -া মা -া | -া -া -া -া I পা মা জ্ঞা রা | জ্ঞা -া -া -া I
ধা॰ • রা • • • • • তু মি যে মো রা • • •

I মা জ্ঞা রা সন্‌া | সা -মা মা মা I পা -ধা পা -র্সা | ধর্সা -পধা পা -া I
তু মি যে মো॰ রা • আ মার্ বা • দ • লে॰ •র্ গা ন্

I পা -ধা মা -পা | পমা -া মা -া I -জ্ঞা -া -া -া | -া -া রসা রা II II
হ র্ মি • না • রা • • • • • • • "যে॰ তে"

পথিক পরান, চল্, চল্ সে পথে তুই
যে পথ দিয়ে গেল রে তোর বিকেলবেলার জুঁই ॥
সে পথ বেয়ে গেছে যে তোর সন্ধ্যামেঘের সোনা,
প্রাণের ছায়াবীথির তলে গানের আনাগোনা—
রইল না কিছুই ॥
যে পথে তার পাপড়ি দিয়ে বিছিয়ে গেল ভুঁই,
পথিক পরান, চল্, চল্ সে পথে তুই।
অন্ধকারে সন্ধ্যাযূথীর স্বপনময়ী ছায়া
উঠবে ফুটে তারার মতো কায়াবিহীন মায়া—
ছুঁই তারে না ছুঁই ॥

II { পা -ণা ণা | -া পদা -া I পা -া -া | -া -া -দা I
প • থি ক্ প • রা • • • • ন্

I পজ্ঞা -পা -া | -জ্ঞা -া -মা I পা -ণা ণা | পদা পা -া I
চ • • • • ল্ চ ল্ সে প থে •

I মা -জ্ঞা -া | -া -া -া I পা -দাং ণা | -র্সা র্সণা -া I
তু • ই • • • যে • প থ্ দি •

I দা -পা পা | -মা মা -রা I রজ্ঞা -মজ্ঞা -রা | রসা -া -রা I
য়ে • গে • ল • রে• •• • তো • র্

I ণ্‌া সা -া | জ্ঞা জ্ঞা -মা I পা -া -া | -া -া -া } I
বি কে ল্ বে লা র্ জুঁ • ই • • •

I পা পা -া | পমা জ্ঞা -মা I পা না -া | না র্সা -া I
সে প থ্ বে য়ে • গে ছে • যে তো র্

I র্সা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা | র্জ্ঞর্ঋা র্সা -র্ঋা I ণা র্সা -া | -া -া -া I
স ন্ ধা নে যে র্ লো মা • • • •

I র্সর্জ্ঞা র্জ্ঞা -া | র্জ্ঞর্ঋা র্জ্ঞা -া I র্জ্ঞর্মা র্মর্জ্ঞা -া | র্জ্ঞর্ঋা র্সা -া I
প্রা• ণে র্ ছা য়া • বী• থি র্ ত লে •

I র্সর্ঋা র্ঋা -া | র্সা র্সা -ণা I ণা ণা -া | -া -া -া I
গা• নে র্ আ না • গো না • • • •

I ণা -র্সা র্সণা | ণা দা -া I দপা -া -া | -া -া -া I
র ই ল না কি • ছু • ই • • •

I সা -া ঋা | -া ঋসা -ঋা I মজ্ঞা -া -া | -মা -পা -দা I
প • থি ক্ প• • রা• • • • • ন্

I দজ্ঞা -পা -া | -জ্ঞা -া -মা I পা -ণা ণা | ণদা পা -া I
চ • • • • ল্ চ ল্ লে প থে •

I মা -জ্ঞা -া | -া -া -া I পা -দাং ণা | -র্সা র্সণা -া I
তু • ই • • • যে • প থ্ ভি •

I দা -পা পা | -মা মা -ঋা I ঋজ্ঞা -মজ্ঞা -ঋা | ঋসা -া -ঋা I
রে • গে • ল • রে• •• • তো • র্

I ণ্া সা -া | জ্ঞা জ্ঞা -মা I পা -া -া | -া -া -া I
বি কে ল্ বে লা র্ ফু • ই • • •

I { সা -জ্ঞা জ্ঞা | -া জ্ঞঋা -া I জ্ঞা -া -া | -া -া -া I
যে • প • থে • তা • • • • র্

I গজ্ঞা -া জ্ঞা | -া জ্ঞরা -া I জ্ঞা -া মা | -া পা -দা I
পা প্ ড়ি • দি • য়ে • বি • ছি •

I দমা -পা পরা | -মা মজ্ঞা -রা I সা -া -া | -রা -ণ্া -া I
য়ে • গে • ল • ভু • • • • ই

I সা -জ্ঞা জ্ঞা -া জ্ঞা -রা I রজ্ঞা -া -া | -া -া -া I
প • থি ক্ প • রা • • • • ন্

I জ্ঞরা -মা -জ্ঞা -রা -সা -রা I সা -মা মা | মজ্ঞা জ্ঞা -রা I
চ • • • • ল্ চ ল্ সে প থে •

I সা -া -া | -া -া -া } I পা -া পা | মা জ্ঞা -মা I
তু • ই • • • অ ন্ ধ কা রে •

I পা -না না | না র্সা -া I র্সনা র্সা -র্জ্ঞা | র্জর্ঋা র্সা -র্ঋর্সা I
ল ন্ ধা যু থী ব্ স্ব প ন্ ম য়ী • •

I র্ঋনা র্সা -া | -া -া -া I র্সা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা | র্জর্রা র্জ্ঞা -া I
ছা য়া • • • • উ ঠ্ বে ফু টে •

I র্জ্ঞর্মা র্মর্জ্ঞা -া | র্জর্ঋা র্সা -া I র্সর্ঋা র্ঋা -র্সা | র্সা র্সা -ণা I
তা • রা ব্ ম তো • কা • য়া • বি হী ন্

I ণা ণা -া | -া -া -া I ণা -র্সা র্সণা | ণা পদা -া I
মা য়া • • • • ছুঁ ই তা রে মা •

I পা -া -া | -া -া -া I সা -া রা | -া রসা -রা I
ছুঁ • ই • • • প • থি ক্ প • •

I মজ্ঞা -া -া | -ঋা -পা -দা I পজ্ঞা -পা -া | -জ্ঞা -া -মা I
রা • • • • • ন্ চ • • • • ন্

I পা· -ণা ণা | ণদা পা -া I মা -জ্ঞা -া | -া -া -া I
চ ন্ দে প থে • ছু • ই • • •

I পা -দাং পা | -র্সা র্সণা -া I দা -পা পা | -মা মা -ঋা I
যে • প থ্ দি • য়ে • গে • ল •

I ঋজ্ঞা -মজ্ঞা -ঋা | ঋসা -া -ঋা I ণ্া সা -া | জ্ঞা জ্ঞা -মা I
রে • • • • তো • র্ বি কে ল্ বে লা য়্

I পা -া -া | -া -া -া II II
ছুঁ • ই • • •

১৩

ও আষাঢ়ের পূর্ণিমা আমার, আজি রইলে আড়ালে—
স্বপনের আবরণে লুকিয়ে দাঁড়ালে ॥
আপনারই মনে জানি না একেলা হৃদয়-আঙিনায় করিছ কী খেলা—
তুমি আপনায় খুঁজিয়া ফেরো কি তুমি আপনায় হারালে ॥
একি মনে রাখা, একি ভুলে যাওয়া।
একি স্রোতে ভাসা, একি কূলে যাওয়া।
কভুবা নয়নে কভুবা পরানে কর লুকোচুরি কেন যে কে জানে।
কভুবা ছায়ায় কভুবা আলোয় কোন্ দোলায় যে নাড়ালে ॥

মা -পা II { পমা -া | জ্ঞা রা সা -ন্া I সা -া | রা -পা পা -ধা I
ও • আ • ষা • ঢ়ে র্ পূ র্ ণি • মা •

॥
I মা -পা | মা -জ্ঞা -া -া I -া -া | (মা -া পা -া I
আ • মা • • • • র্ আ • জি •

I পা -ণা | ণা -া ধা -ণা I পা -ধা | মা -পা মা -পা) } I মা -া পা -া I
র ই লে • আ • ড়া • লে • ও • স্ব • প •

I পা -মা | পা -ধা ণা -ধা I ধপা -ধা | পা -া -া -া I
নে র্ আ • ব • র • ণে • • •

I পা -র্সা | র্সণা -া ধা -া I পা -ধা | মা -পা মা -পা II
লু • কি • য়ে • দাঁ • ড়া • লে •

-া -া -া -া II { না -া | না -া না -া I না -া | না -া র্সা -া I
• • • • আ • প • না • রি • র • নে •

I র্সণা৲ -া | র্সা -া ণা -া I ধা -া | ণা -া ধা -া I
জা • নি • না • এ • কে • লা •

I পা -া | পা -ধা ধপা -া I গা -া | -া মা -া -া I
হৃ • দ য়্ আ • ঙি • • না • য়্

I গা -া | মা -া পা -া I ধা -া | না -া র্সা -া } I
ক • রি • ছ • কী • খে • লা •

I -া -া | র্সা -া র্সা -া I সা -া | সা -া সা -া I
• • তু • মি • আ • প • না য়্

I রা -া | রগা -রা গা -া I মা -া | পা -া -া -া I
খুঁ • জি • য়া • ফে • রো • • •

I না -া | না -া র্সা -া I না -র্সা | না -র্রা র্রর্সা -া I
কি • তু • মি • আ • প • না য়্

I র্সণা -ধা | পা -ধা মা -পা II
হা • রা • লে •

জ্ঞা -রা সা -ন্‌া II { সা -রা | জ্ঞা -মা জ্ঞা -রা I সা -া | সা -রা সা -ন্‌া I
এ • কি • ম • নে • রা • খা • এ • কি •

I সা -রা | জ্ঞা -মা জ্ঞা -রা I সা -া | গা -া গা -া I
ভু • লে • যা ও য়া • এ • কি •

I গা -া | মা -া গা -া I মা -া | মগা -পা পমা -া I
ভো • ভে • ভা • সা • এ • কি •

I মজ্ঞা -ৠা | জ্ঞা -া জ্ঞা -ৠা I মজ্ঞা -া | জ্ঞা -ৠা সা -ন্‌া } I

হৃ • দে • যা ও য়া• • এ • কি •

I সা -ৠা | জ্ঞা -মা জ্ঞা -ৠা I সা -া | -া -া -া -া I

য • নে • য়া • যা • • • • •

I { না -র্ৠা | র্সা -া ণা -া I ণা -া | ণা -ধা ণা -া I

ক • ভু • বা • ন • য় • নে •

I ণধা -র্সা | র্সণা -া ধা -া I পা -া | পা -া পা -া I

ক • ভু • বা • প • রা • নে •

I পা -ধা | ধমা -া গা -া I মা -া | মগা -া মা -া I

ক • র • লু • কো • চু • রি •

I গা -া | মা -া পা -া I ধা -া | না -া র্সা -া } I

কে • ন • যে • . কে • জা • নে •

I সা -া | সা -া সা -া I ৠা -া | ৠা -া -া -া I

ক • ভু • বা • ছা • য়া • • র্

I ৠা -া | গা -ৠা গা -া I মা -া | পা -া না -র্সা I

ক • ভু • বা • আ • লো র্ কো ন্

I না -র্ৠা | র্ৠর্সা -া ণা -ধা I পা -ধা | মা -পা মা -পা II II

দো • লা য়্ যে • না • ভা • লে •

১৪

আছ আকাশ-পানে তুলে মাথা,
কোলে আধেকখানি মালা গাঁথা॥
ফাগুনবেলায় বহে আনে আলোর কথা ছায়ার কানে,
তোমার মনে তারি সনে ভাবনা যত ফেরে যা-তা॥
কাছে থেকে রইলে দূরে,
কান্না মিলায় গানের সুরে।
হারিয়ে-যাওয়া হৃদয় তব মূর্তি ধরে নব নব—
পিয়ালবনে উড়ালো চুল, বকুলবনে আঁচল পাতা॥

সা সা সণ্‌্‌ II সা -র্সা র্সণা | ণপা -ণা পদা I পা -া -দা | দমা -পদপা -মপা I
আ ছ আ০ কা শ্‌ পা নে ০ তু লে ০ ০ মা ০০০ ০০

I মজ্ঞা -া -া | -া -া -া I জ্ঞা জ্ঞা রা | জ্ঞা -া রা I
থা০ ০ ০ ০ ০ ০ কো লে আ ধে ক্‌ খা

I জ্ঞা -া রা | জ্ঞা -মা -পা I পজ্ঞা -মা -া | মজ্ঞা -া -া I
নি ০ মা লা ০ ০ গাঁ ০ ০ থা ০ ০

I -ঋা -া -া | সা সা সণ্‌্‌ II
০ ০ ০ "আ ছ আ০"

II সা সা -ঋা | জ্ঞা -া -া I মা -া -া | -া -া -া I
ফা গু ন্‌ বে ০ ০ লা ০ ০ ০ ০ য়্‌

I মা পদা দা | ণা র্সা -া I র্সর্ঋা -া ণা | র্সা দা -ণা I
ব হে০ আ নে আ ০ লো০ র্‌ ক থা ছা ০

I র্সা -র্ঋা ণা | র্সা দা -ণা I র্সা -র্জ্ঞা র্জর্ঋা | র্সা -া -া I
রা ব্ কা নে তো • যা ব্ ব নে • •

I র্সর্ঋা র্ঋা র্সা | র্সা র্সা -া I র্সর্ঋা -ণা ণা | ণপা -ণা দা I
তা• রি ল নে ভা ব্ না• • য ত • কে

I পা -া -া | -া -া -া I পর্সা -া -া | ণা -া -া I
রে • • • • • যা• • • তা • •

I দা দা পা | মা -পমা জ্ঞরা I জ্ঞা -া রা | জ্ঞা -মা -পা I
কো লে আ ধে •ক্ থা• নি • মা লা • •

I পজ্ঞা -মা -া | জ্ঞা -া -া I -ঋা -া -া | সা সা সণ্া II
গাঁ • • থা • •• • • • "আ ছ আ•"

II সা সা সা | সা সা -া I সা -ণ্া সা | সা -দা -া I
কা ছে থে কে র ই লে • দূ রে • •

I -া -া দপা | দা -র্সা -া I র্সর্ঋা র্সা র্সা | র্সর্ঋা -ণা ণা I
• • দূ• রে • • কা• রা মি লা• র্ গা

I ণপা -ণা ণদা | পা -া -া I -া -া সা | সা -জ্ঞা -া I
নে র্ সু রে • • • • সু রে • •

I দা দা দা | ণা -া -র্সা I ণর্সা -া -া | -া -া দা I
হা রি য়ে যা • ও য়া• • • • • হৃ

I দা -র্জ্ঞা র্জর্রা | র্জ্ঞা র্জ্ঞা -র্রা I র্জ্ঞা -র্রর্মা র্সর্জ্ঞা | র্ঋা -র্সা র্সর্ঋা I
দ য়্ ত ব সু র্ তি •• ধ রে • ন•

I র্ণা -র্জ্ঞা র্ঋা | র্সা র্সা -া I র্সর্ঋা -ণা ণা | ণা -া দা I
ব • ন ব পি • য়া• ন্ ব নে • উ

I দপা -পা দা | পা -া দা I মপা -া মা | পমা -পমা জ্ঞরা I
ড়া • লো চু ন্ ব হু• ন্ ব নে •• খাঁ•

I জ্ঞা -া রা | জ্ঞা ঋা -সা I সা -ঋা ণ্া | সা -জ্ঞা জ্ঞরা I
চ ন্ পা তা কো • লে • আ ধে ক্ খা

I জ্ঞা -া -া | দ্া -া -ণ্া I সা -জ্ঞা -া | জ্ঞঋা -া -জ্ঞঋা I
নি • • মা • • না • • গাঁ • ••

I সা -া -া | সা সা সণ্া II II
থা • • "আ ছ আ•"

১৫

দ্বারে কেন দিলে নাড়া ওগো মালিনী।
কার কাছে পাবে সাড়া ওগো মালিনী॥
তুমি তো তুলেছ ফুল, গেঁথেছ মালা, আমার আঁধার ঘরে লেগেছে তালা।
খুঁজে তো পাই নি পথ, দীপ জ্বালি নি॥
ওই দেখো গোধূলির ক্ষীণ আলোতে
দিনের শেষের সোনা ডোবে কালোতে।
আঁধার নিবিড় হলে আসিয়ো পাশে, যখন দূরের আলো জ্বালে আকাশে
অসীম পথের রাতি দীপশালিনী॥

II না -া র্সা | -া ণা -র্রা I র্রা -র্জ্ঞা র্জ্ঞর্রা | -া র্সা -র্রা I
দ্বা • রে • কে • ন • দি • লে •

I র্রণাঃ -র্রর্সাঃ -ণর্সা | ণদাঃ -া -া I দণা -া পা | -া মা -া I
না •• •• ড়া • • ও• • গো • ও •

I মপা -া -ধা | ণাঃ -র্সা -র্রা I ণা -র্সা -া | র্সদা -া -না I
গো• • • মা • • লি • • নী • •

॥
I না -া র্সা | -া -া -া I র্সর্রা -া র্রা | -া র্সা -া I
দ্বা • রে • • • কা• র্ কা • ছে •

I ণা -ধা ণা | -পা পমপা -ধপা I মজ্ঞা -া জ্ঞা | -া জ্ঞা -মা I
পা • বে • সা• •• ড়া• • ও • গো •

I মা -পা পা | -ধা ণাঃ -র্সা I ণাঃ -র্সা -ণা | দা -া -না II
ও • গো • মা • লি • • নী • •

II { দা -া দা | -া দা -না I না -া র্সা | -র্রা র্সনা -া I
ভু • লি • তো • ভু • লে • ছ •

I র্সা -া -া | -া -া -া I র্সনা -া র্সা | -র্রা র্রা -া I
হু • • • • ন্ গেঁ • থে • ছ •

I র্রর্সা -র্রা -া | র্মজ্ঞা -া -া I জ্ঞর্মা -া র্মা | -র্রা র্রা -র্সা I
মা • • • লা • • • আ • মা র্ আঁ •

I র্সা -া ণা | -ধা ণা -পা I পমা -া পা | -া পা -ধা I
ধা র্ ষ • রে • লে • গে • ছে •

I ধমপা -ধপা -মপা | মজ্ঞা -া -া } I সা -মা মা | -া মা -া I
তা • • • • • লা • • • খুঁ • জে • তো •

I মা -পা পা | -ধা ণাঃ -র্সা I র্সা -র্মা র্মা | -র্জ্ঞা র্জ্ঞা -া I
পা ই নি • প থ্ দী • প • আ •

I জ্ঞর্মা -র্পা -া | র্মা -র্জ্ঞা -া I র্জ্ঞা -র্মা র্মা | -র্জ্ঞা র্জ্ঞা -র্রা I
জি • • • নি • • খা • রে • কে •

I র্রা -র্সা র্সা | -া র্সা -র্রা I র্রণাঃ -র্সর্রর্সঃ -ণর্সা | ণা -দা -া I
ম • দি • লে • মা • • • • • ভা • •

I দা -ণা পা | -া মা -া I পা -া -ধা | ণাঃ -র্সা -র্সা I
ও • গো • ও • গো • • মা • •

I ণা -া -র্সা | র্সদা -া -না II
লি • • নী • •

II { সা -মা মা | -া মা -া I মা -পা পা | -া পা -া I
ও ই যে ০ থো ০ গো ০ ধূ ০ লি র্

I পা -া -ধা | ধা ধা -ণা I পাঃ -ধঃ -ণা | ণধা -া -ণা I
ক্ষী ০ ০ ণ আ ০ লো ০ ০ তে ০ ০

I ণা -র্রা র্র্সা | -া র্সা ণা I ণা -ধা ধণা | -পা পা -ধা I
দি ০ নে র্ শে ০ ষে র্ সো০ ০ না ০

I ণমা -া পা | -া পা -ধা I ণমপা -ধপা -মপা | মজ্ঞা -া -া } I
তো ০ রে ০ কা ০ লো০ ০০ ০০ তে০ ০ ০

I { ধা -া ধা | -া ধা -না I না -র্সা -া | র্সা র্সা -া I
আঁ ০ ধা র্ নি ০ বি ০ ড় হ লে ০

I র্সা -া -ণাং | র্সা -া -র্রা I র্রা -া -র্জ্ঞা | -র্সা -া -া I
আ ০ ০ সি ০ ০ য়ো ০ ০ ০ ০ ০

I ণর্সা -র্র্সা -ণর্সা | ণা -ধা -া I ধা -ণা ণা | -ধা ধা -া I
পা০ ০০ ০০ শে ০ ০ ষ ০ থ ন্ দূ ০

I ধণা -া পা | -া মা -া I মা -া পা | -া পা -ধা I
রে০ র্ আ ০ লো ০ জ্বা ০ লে ০ আ ০

I ণমপা -ধপা -মপা | মা -জ্ঞা -া } I সা -মা মা | -া মা -া I
কা০ ০০ ০০ শে ০ ০ অ ০ সী ম্ প ০

I মা -পা পা | -ধা ণা -র্সা I র্সা -র্মা র্মা | -র্জ্ঞা র্জ্ঞা -া I
খে র্ য়া ০ তি ০ দী ০ প ০ শা ০

I র্জ্ঞা -া -র্মর্গা | র্মা -র্জ্ঞা -া I জ্ঞা -মা মা | -র্জ্ঞা র্জ্ঞা -র্রা I
জি · ·· নী · · যা · রে · কে ·

I র্রা -র্সা র্সা | -া র্সা -র্রা I র্রর্ণর্সা -র্রর্সা -ণর্সা | ণা -দা -া I
ব · দি · লে · না· ·· ·· তা · ·

I দা -ণা ণপা | -া মা -া I পা -া -ধা | ণাঃ -র্সা -র্রা I
ও · গো · ও · গো · · মা · ·

I র্রণা -র্সা -া | ণদা -া -না II II
জি · · নী · ·

১৬

মধ্যদিনের বিজন বাতায়নে

ক্লান্তি-ভরা কোন্ বেদনার মায়া   স্বপ্নাভাসে ভাসে মনে-মনে ॥
কৈশোরে যে সলাজ কানাকানি   খুঁজেছিল প্রথম প্রেমের বাণী
আজ কেন তাই তপ্ত হাওয়ায় হাওয়ায়   মর্মরিছে গহন বনে বনে ॥
যে নৈরাশা গভীর অশ্রুজলে   ডুবেছিল বিস্মরণের তলে
আজ কেন সেই বনযূথীর বাসে   উচ্ছ্বসিল মধুর নিশ্বাসে,
সারাবেলা চাঁপার ছায়ায় ছায়ায়   গুঞ্জরিয়া ওঠে ক্ষণে ক্ষণে ॥

II সা -া | গা -মা মরা -মা I মগা -া | -া -া -া -া I
ম ধ্ য • দি • নে • • • • র্

I গা -পা | পা -া পা -া I পা -া | পা -া পা -া I
বি • জ ন্ বা • তা • য় • নে •

I পা -ক্ষা | পা -ক্ষা পা -া I পা -র্সা | -া -া -া -া I
ক্লা ন্ তি • ভ • রা • • • • •

I র্সনা -র্রা | র্রা -র্সা র্সা -না I না -া | নপা -ক্ষা ধপা -া I
কো ন্ বে • দ • না র্ মা • য়া• •

I মা -া | গা -গা পমা -া I মগা -া | -া -গা -মা -রা I
স্ব প না • ভা• • সে • • • • •

I রগা -া | গরা -া রপা -া I পমা -া | রগা -রা সা -ন্া II
ভা• • সে • ম• • নে • ম• • নে •

II { পা -ক্ষা | ধা -া ধপা -া I পর্সা -া | র্সা -া র্সা -া I
ক ই শো • রে • যে• • স • লা জ্

I র্সা -া | র্সনা -র্রা র্রা -া I র্রর্সা -া | -া -া -না -ধা I
কা • মা • কা • নি • • • • •

I ধা -া | না -া র্সা -া I র্রা -া | -া -া -া -া I
খুঁ • জে • ছি • ল • • • • •

I র্সা -র্গা | র্গা -র্রা র্রা -র্সা I র্সা -না | ধনা -া ধপা -া } I
প্র • থ ম্ প্রে • মে র্ বা• • ণী• •

I পা -র্গা | র্গা -র্রা র্রা -র্সা I র্সা -না | না -ধা ধা -পা I
আ জ্ কে • ন • তা ই ত প্ ত •

I হ্মপা -হ্মপা | পগা -া -া -া I হ্মপা -হ্মপা | পগা -া -া -া I
হা• •ও য়া • • য়্ হা• •ও য়া • • য়্

I গা -া | গা -া গরা -া I সা -া | সা -া রা -া I
ম র্ ম • রি • ছে • গ • হ ন্

I রপা -হ্মপা | পগা -া -া -মা I রগা -া | রসা -া -া -ন্া II
ব• •• নে • • • ব• • নে• • ০ •

II { ধা -া | ধপা -া পধা -া I ধপা -া | -া -া -া -ধা I
বে • নৈ• • রা • শা • • • • •

I পমা -া | পধা ধপা মা -া I মগা -া | -া -া -া -মা I
গ • ভী• র্ অ শ্ রু • • • • •

I রা -গা | গরা -পা পমা -া I মগা -া | গা -রা সা -না I
জ • লে • ডু • বে • ছি • ল •

I ন্া -া | প্া -ন্া ন্া -সা I সা -মা | -া -া -া -গা I
বি • স্ব • র • ণে • • • • র্

I গরা -গা | গরা -পা পমা । I গা -া | গা -রা সা -া } I
ভ • লে • ভু • বে • ছি • ল •

I { পা -া | পধা -া ধপা -া I পা -র্সা | র্সা -া র্সা -া I
আ জ্ কে• • ন • সে ই ব • ন •

I র্সা -া | র্সনা -র্রা র্রা -া I র্রর্সা -া | -া -া -া -না I
যূ • থী র্ বা • সে • • • • •

I ধা -া | না -া র্সা -া I র্সর্রা -া | -া -া -া -া I
উ চ্ ছ্ • সি • ল• • • • • •

I র্সা -র্গা | র্গা -র্রা র্সা -না I ধনা -া | নধা -া পা -া } I
ম • ধু • র • নি• • শ্বা • সে •

I পা -র্গা | র্গা -র্রা র্রা -র্সা I র্সা -না | না -ধা ধা -পা I
সা • রা • বে • লা • চাঁ • পা র্

I জ্ঞপা -জ্ঞপা | পগা -া -া -া I জ্ঞপা -জ্ঞপা | পগা -া -া -া I
ছা• • • য়া • • র্ ছা • • • য়া • • র্

I গা -া | গা -া রা -া I সা -া | সা -া রা -া I
গু ন্ জ • রি • য়া • ও • ঠে •

I সপা -া | পগা -া -া -মা I রগা -া | রসা -া -া -ন্া II II
ক• • ণে • • • ক• • ণে• • • •

গানের ঝরনাতলায় তুমি সাঁঝের বেলায় এলে।
দাও আমারে সোনার-বরন সুরের ধারা ঢেলে॥
যে সুর গোপন গুহা হতে ছুটে আসে আকুল স্রোতে,
কান্নাসাগর-পানে যে যায় বুকের পাথর ঠেলে॥
যে সুর উষার বাণী বয়ে আকাশে যায় ভেসে,
রাতের কোলে যায় গো চলে সোনার হাসি হেসে।
যে সুর চাঁপার পেয়ালা ভ'রে দেয় আপনায় উজাড় ক'রে,
যায় চলে যায় চৈত্রদিনের মধুর খেলা খেলে॥

মা গা -মা II পা -ধা -া | ধর্সা র্সণা -া I পধা -া -া | ধা র্সণা -ধা I
গা নে র্ ঝ • র্ না ত • লা • য়্ তু মি• •

I ধপা -া -া | ধা -পা পধা I পধা -া -পা | পমা গা -মা I
সাঁ • • ঝে র্ বে• লা• • য়্ এ লে •

I পা -ধা -া | ধর্সা র্সণা -া I ধা -া -া | -া -া -া I
ঝ • র্ না ত • লা • • • • য়্

I না -া -া | না -া -া I পা -না -া | র্সা র্রা -র্গর্রা I
দা • ও দা • ও দা ও • আ মা ••

I নর্সা া -া | -া -া -া I র্সর্রা র্রর্সা -া | র্সণা ণা -া I
রে• • • • • • সো• না র্ ব র ন্

I ণর্সা র্সণা -া | পধা পা -ধপা I পমা গা -া | গা গা -মা II
সু• রে• র্ ধা• রা •• ঢে লে • "গা নে র্"

[খ]

-া -া -া II {পা পা -া | পা পা -া I ধর্সা র্সা -া | র্রা র্রা -া I
• • • যে ঘ র্ গো প ন্ গু• হা • হ তে •

I র্রর্সা র্সর্ধা -া | র্সা র্রা -র্সর্রা I র্সর্রা র্সণা -া | পধা পা (-ধপা)} I -া I
ছু• টৈ • আ সে •• আ• কু ল্ স্রো তে •• •

I না -া না | না না -র্সা I র্সনা র্সা -া | র্সধা র্সণা -ধা I
কা ন্ না সা গ র্ পা নে • যে যা• য়্

I ধপা -া -া | -ধা -র্সণা -ধপা I পধা -া -া | -া -া -া I
যা • • • •• •য়্ গো• • • • • •

I ধা ধর্রা -া | র্রর্সা ণা -া I পধা পা -া | মা গা -মা II
বু কে• র্ পা থ র্ ঠে লে • "গা নে র্"

-া -া -া II {সা সা -া | রা রা -গা I মা পা -ধপা | পমা গা -া I
• • • যে ঘ র্ উ ষা র্ বা ণী •• ব য়ে •

I মা মা -ধা | ধপা পা -র্সা I ণা ধা -া | -া -া -া I
আ কা • শে যা য়্ ভে সে • • • •

I না না -া | না র্সা -া I র্সা -র্সা র্সর্গা | র্সর্রা র্সা -া I
রা তে র্ কো লে • যা য়্ গো চ লে •

I মা মা -া | ধা পা -া I ধা ধর্সা -ণা | ধা পমা -গা I
সো না র্ হা সি • হে সে• • যে সু• র্

I মা ধা -া | পা পা -র্সা I র্সণা ধা -া | -া -া -া I
উ ষা র্ বা ণী • ব য়ে • • • •

I মা মা -ধা | ধপা পা -র্সা I পা ধা -া | -া -া -া } I
আ কা ৽ শে যা য়্ ভে সে ৽ ৽ ৽ ৽

[ধা]
I { পা পা -া | পা পা -া I ধা র্সা র্সা | র্রা র্রা -া I
যে থা য় চা পা য় পে য়া লা ত রে ৽

I র্রা -র্সা র্সর্মা | র্গা র্রা -র্গর্রা I র্সর্রা র্সণা -া | ণধা পা (-ধণা) } I -া I
দে য়্ আ প না ৽র্ উ৽ জা৽ ড়্ ক৽ রে ৽৽ ৽

I না -া -া | না -পা -া I পা -না -া | র্সা র্রা -র্গর্রা I
যা ৽ য়্ যা ৽ য়্ যা ৽ য়্ চ লে ৽

I র্সনর্সা -া -া | -া -া -া I র্সর্রা -া র্রর্সা | ণা ধা -পমগা I
যা৽ ৽ ৽ ৽ ৽ য় চৈ৽ ৎ অ দি নে ৽৽র্

I মা ধা -া | ণা র্সা -া I র্সধা র্সণা -ধা | পা মগা -মা II II
ধূ র্ থে লা ৽ . থে লে৽ ৽ "গা নে৽ র্"

আমার যাবার বেলায় পিছু ডাকে
ভোরের আলো মেঘের ফাঁকে ফাঁকে ॥
    বাদলপ্রাতের উদাস পাখি উঠে ডাকি
    বনের গোপন শাখে শাখে, পিছু ডাকে ॥
ভরা নদী ছায়ার তলে ছুটে চলে—
খোঁজে কাকে, পিছু ডাকে।
    আমার প্রাণের ভিতর সে কে থেকে থেকে
    বিদায়প্রাতের উতলাকে পিছু ডাকে ॥

সা সা II রা -মা পা -পদপা | মপা -া মজ্ঞা -া I -া -া জ্ঞপা মজ্ঞা | জ্ঝা -া সা -া I
আ মার্ যা • বা ••র্ বে• • লা• • • য়্ পি• ছু• ডা • কে •

I -া -া সা সা | রা -মা -জ্ঞ'মা -পমা I মপা -া পা দা | দা -র্ঋা র্ঋর্সা -া I
• • ভো রের্ আ • • ◦ •• লো• • মে ঘের্ ফাঁ • কে •

I র্সা -র্ঋণা ণা -দা | -পা -া পা পজ্ঞা I পা -ধা ণা -া | -া -ধর্সা র্সণা দপা I
– কাঁ •• কে • • • পি ছু ডা • কে • • •• পি ছু•

I মজ্ঞা -া ঋা -সা | -া -া সা সা II
ডা• • কে • • • "আ মার"

II দা -া দা -া | ণা -া র্সা -া I র্সর্ঋা -া র্সা -া | র্সা -ণা র্সা -া I
বা • দ ল্ প্রা • তে র্ উ• • দা স্ পা • খি •

I -া -া দা ণা | র্সা -র্রা র্জ্ঞা -া I -র্রা -র্মা -র্জ্ঞা -া | -র্ঋা -া -া -র্জর্ঋা I
• • উ ঠে ডা • কি • • • • • • • • ••

I -র্সা -া -া -া | র্সর্ঋা -া র্সা -া I র্সা -র্ঋা ঋর্সা -া | -া -ণা ণা র্সণা I
  • • • • ব • • সে র্ গো • প • • র্ শা খে•

I পদা -া পা -া | -া -া পদা পমা I পা -ধা ণা -া | -া -ধর্সা ণা দপা I
  শা • খে • • • পি• ছু ডা • কে • • •• পি ছু•

I মজ্ঞা -া ঋা -সা | -া -া সা সা II
  ডা• • কে • • • "আ মার্"

II { সা রা মা মা | মা -া মা -পমা I মগাঃ -পমঃ পা -া | -া -া পা পা I
  ও রা ন দী ছা • য়া •র্ ত• •• লে • • • ছু টে

I পজ্ঞা -পা পদা -া | -া -া দা দা I দপা -দা দর্সা -া | -া -া ণা দপা I
  চ• • লে• • • • খোঁ জে কা• • কে• • • • পি ছু•

I মজ্ঞা -া ঋা -সা | -া -া (-া -া) } I পা পা I মা -দা দা -া | ণা -া র্সা -া I
  ডা• • কে • • • • • . আ মার্ প্রা ∘ ণে র্ ভি • ত র্

I র্সর্ঋা -ণা র্সা -া | -া -া -া -া. I -া -া দা ণা | র্সা -র্রা র্জ্ঞা -া I
  সে• • কে • • • • • ∘ • • থে কে থে • কে •

I -র্জর্রা -র্মা -র্জ্ঞা -া | -র্ঋা -া -া -র্জ্ঞর্ঋা I -র্সা -া -া -া | র্সর্ঋা -া ঋর্সা -া I
  • • • • • • • •• • • • • বি• • দা র্

I র্সা -র্ঋা ঋর্সা -া | -ণা -া ণা র্সণা I পদা -া পা -া | -া -া পা জ্ঞা I
  প্রা • তে • • র্ উ ত• লা • কে • • • পি ছু

I পা -ধা ণা -া | -া -ধর্সা র্সণা দপা I মজ্ঞা -া ঋা -সা | -া -া সা সা II II
  ডা ∘ কে • • •• পি ছু• ডা• • কে • • • "আ মার্"

১৯

তোমার   নাম জানি নে, সুর জানি।
তুমি   শরৎ-প্রাতের আলোর বাণী ॥
সারা বেলা শিউলিবনে   আছি মগন আপন-মনে,
কিসের ভুলে রেখে গেলে   আমার   বুকে ব্যথার বাঁশিখানি ॥
আমি   যা বলিতে চাই হল বলা,
ওই   শিশিরে শিশিরে অশ্রু-গলা।
আমি   যা দেখিতে চাই প্রাণের মাঝে   এই মুরতি এই বিরাজে—
ছায়াতে-আলোতে-আঁচল-গাঁথা
আমার   অকারণ বেদনার বীণাপাণি ॥

সা সণ্‌া II সা -া -দা | দপা -পদা -পা I মা -পা -পমা | জ্ঞরা -মজ্ঞা -ঋা I
তো মার্‌ না • ম্‌ জা •• • নি • • নে• •• •

I সা -া -ঋা | ঋমজ্ঞা -ঋজ্ঞা -ঋা I সা -া -া | -া সা ণ্‌া I
সু • র্‌ জা• •• • নি • • • তু মি

I সা -ণ্‌া সা | -দা দা -া I দপা -া -া | -া -া -জ্ঞা I
শ • র ৎ প্রা • তে • • • • র্‌

I পা -দা দপা | -পা পদা -পা I মজ্ঞা -া -া | মা মা -পা I
আ • লো র্‌ বা • ণী• • • তো মা র্‌

I মা -া -পা | পপা -পদা -পা I পমা -পমা -জ্ঞরা | মজ্ঞা -া -ঋা I
না • ম্‌ জা •• • নি •• •• নে• • •

I সা -া -ঋা | মজ্ঞা -ঋজ্ঞা -ঋা I সা -া -া | -া -া -া I
সু • র্‌ জা• •• • নি • • • • •

I { সা -া সা | -া সা -া I সা -া -া | -া -া -ঋা I
লা • য়া • বে • লা • • • • •

I জ্ঞা -া জ্ঞা | -া জ্ঞা -ঋা I জ্ঞা -া -া | -া -া -া I
শি উ লি • ব • নে • • • • •

I মা -া মা | -া মা -া I মা -া -া | -া -া -পা I
আ • ছি • ম • গ • • • • ন্

I পমা -পা মা | -ণা পদা -পা I মজ্ঞা -া -া | -জ্ঞা -মা -পা I
আ • প ন্ ম • নে • • • • • •

I পজ্ঞা -মা মঋা | -জ্ঞা ঋা -া I সা -া -া | -া -া -া }I
শি উ লি • ব • নে • • • • •

I র্সা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা | -া র্জ্ঞর্ঋা -া I র্সা -া -া | -া -া -ণা I
কি • সে র্ ভু • লে • • • • •

I ণা -া ণপা | -ণা পদা -া I পা -া -া | -া -া -া I
রে • খে • গে • লে • • • • •

I পা -র্সা র্সা | -ণা ণা -পা I পদা -া পা | -া দা -পা I
আ • মা র্ বু • কে• • ব্য • থা র্

I মা -পা জ্ঞা | -মা জ্ঞা -ঋা I মজ্ঞা -া -া | ঋা সা -া II
বাঁ • শি • খা • নি• • • "তো মা র্"

সা সা II { সা -র্সা র্সা | -ণা ণা -পা I পদা -া -া | পা -া -জ্ঞা I
আ খি যা • ব • লি • তে• • • চা • ই

I পা -দা দপা | -ণা ণদা -পা I মজ্ঞা -া -া | -া পা -া I
হ • ল • ব • লা• • • • ও ই

I পা -দা দপা | -ণা ণদা -পা I মা -পমা জ্ঞা | -রা মজ্ঞা -ঋা I
শি • শি • রে • শি •• শি • রে• •

I সা -ঋা মজ্ঞা | -া ঋা -া I সা -া -া | -া সা সা } I
অ শ্ শ্র• • গ • লা • • • আ খি

I { র্সা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা | -র্ঋা র্ঋা -া I র্ঋা -া -া | র্সা -া -র্ঋা I
যা • দে • খি • তে • • চা • ই

I র্ঋণা -র্সা ণা | -র্জ্ঞা র্জ্ঞর্ঋা -া I র্সা -া -া | -া -া -র্ঋা I
প্রা • ণে র্ মা • ঝে • • • • •

I ণা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা | -া র্ঋা -া I র্সা -া -া | -া -া -র্ঋা I
সে ই মূ • র • তি • • • • •

I র্ঋণা -র্সা ণা | -র্ঋা র্সণা -র্সা I পদা -া -া | -া -া -া } I
এ ই বি • রা• • জে• • • • • •

I দা -র্সা র্সণা | -র্সা দা -া I দা -র্সা র্সণা | -র্সা দা -া I
হা • রা • তে • আ • লো • তে •

I পা -দা দপা | -ণা ণদা -া I পা -া -া | পা পা -দা I
ঝাঁ • চ ন্ গাঁ • থা • • আ মা র্

I দা -র্সা র্সা | -ণা ণা -া I দা -া পা | -া দা -পা I
অ • কা • র ণ্ বে • দ • না র্

I মা -পা পজ্ঞা | -মা জ্ঞা -রা I মজ্ঞা -া ঋা | -া সা -া II II
বী • ণা • পা • ণি • • "তো • মা র্"

২০

পথিক মেঘের দল জোটে ওই শ্রাবণগগন-অঙ্গনে।
শোন্ শোন্ রে, মন রে আমার, উধাও হয়ে নিরুদ্দেশের সঙ্গ নে ॥
দিক্-হারানো দুঃসাহসে সকল বাঁধন পড়ুক খসে,
কিসের বাধা ঘরের কোণের শাসনসীমা-লঙ্ঘনে ॥
বেদনা তোর বিজুলশিখা জ্বলুক অন্তরে।
সর্বনাশের করিস সাধন বজ্রমন্তরে।
অজানাতে করবি গাহন, ঝড় সে পথের হবে বাহন—
শেষ করে দিস আপনারে তুই প্রলয়-রাতের ক্রন্দনে ॥

[নর্সা না -া ধা ধা -া]
II মা পা -া | পা পা -া I পা -া পা | পা পা -া I
প থি ক্ মে ঘে র্ দ ল্ জো টে ও ই

I সা সা -া | সা সা -া I সা -া সা | সা সা -রা I
শ্রা ব ণ্ গ গ ন্ অ ঙ্ গ নে শো ন্

I রা -গা -া | গা -মা -পা I পা -া -ধা | না নধা -না I
শো ০ ন্ রে ০ ০ ম ০ ন্ রে আ ০

I ধপা -া -া | -া -া -া I পর্সা র্সা -া | র্সা র্সা র্রা I
মা ০ ০ ০ ০ র্ উ ধা ও হ য়ে ০

I র্না র্সা -া | না না -র্সা I ধনা -া পা | পা -ধা -না I [ ] I
নি রু দ্ দে শে র্ স ঙ্ গ নে ০ ০

II { র্সা -র্সা র্জ্ঞা | র্জ্ঞা র্জ্ঞা -া I র্জ্ঞর্রা -া র্জ্ঞা | র্জ্ঞর্রা র্রা -র্জ্ঞা I
দি ক্ হা রা নো ০ দু স্ সা হ সে ০

I র্সা র্রা -া | র্রর্মা র্গর্রা -র্রা I র্সা র্সা -নর্রা | র্রর্সা র্সা -র্রর্সা I
· স ক ল্ বাঁ · ধ ন্ প ড়ু · ক্ ধ সে · ·

I -না -া -া | -া -া -া } I না র্সা -া | র্সা র্সা -া I
· · - - · কি সে র্ বা ধা ·

I পর্সা র্সা -া | র্সা র্সা -র্রর্সা I র্গনা র্সা -া | না না -র্সা I
ঘ · রে র্ কো ণে · র্ শা স ন্ সী মা ·

I ধনা -া ধপা | পা -ধা -না I মা -া -পা | পা -ধা -না I
ল · ঙ্ ঘ নে · · শো · ন্ রে · ·

I নপা -া -ধা | না নধা -না I ধপা -া -া | -া -া -া I
ম · ন্ রে আ · মা · · · · র্

I পর্সা র্সা -া | র্সা র্সা -র্রা I র্গনা র্সা -া | না না -সা I
উ ধা ও হ য়ে · নি রু দ্ দে শে র্

I ধনা -া পা | পা -ধা -না I [ ] I
স ঙ্ গ নে · ·

II { সা সা -া | রা গা -া I মা পা -ধা | ধপা মা -পা I
বে দ · না তো র্ বি দ্যু ৎ শি খা ·

I পগা গা -মা | রা -পা পমা I পা -া -া | -া -া -া I
জ্ব লু ক্ অ ন্ ত রে · · · · ·

I পা -দা দা | দা দা -পা I পদা পা -পা | পদা পা -দা I
স র্ ব না শে র্ ক রি স্ সা ধ ন্

I মা -া পা | মপা -দা ণপা I মগা -া -া | -া -া -া } I
ব ন্ ধ ম • ন্ ত রে • • • • • •

I { র্সা র্সা -র্জ্ঞা | র্জ্ঞা র্জ্ঞা -া I জ্ঞর্রা -া র্জ্ঞা | র্রা র্রা -র্জ্ঞা I
অ জা • না তে • ক র্ বি গা হ ন্

I র্সা -া র্রা | র্রর্সা সর্জ্ঞা -র্রা I র্সা র্সা -নর্রা | র্রর্সা র্সা -র্রর্সা I
ঝ ড়্ সে প • থে র্ হ বে • • যা হ • •

I -না -া -া | -া -া -া } I না -র্সা র্সা | র্সা র্সা -া I
• • • • • ন্ শে ষ্ ক রে দি স্

I র্সা -র্রা র্রর্সা | র্সা র্রর্সা -না I না র্সা -া | র্সনা না -র্সা I
আ প্ না রে তু • ই প্র ল য়্ রা তে র্

I ধনা -া ধপা | পা -ধা -না I মা -া -পা | পা -ধা -না I
ক্র • ন্ দ নে • • শো • ন্ রে • •

I নপা -া -ধা | না নধা -না I ধপা -া -া | -া -া -া I
ম • ন্ রে আ • মা • • • • র্

I পর্সা র্সা -া | র্সা র্সা -র্রা I র্রনা র্সা -া | র্সনা না -র্সা I
উ ধা ও হ য়ে • নি রু দ্ দে শে র্

I না -া পা | পা -ধা -না II [ ] II
স ঙ্ গ নে • •

বজ্রমানিক দিয়ে গাঁথা, আষাঢ়, তোমার মালা।
তোমার শ্যামল শোভার বুকে বিদ্যুতেরই জ্বালা ॥
তোমার মন্ত্রবলে পাষাণ গলে, ফসল ফলে—
মরু বহে আনে তোমার পায়ে ফুলের ডালা ॥
মরোমরো পাতায় পাতায় ঝরোঝরো বারির রবে
গুরুগুরু মেঘের মাদল বাজে তোমার কী উৎসবে।
সবুজ সুধার ধারায় প্রাণ এনে দাও তপ্ত ধরায়,
বামে রাখ ভয়ঙ্করী বন্যা মরণ-ঢালা ॥

II ন্‌া -া ন্‌া | -প্‌া ন্‌া -া I সা -া -া | রা রা -গা I
ব জ্‌ জ্র ০ মা ০ নি ০ ক্ দি য়ে ০

I গরা -া -পা | গমা -া -া I -রগা -া -া | রা সা -া I
গাঁ ০ ০ থা ০ ০ ০০ ০ ০ আ ষা ঢ়্‌

I রা -া গা | -মা মগা -া I রসা -া -া | মা মা -া I
তো ০ মা র্‌ মা ০ লা০ ০ ০ তো মা র্‌

I মা -া পা | -া পা -া I পা -া -ধা | পা -া -ধা I
শ্যা ০ ম ল্‌ শো ০ ভা ০ র্‌ বু ০ ০

I ধপা -া -া | -া -া -া I পর্সা -া র্সণা | -া ধা -া I
কে ০ ০ ০ ০ ০ বি০ দ্‌ যু ০ তে ০

I ধপধা -পা -া | মা -া -গা I রগা -া -া | -া -রা -সা II
রি০ ০ ০ জ্বা ০ ০ লা০ ০ ০ ০ ০ ০

মা মা -া II { মা -া পা | -া পণা -ধা I পা -া -া | -া -া -া I
তো মা র্ ম ন্ দ্র • র• • জে • • • • •

I পর্সা -া র্সা | -া র্সা -া I র্সা -া -া | -া -া -র্রা I
পা• • ষা ণ্ প • রে • • • • •

I র্ণা -র্সা ণা | -া ধা -া I পা -া -া | (মা মা -া)} I পা পা -ধা I
ক • ম ল্ ক • লে • • তো মা র্ ম রু •

I মা -া পা | -া মণা -ধা I পা -া -া | পা পা -া I
ব • হে • আ• • নে • • তো মা র্

I মা -ণা ণা | -া ণা -ধা I পধা -া -পা | পমা -া -গা I
পা • য়ে • ফু • লে• • র্ ভা • •

I রগা -া -া | -া -রা -সা II
রা• • • • • •

-া -া -া II { ন্া -া ন্া | -প্া ন্া -া I সা -া সা | -া সা -রা I
• • • ম • নো • ম • নো • পা • তা য়্

I ন্সা -রা -সা | রা -া -া I রা -মা মা | -া মা -া I
পা• • • তা • য়্ ঝ • রো • ঝ •

I মা -া মা | -া মা -গা I গরা -া -পমা | পা -া -া I
নো • বা • রি র্ র • •• বে • •

I পধা -া ধা | -পা পা -া I মা -া মা | -া মা -া I
শু • ক • শু • ক • মে • ঘে র্

I মা -া -গা | পমা -া -পা I রা -পা পা | -া মা -পা I
মা • • হ• • ন্ বা • জে • তো •

I রগা -া গা | -রা সা -রা I স্ন্ -া -া | সা -া -া } I
মা॰ র্ কী • উ ৎ স • - বে • •

I -া -া -া | { মা মা -া I মা -া পা | -া পণা ণধা I
• • • স বু জ্ সু • ধা র্ ধা॰ •

I ধপা -া -া | -া -া -া I পা -র্সা র্সা | -া র্সা -া I
রা • • • • য়্ প্রা ণ্ এ • নে •

I র্সা -া -া | -া -া -র্রা I র্সণা -র্সা ণা | -া ধা -া I
দা • • • • ও ড প্ ড • ধ •

I পা -া -া } | মা মা -া I মা -া পা | -া পা -া I
রা • র্ বা মে • রা • খ' • ত •

I পা -া -ধা | ণা -া -ধা I পা -া -া | -া -া -া I
র • ঙ্ ক • • রী • • • • •

I পা -ণা ণা | -া ণা -ধা I পধা -া -পা | পমা -া -পা I
ব ন্ মা • ম • র• • ণ্ ঢা • •

I রগা -া -া | -া -রা -সা II II
লা॰ • • • • •

২২

দিনশেষের রাঙা মুকুল জাগল চিতে।
সঙ্গোপনে ফুটবে প্রেমের মঞ্জরীতে॥
মন্দবায়ে অন্ধকারে   দুলবে তোমার পথের ধারে,
গন্ধ তাহার লাগবে তোমার আগমনীতে—
ফুটবে যখন মুকুল প্রেমের মঞ্জরীতে॥
রাত যেন না বৃথা কাটে, প্রিয়তম হে—
এসো এসো প্রাণে মম, গানে মম হে।
এসো নিবিড় মিলনক্ষণে   রজনীগন্ধার কাননে,
স্বপন হয়ে এসো আমার নিশীথিনীতে—
ফুটবে যখন মুকুল প্রেমের মঞ্জরীতে॥

সা ঋা II গা -পা পা -া | পা -জ্ঞা ধপা -জ্ঞা I জ্ঞগা -মা গা -া | -া -া -া -ঋা I
দি ন শে • যে র্ রা • ঙা • মু • কু • • • • ল্

I ঋগা -া গা ঋা | সা -া -া -া I সগা -া গা গা | গঋা -া ঋা -ন্া I
জা• গ্ লো চি তে • • • স• ঙ্ গো প নে • ফু ট্

I সা -া -া -া | পা -জ্ঞা পা -া I পা -জ্ঞনা না নধা | জ্ঞধপা -জ্ঞপা সা ঋা II
বে • • • প্রে • মে র্ ম •ন্ জ রী তে•• •• "দি ন"

II { জ্ঞপা -া গা গা | গপা -জ্ঞা -ধা -পা I ধা -র্সা র্সা র্সা | র্সা -া র্সাঃ -নঃ I
ম• ন্ দ বা য়ে• • • • অ ন্ ধ কা রে • দু ল্

I র্ঋর্সা -া -া -া | পা -র্সা র্সা -না I নধা না নর্সা র্সনা | ধপা -া -া -া } I
বে • • • তো • মা র্ প থে র ধা রে• • • •

I { র্সা -ঋা ঋা গা | গা -া গা -ঋা I (ণসা -া -া -পা | পজ্ঞা -ণপা -পজ্ঞা -পা) } I
গ ন্ ধ জা হা র্ আ গ্ বে • • • গো• • • •

I ণসা -া -া -া | পা -জ্ঞা পা -া I জ্ঞা পা ধা না | ধনা -া -নধা -পা I
বে • • • তো • মা র্ আ গ ম নী তে• • • •

I পা -না না নধা | ধপা -জ্ঞা গা -মা, I মগা -া -া -া | গা -মা গা -জ্ঞা I
হ ই বে ব ধ ন্ ধ্ • হ • • ন্ প্রে • মে র্

I পা -জ্ঞনা না নধা | জ্ঞধপা -জ্ঞপা সা ঋা II
ম • ন্ জ রী তে•• • • "দি ন"

II { পা -র্সা র্সা র্সা | র্সা -া র্সা -না I নধা -না র্সা -া | র্সনা -া -া -র্সা I
রা ত্ যে ন না • বৃ • থা • কা • টে • • •

I র্সধা না র্সা র্সনা | ধপা -া -া -া I ধা -র্রা -র্রর্সা -া | -না -ধা -পা -জ্ঞা I
প্রি য় ত ম হে • • • মা • • • • • • •

I গপা পা পা পা | পাঃ -জ্ঞঃ ধপা -া I -া -া জ্ঞা গা | গা -ঋা গা -া I
এ • সো এ সো প্রা • ণে • • • ম ম গা • নে •

I -া -া গঋা ঋা | সা -া -া -া I (ধা -র্রা -র্রর্সা -া | -না -ধা -পা -জ্ঞা) } I
• • ম ম হে • • • মা • • • • • • •

I { পা -জ্ঞপা গা গা | পা জ্ঞা ধা পা I ধা -র্সা র্সাঃ র্সনঃ | র্রর্সা -া -া -া I
এ • • সো নি বি ড় মি ল ন • ক্ষ • ণে • • •

I পর্সা র্সা র্সা -া | -া -া -া -না I নধা -না না -া | -া -া -া র্সা I
র জ নী • • • • • গ ন্ ধা • • • • র

I সধা -না -র্সা সনা | ধপা -া -া -া } I { সা ঋা গা গা | গা -া গা -ঋা I
কা • • ন মে • • • ঘ প ন হ য়ে • এ •

I ধসা -া -া (-পা | পক্ষা ধপা -পক্ষা -গা) } I -া | পা -ক্ষা পা -া I
সো • • • গো• • • • • আ • মা র্

I ক্ষা পা ধা না | ধনা -া -নধা -পা I পা -না না নধা | ধপা -ক্ষা গা -মা১ I
সি ঞ্চি থি নী তে • • • ফু টু বে য থ ন্ মু •

I মগা -া -া -া | গা -মা গা -ক্ষা I পা -ক্ষনা না নধা | ক্ষধপা -ক্ষপা সা ঋা II II
হৃ • • দ্ প্রে • মে র্ ম • ন্ জ রী তে•• •• "দি ন"

এসো নীপবনে ছায়াবীথিতলে,
এসো করো স্নান নবধারাজলে ॥
দাও আকুলিয়া ঘন কালো কেশ, পরো দেহ ঘেরি মেঘনীল বেশ—
কাজলনয়নে, যূথীমালা গলে, এসো নীপবনে ছায়াবীথিতলে ॥
আজি ক্ষণে ক্ষণে হাসিখানি, সখী,
অধরে নয়নে উঠুক চমকি।
মল্লারগানে তব মধুস্বরে দিক্ বাণী আনি বনমর্মরে।
ঘনবরিষনে জলকলকলে এসো নীপবনে ছায়াবীথিতলে ॥

[মপা -মা জ্ঞা জ্ঞরা]
সা সন্ II সা -পা | পা মরা I মজ্ঞা -া | -রা -সা I সা রা | জ্ঞা রা I
এ সো॰ নী ॰ প ব॰ নে॰ ॰ ॰ ॰ ছা য়া বী থি

॥
I রসা রা | সা ন্ I সা -পা | পা -া I পা -ধা | -ণা -ধা I
ত লে এ সো ক ॰ রো ॰ স্না ॰ ॰ ন

I ধপা ধা | মা পা I গা গা | মা পা I [ ] I
ন ব ধা রা জ লে "এ সো"

র্সা -া II { র্সা -া | র্রা র্রা I র্র্জ্ঞা -া | -া -া I র্জ্ঞর্রা র্র্মা | র্জ্ঞা র্রা I
দা ও আ ॰ কু লি য়া॰ ॰ ॰ ॰ ঘ ন॰ কা লো

I র্সা -া | র্সনা র্সা I র্সনা -র্রা | র্সা ণধা I ণা -া | -া -া I
কে শ, প॰ রো দে॰ ॰ হ ঘে॰ রি ॰ ॰ ॰

I ণধা র্সা | ণা ধা I পা -া | (র্সা -া) } I পধা -মা I
মে ঘ নী ল বে ॰ শ, দা ও কা॰ ॰

I পা ধা | পা ধা I র্সপা -া | -ধা -পা I পা ধা | মা পা I মা গা | মা পা I [ ] I
জ ল ম য় নে॰ ॰ ॰ ॰ যু থী মা লা গ লে "এ সো"

সা ন্‌া II { ন্‌া -া | ন্‌প্‌া -ন্‌া I ন্‌া -া | সা -া I সা সপা | পা পা I
আ জি ক ॰ ণে॰ ॰ ক ॰ ণে ॰ হা সি॰ খা নি

I পধা মা | পা ধা I ধণা -পা | পা পা I পধা -া | -গা -া I
স॰ খি অ ধ রে॰ ॰ ন য় নে॰ ॰ ॰ ॰

I গা গমা | -া ধপা I মা জ্ঞা | রা সা } I ন্‌া -া | ন্‌প্‌া -ন্‌া I
উ ঠু॰ ক্‌ চ॰ ম কি আ জি ক ॰ ণে॰ ॰

I ন্‌া -া | সা -া I -া -া | { র্সা -া I র্সা -া | র্রা র্রা I
ক ॰ ণে ॰ ॰ ॰ ম ল্‌ লা ॰ র গা

I র্রর্জ্ঞা -া | -া -া I র্জ্ঞর্রা র্রর্মা | র্জ্ঞা র্রা I র্সা না | র্সা -া I
নে॰ ॰ ॰ ॰ ত ব॰ ম ধু স্ব রে দি ক্‌

I র্সনা -র্রা | র্সা -া I পা -ধা | পা -া I পধা ধর্সা | পা -া I
বা॰ ॰ ণী ॰ আ ॰ নি ॰ ব ন॰ ম র্‌

I ধা পা } | পধা মা I পা -ধা | পা ধা I র্সপা -া | -ধা -পা I
ম রে ম॰ ন ব ॰ রি ষ নে॰ ॰ ॰ ॰

I পা ধা | মা পা I মা গা | মা পা II [ ] II
জ ল ক ল ক লে "এ সো"

২৪

হে ক্ষণিকের অতিথি,
এলে প্রভাতে কারে চাহিয়া
ঝরা শেফালির পথ বাহিয়া ॥
কোন্ অমরার বিরহিণীরে চাহ নি ফিরে,
কার বিষাদের শিশিরনীরে এলে নাহিয়া ॥

ওগো অকরুণ, কী মায়া জানো,
মিলনছলে বিরহ আনো।
চলেছ পথিক আলোকযানে আঁধার-পানে
মনভুলানো মোহনতানে গান গাহিয়া ॥

[পা -ণা ণা]
II সা -দা দা দা | দপা -া দপা দমা I পা -া -া -া | ক্ষপা ক্ষপা পজ্ঞা রা I
হে ৹ ক্ষ ণি কে র্ অ৹ তি থি ৹ ৹ ৹ এ৹ লে৹ প্র ভা

I জ্ঞা -া -া -া | জ্ঞমা মজ্ঞা ঋা ঋা I সা -া -া -ঋা | ণ্া সা জ্ঞা জ্ঞরা I
তে ৹ ৹ ৹ কা৹ রে চা হি য়া ৹ ৹ ৹ ঝ রা শে ফা

I মজ্ঞা -া -া -া | রা জ্ঞা মা পা I পা -ণা -দা -পা | পা -ণা ণদা দা I
লি৹ ৹ ৹ র্ প থ বা হি য়া ৹ ৹ : হে ৹ ক্ষ ণি

I পা -া পদা দমা | পা -া -া -া I দা -া ণা ণা | র্সা -া -া -দা I
কে র্ অ৹ তি থি ৹ ৹ ৹ কো ন্ অ ম রা ৹ ৹ র্

I পা দা ণা র্সা | র্সা -র্জ্ঞা -র্জ্ঞর্ঋা -র্সা I র্সর্জ্ঞা র্জ্ঞা র্ঋা র্ঋা | র্সা -া -া -র্ঋা I
বি র হি ণী রে ৹ ৹ ৹ চা: হ নি ফি রে ৹ ৹ ৹

I র্ণা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা র্ঋা | র্সা -া -া -র্ঋা I ণা র্সা ণর্ঋা ঋর্সা | র্ণা -া -দা -া I
কা র্ বি যা রে • • র্ শি শি র• মী রে • • •

I দা পা পা দা | দা -র্সা -া -পা I [ ] I
এ সে মা হি য়া • • •

[মপা মা জ্ঞঋা]
-া -া -া -া II { দ্া ণ্া সা সণ্া | সা -জ্ঞা -া -া I রমা মজ্ঞা ঋজ্ঞা ঋা | সা -া -া -া I
• • • • ও গো অ ক• রু • • ণ্ কী• মা• য়া• জা নো • • •

I (ণ্া সা সদা দা | দপা -া -া -দা I দমা পা মদা মপা | মজ্ঞা -া -মা -পদা) } I
মি ল ন• ছ লে • • • বি র হ• আ• নো• • • ••

I দা দা ণা ণা | র্সা -া -া -া I পা দা ণা র্সা | র্সা -র্জ্ঞা -র্ঋা -র্সা I
চ লে ছ প থি • • ক্ আ লো ক যা নে • • •

I র্সর্জ্ঞা র্জ্ঞা র্জর্ঋা র্ঋা | র্সা -া -া -র্ঋা I ণা -র্জ্ঞা র্জর্ঋা র্ঋা | র্সা -া -া -র্ঋা I
আঁ• ধা র পা রে • • • ম ন্ ভু লা নো • • •

I র্ণা র্সা ণর্ঋা র্ঋর্সা | ণা -া -দা -া I পা -া পা দা | দা -র্সা -া -পা II [ ] II
মো হ ন• তা নে • • • গা ন্ গা হি য়া • • •

যে ছায়ারে ধরব বলে করেছিলেম পণ
আজ সে মেনে নিল আমার গানেরই বন্ধন ॥
আকাশে যার পরশ মিলায় শরতমেঘের ক্ষণিক লীলায়
আপন সুরে আজ শুনি তার নূপুরগুঞ্জন ॥
অলস দিনের হাওয়ায়
গন্ধখানি মেলে যেত গোপন আসা-যাওয়ায়।
আজ শরতের ছায়ানটে মোর রাগিণীর মিলন ঘটে,
সেই মিলনের তালে তালে বাজায় সে কঙ্কণ ॥

II সা -ণা ণা | ণধা পা -া I পা -াঃ ক্ষঃ | পধা ধপা -া I
যে ০ ছা য়া রে ০ ধ ০ র্ বো০ ব ০

I পমা -া -া | -গা -া -মা I গরা গরা -গা | মগা গপা -া I
লে ০ ০ ০ ০ ০ ক রে০ ০ ছি০ লে ম্

I পমা -া -গা | -রগা -সা -া I সা -রা -া | -া -া -া I
প ০ ০ ০০ ০ ০ ণ্ আ ০ ০ ০ ০ জ্

I সা -মা মা | মা মা -গপা I পা পা -া | পধা ধা -না I
আ জ্ সে মে নে ০০ নি ল ০ আ০ মা র্

I র্সা র্সা -নর্গা | র্গর্রা র্সা -া I র্সা -া র্সা | র্সনা র্রর্সা -না I
গা নে ০০ রি ব ন্ ধ ন্ সে মে০ নে০ ০

I ধা ধা -র্সণা | ণধা পা -রা I রা গরা -গা | মধা ধপা -া I
নি ল ০০ আ মা র্ গা নে০ ০ রি০ ব ন্

I মা -া -গা | -রগা -সা -া II
ধ ০ ০ ০০ ০ ন্

II { পা পা -ৠপা | পনা ধ্ধা -না I র্সা র্সা র্সা | র্সনা র্ঋর্সা -না I
আ কা ০০ শে০ যা র্ প র শ মি০ লা০ য়্

I ধা না ধা | না -া -ধনা I নর্সা -া -া | -া -া -না I
শ র ত মে ০ ০ ঘে০ ০ ০ ০ ০ র্

I ণধা না ধর্সা | র্সনা ধপা -পক্ষা I পক্ষা পধা ধপা | মা মা -া } I
ক্ষ ণি ক০ লী লা০ ০র্ প০ র০ শ মি লা য়্

I মা মা -া | মা মা -া I মগা -পা পা | পক্ষা ধপা -া I
আ প ন্ হ রে ০ আ০ জ্ গু নি০ তা র্

I ধা না -া | নর্সা না -া I ধপা -া পা | পক্ষা পা -া I
নূ পু ০ র০ গু ন্ জ০ ন্ গু নি০ তা র্

I ধা ধা -পা | ধা পা -ক্ষা I ধপা -া -া | -মা -া -া I
নূ পু ০ র গু ন্ জ০ ০ ০ ০ ০ ন্

I সা -ঋা -া | -া -া -া I সা -মা মা | মা মা -গপা I
আ ০ ০ ০ ০ জ্ আ জ্ সে মে নে ০০

I পা পা -া | ধা ধা -না I র্সা র্সা -নর্গা | র্গর্ঋা র্সা -না I
নি ল ০ আ মা র্ গা নে ০০ স্নি ব ন্

I র্ঋর্সা -া র্সা | র্সা র্ঋর্সা -নর্সা I ণধা ধা -র্সণা | ণধা পা -ঋা I
ধ ন্ লে মে নে ০০ নি ল ০০ আ মা র্

I ঋা গা -মা | মধা ধপা -া I মা -া -গা | -ঋগা -সা -া II
গা নে ০ স্নি০ ব ন্ ধ ০ ০ ০০ ০ র্

II { ঋা ঋপা জ্ঞা | মা মা -পা I ঋগা ঋা -া | -া -া -া I
অ ন• ন দি নে র্‌ হাও য়া • • • র্‌

I ঋা -মা মা | মা মা -া I মগা গা -ঋা | সা -ঋগমগা -ঋগা I
গ ন্‌ ধ খা নি • বে লে • বে •••• ••

I গঋা -া -া | -া -া -া I ঋা গা -মগা | মা পা -মধা I
ভ • • • • • গো প ন্‌ আ শা ••

I ধপা মা -া | -া -া -সা } I ঋা ঋপা মা | মা মা -পা I
যাও য়া • • • র্‌ অ ন• ণ দি নে র্‌

I ঋগা ঋা -া | -া -া -া I { পজ্ঞা -ধা পা | পনা ধা -না I
হাও য়া • • • র্‌ আ• জ্‌ শ য় তে র্‌

I র্সা র্সা -া | র্সা র্সা -া I ধা -না ধা | -া না -া I
ছা য়া • ম টে • মো র্‌ মা • গি •

I নর্সা -া -া | -া -না -ধা I ধা না র্সা | র্সনা ধপা -া I
গী• • • • • র্‌ মি ল ন ম টে• •

I পজ্ঞা পা -জ্ঞধা | ধপা মা -া } I সা -মা মা· | মা মা -া I
ছা• য়া •• ম টে • সে ই মি ল নে র্‌

I সমা মা -া | মা -গা -পজ্ঞা I পা -া -া | -া -া -া I
জা• নে • জা • •• নে • • • • •

I ধা না -া | র্সা না -া I ধপা -া পা | পজ্ঞা পা -া I
যা জা র্‌ লে ক ত্‌ ক• ণ্‌ লে খা• জা র্‌

I ধা ধা -পা | পধা পা -মা I ধপা -া -া | -মা -া -া I
বা জা য়্‌ রে ক ঙ্‌ ক • • • • • ণ্‌

I সা -রা -া | -া -া -া I সা -মা মা | মা মা -গপা I
আ • • • • জ্‌ আ জ্‌ সে জে জে ••

I পা পা -া | ধা ধা -না I র্সা র্সা -নর্সা | র্গর্রা র্সা -া I
নি জ • আ মা র্‌ গা নে •• রি ব ন্‌

I র্রর্সা -া র্সা | র্সনা র্রর্সা -নর্সা I র্নধা ধা -র্সপা | পধা পা -মা I
ধ ন্‌ সে ঘে• নে •• নি জ •• আ মা র্‌

I মা গা -মা | মধা পপা -া I মা -া -পা | -রগা -সা -া II II
গা নে • রি• ব ন্‌ ধ • • •• • ন্‌

২৬

ওই আসে ওই অতি ভৈরব হরষে
জলসিঞ্চিত ক্ষিতিসৌরভরভসে
ঘনগৌরবে নবযৌবনা বরষা শ্যামগম্ভীর সরসা।
গুরু গর্জনে নীল অরণ্য শিহরে,
উতলা কলাপী কেকাকলরবে বিহরে—
নিখিলচিত্তহরষা
ঘনগৌরবে আসিছে মত্ত বরষা॥

কোথা তোরা অয়ি তরুণী পথিকললনা,
জনপদবধূ তড়িতচকিতনয়না,
মালতীমালিনী কোথা প্রিয়পরিচারিকা,
কোথা তোরা অভিসারিকা।
ঘনবনতলে এসো ঘননীলবসনা,
ললিত নৃত্যে বাজুক স্বর্ণরসনা,
আনো বীণা মনোহারিকা।
কোথা বিরহিণী, কোথা তোরা অভিসারিকা॥

আনো মৃদঙ্গ মুরজ মুরলী মধুরা,
বাজাও শঙ্খ, হুলুরব করো বধূরা—
এসেছে বরষা, ওগো নব-অনুরাগিণী,
ওগো প্রিয়সুখভাগিনী।
কুঞ্জকুটিরে অয়ি ভাবাকুললোচনা,
ভূর্জপাতায় নবগীত করো রচনা
মেঘমল্লাররাগিণী।
এসেছে বরষা, ওগো নব-অনুরাগিণী॥

কেতকীকেশরে কেশপাশ করো সুরভি,
ক্ষীণ কটিতটে গাঁথি লয়ে পরো করবী।
কদম্বরেণু বিছাইয়া দাও শয়নে,

অঞ্জন আঁকো নয়নে।
তালে তালে দুটি কঙ্কণ কনকনিয়া
ভবনশিখীরে নাচাও গণিয়া গণিয়া
স্মিতবিকশিত বয়নে—
কদম্বরেণু বিছাইয়া ফুলশয়নে॥

এসেছে বরষা, এসেছে নবীনা বরষা,
গগন ভরিয়া এসেছে ভুবনভরসা।
দুলিছে পবন সন-সন বনবীথিকা,
গীতময় তরুলতিকা।
শতেক যুগের কবিদলে মিলি আকাশে
ধ্বনিয়া তুলিছে মত্তমদির বাতাসে
শতেক যুগের গীতিকা,
শতশতগীতমুখরিত বনবীথিকা॥

II সা -া সা সা | সা -া সা সা | ন্সা -রা রা রা | রা রা রা -া I
ঐ ॰ আ সে ঐ ॰ অ তি ভ॰ ই র ব হ র ষে ॰

I সা রা জ্ঞা -া | জ্ঞা জ্ঞা জ্ঞা মা | মা -পা পা পা | পা পা পা -া I
জ ল সি ন্ চি ত ক্ষি তি সৌ উ র ভ র ভ সে ॰

I পমা পা পমা -ণা | ণধা ণা ধা ণা | ণধা -ণা ধা ণা | ণধা ধা পা -ধা I
ঘ ন গৌ উ র বে ন ব যৌ উ ব না ব র ষা ॰

I -মা -া মা পা | পমা -ণা ণধা পমা | মধা ধপা মজ্ঞা -া | -া -া -া -া II
॰ ॰ শ্যা ম গ ম্ ভী র॰ স॰ র সা॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

II { মা পা পণা -পা | না না না র্সা | র্সনা র্সা -পা পনা | না না র্সা -া I
শু ক্ল গ॰ র্ জ নে নী ল অ র ণ্ ণ॰ শি হ রে ॰

I র্সনা র্সা র্রা র্রা | র্রর্মা র্মা র্রা র্সা | নর্রা র্রর্সা ণা ণা | ণা ধণা ণপা -া I
উ ত লা ক লা॰ পী কে কা ক॰ ল র বে বি হ॰ রে ॰

I পণা ণা ণা ণা | -ধা ণা পধা ধা | পা -ধা -মা -া | -া -া মা পা I
নি॰ খি ল চি ত্ ত হ র ষা ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ঘ ন

I মা -ণা ধা ণা | ধা ণা ধা পা | -ধা মা মধা ধপা | মজ্ঞা -া -া -া II
গৌ উ র বে আ সি ছে ম ত্ ত ব॰ র ষা ॰ ॰ ॰

II { সজ্ঞা জ্ঞা জ্ঞা | জ্ঞা রা জ্ঞা I রা জ্ঞা জ্ঞা | জ্ঞা জ্ঞা রা I
কো॰ থা তো রা অ য়ি ত রু ণী প থি ক

I জ্ঞরা জ্ঞরা মজ্ঞা | -া -ঋা -সা I সা ঋা ঋা | ঋা ঋা জ্ঞা I
ল॰ ল॰ না॰ ॰ ॰ ॰ জ ন প দ ব ধূ

I সা সজ্ঞা জ্ঞা | জ্ঞা ঋা জ্ঞা I ঋা ঋা সা | -া -া -া } I
ত ড়ি॰ ত চ কি ত ন য় না ॰ ॰ ॰

I সা সপা পা | পা পা পা I পা ধা ণা | র্সা ণা ণধা I
মা ল॰ তী মা লি নী কো থা প্রি য় প রি॰

I ধপা -ণা ধা | পা -া -া I পধা ধা পা | মা গা গমা I
চা ॰ রি কা ॰ ॰ কো॰ থা তো রা অ ভি॰

I রগা -া মপা | পমা -া -া I সা পা পা | পা পা পমা I
সা॰ ॰ রি॰ কা ॰ ॰ ঘ ন ব ন ত লে॰

I পা ধা ণা | র্সা র্সণা ণধা I পধা ধা পা | -া -া -া I
এ সো ঘ ন নী॰ ল॰ ব স না ॰ ॰ ॰

I পা ধা ণা | র্সা -া ণা I ধা ণা ধা | পা -ধা পা I
ল লি ত নৃ০ ত্ তে বা জু ক ষ ঙ্ ণ

I পমা গা মা | -া -া -া I মপা পা মা | জ্ঞা জ্ঞা রা I
র শ না ০ ০ ০ আ০ নো বী ণা র মো

I জ্ঞা -া জ্ঞরা | মজ্ঞা -া -া I মা মা জ্ঞা | জ্ঞা রা জ্ঞা I
হা ০ রি০ কা ০ ০ কো থা বি র হি ণী

I রমা মা জ্ঞা | জ্ঞা রা সা I সরা -া ন্া | সা -া -া I
কো০ থা তো রা অ ভি সা ০ রি কা ০ ০

I সা রা গা | গা -া গা I সগা গা গা | গা গা গা I
আ নো মৃ দ ঙ্ গ মু০ র জ মু র লী

I গা গা গা | -রা -া -া I গা গা -পা | পা -ক্ষা পা I
ম ধু রা ০ ০ ০ বা জা ও শ ঙ্ খ

I পনা না না | ধা ধা পা I পা ক্ষা গা | -া -া -া I
হু০ লু র ব ক র ব ধূ রা ০ ০ ০

I না না না | ধা পা পা I পক্ষা পা ধা | পা পা ক্ষা I
এ সে ছে ব র ষা ও গো ন ব অ নু

I গা -মা মা | গা -া -া I গধা ধা পা | পা ক্ষা গা I
রা ০ গি ণী ০ ০ ও০ গো প্রি য় সু খ

I মগা -া রা | সা -া -া I {পা -া গা | পা পা ধা I
ভা ০ গি নী ০ ০ কু ন্ জ কু টি রে

I ধা নর্সা র্সা | র্সা র্সা র্সা I র্সা -র্না র্রা | র্সা -া -া I
অ রি তা বা হু ন লো ০ চ না ০ ০

I র্সা -া র্সা | র্রা র্সা -া I র্সনা নর্রা র্সা | র্সা না ধা I
হৃ দ্ য পা তা র্ ন ব নী ত ক র

I ধনা না ধপা | -া -া -া } I না না ধা | -া পা পা I
র চ না ০ ০ ০ ০ মে ঘ ম ল্ লা র

I পজ্ঞা -ধা পজ্ঞা | পা -া -া I পনা না না | ধা পা পা I
রা ০ গি ০ ণী ০ ০ এ সে ছে ব র ষা

I পজ্ঞা পা ধা | পা জ্ঞা গা I রগা -া রা | সা -া -া I
ও গো ন ব অ নু রা ০ গি ণী ০ ০

I { সা সা সা | রা রা রা I রা গা মা | পা মধা ধপা I
কে ত কী কে শ রে কে শ পা শ ক০ র

I মা গা মা | -া -া -া I মপা মা মা | জ্ঞা রা জ্ঞা I
সু র ভি ০ ০ ০ ক্ষী০ ণ ক টি ত টে

I জ্ঞরা মা জ্ঞা | জ্ঞা রা সা I সরসা ন্ সা | -া -া -া } I
পাঁ খি ন রে প রো ক০ র বী ০ - ০ ০

I পা না -া | না র্সা র্রা I র্সা র্সা র্সপা | ধা পা -ধা I
ক দ ম্ ব রে ণু বি ছা ই০ য়া দা ও

I পধা ধা পা | -া -পা -মা I পা -ধা পা | র্সা পধা পা I
প থ মে ০ ০ ০ অ ন্ জ ন আঁ০ কো

I মা গা মা | -া -া -া I { সপা পা পা | পা পা পা I
ম য়ূ রে • • • তা• লে তা লে ছু টি

I পা -ধা না | র্সা র্সর্রা র্র্সা I না না র্সা | -া -া -া I
ক ঙ্ ক ণ ক• ন ক নি য়া • • •

I না র্সা র্রা | র্রা র্জ্ঞা র্রা I র্সনা র্সা -া | র্সনা নর্রা র্সা I
ভ ব ন শি খী রে যা চা ও গ ণি• য়া

I পা ধা পা | -া -া -া } I ধা ধর্সা পা | পা পা ধা I
গ ণি য়া • • • শি ত বি ক শি ত

I পধা ধা পা | -া -পা -মা I পা ধা -া | পা পর্রা র্সা I
ব য় সে • • • ক দ ম্ ব রে ণু

I পা পা ধা | পা পধা পা I মগা গা মা | -া -া -া I
বি ছা ই য়া ফু• ল শ• য় নে • • •

I র্সা র্সা র্সা | না ধা পা I পক্ষা ধা পা | পা ক্ষা পা I
এ সে ছে ব র ষা এ সে ছে ন বী না

I গা ক্ষা নধা | -া -া -া I ধা না ধা | না র্সা র্সা I
ব র ষা• • • • গ গ ন ভ রি য়া

I র্সা নর্রা র্র্সা | র্সা র্সা র্সা I র্সনা র্সনা র্সর্রা | -া -ধা -পা I
এ সে• ছে ভু ব ন ভ• র• সা • • •

I পর্সা র্সা র্সা | ধা পা পা I পক্ষা পা পধা | পা পা পমা I
হ্• জি ছে প ব নে স• ন স ন ব ন

I মা মা মা | -া -া -া I সমা মা মা | মা মধা পা I
বী থি কা • • • গী• ত ম য় ত• রু

I পগমা রা সা | -া -া -া I র্গা র্গা র্গা | র্গা র্গা -া I
ল• তি কা • • • শ তে ক যু গে র্

I র্গা র্মা র্রা | র্রা র্সা র্সা I র্সনা র্সনা র্রর্সা | -নর্সা -ধা -না I
ক বি দ লে মি লি আ• কা• শে •• • •

I র্সা র্সর্গা র্গা | র্রা র্সা র্সা I র্সা -না র্রা | র্রর্সা র্সা নধা I
ধ্ব নি য়া তু লি ছে ম ত্ ত ম দি র•

I ধর্সা না ধপা | -া -া -া I পনা না না | ধা পা পমা I
বা• তা সে• • • • শ• তে ক যু গে র•

I মধা ধপা পমা | -া -া -া I মা মা মা | মা মা মা I
গী• তি কা • • • শ ত শ ত গী ত

I মা মা মা | মা মধা ধপা I গমা রা সা | -া -া -া II II
মু খ রি ত ব• ন্ বী• থি কা • • •

চৈত্রপবনে মম চিত্তবনে   বাণীমঞ্জরী সঞ্চলিতা
ওগো ললিতা ॥
যদি বিজনে দিন বহে যায়,   খর তপনে ঝরে পড়ে হায়,
অনাদরে হবে ধূলিদলিতা
ওগো ললিতা ॥
তোমার লাগিয়া আছি পথ চাহি— বুঝি বেলা আর নাহি, নাহি।
বনছায়াতে তারে দেখা দাও,   করুণ হাতে তুলে নিয়ে যাও—
কণ্ঠহারে করো সঙ্কলিতা
ওগো ললিতা ॥

II পা -ধা না র্সা | র্সনা -া নর্সা -র্র্সা I -নর্সা -া -া -া | -া -া র্সপা ধা I
চৈ ৎ ত্র প ব • নে• •• •• • • • • • ম ম

I পা -া পর্জ্ঞা র্জ্ঞর্রা | র্সা -া -পা ধা I পা -র্জ্ঞা র্জ্ঞর্রা র্সা | -র্রা র্সা পা -া I
চি ত্ ত• ব নে ০ • • বা • ণী ম ন্ জ রী •

I পা -া পা ধা | ধপা -ধা -পা -র্সা I পর্সা র্সপা ধা পা | পা -ধা -মা -া I
স ন্ চ লি তা • • • ও• গো ল লি তা • • •

I মপা পধা পমা পা | মা -জ্ঞা -া -া II
ও০ গো ল• লি তা • ০ •

-া -া II { র্সর্জ্ঞা র্জ্ঞা র্জ্ঞা র্রা | র্রর্সা -া -র্জ্ঞা -া I র্জ্ঞর্রা -র্সা র্সর্জ্ঞা র্রা | র্সা -া -া -া I
• • য• দি বি জ নে• • • • • দি ন্ ব হে যা • • য়্

I র্সর্রা র্রর্সা পা পধা | র্সপা -া -ধা -পা I পা ধা না না | র্সা -া (-া -র্জ্ঞা) } I -পা -া I
খ• র ত প• নে• • • ঝ রে প ড়ে হা • • য়্ • য়্

I পা ধা -জ্ঞা জর্রা | র্সা -ণা ণা ণা I ণা ণা ণা ধা | পা -ধা -ণাং -র্সা I
অ মা ০ দ রে ০ হ বে ধূ লি দ লি তা ০ ০ ০

I ণর্সা র্সণা ধা পা | পা -ধা -মা -া I মণা পধা পমা পা | মা -জ্ঞা -া -া II
ও ০ গো ল লি তা ০ ০ ০ ও ০ গো ল ০ লি তা ০ ০ ০

-া -া II { মা মণা ধা ধা | ধা -া ধা -না I না র্সা র্সর্রা র্রর্সা | না -া র্সা -া I
০ ০ তো মা০ র জা গি ০ য়া ০ আ ছি প০ থ চা ০ হি ০

I না না না -া | র্সা -না র্রর্সা -া I মা -পা পধা -া | মগা -পা পমা -া } I
বু ঝি বে ০ না ০ আ ০ বৃ না ০ হি ০ না ০ হি ০

I { র্সা র্সজ্ঞা জ্ঞা জ্ঞা | জ্ঞা -া -র্মা -র্পর্মা I জ্ঞর্পা র্মা জ্ঞা র্রনা | র্সা -া -া -া I
ব ন ০ ছা য়া তে ০ ০ ০ ০ তা ০ রে দে খা ০ দা ০ ০ ও

I না র্সা র্রা র্রর্সা | র্সধা -র্সণা -ধা -পা I পা ধা না না | র্সা -া (-া -জ্ঞা) } I -া -া I
ক রু ণ হা তে০ ০ ০ ০ ০ তু লে নি য়ে যা ০ ০ ও ০ ও

I পা -ধা ধর্রা র্সা | র্সা -ণা ণা. ণা I ণা -া ণা ধা | পা -ধা -ণাং -র্সা I
ক ণ্ ঠ হা রে ০ ক রো স ঙ্ ক লি তা ০ ০ ০

I ণর্সা র্সণা ধা পা | পা -ধা -মা -া I মণা পধা পমা পা | মা -জ্ঞা -া -া II II
ও ০ গো ল লি তা ০ ০ ০ ও ০ গো ল০ লি তা ০ ০ ০

২৮

ফিরে ফিরে ডাক্ দেখি রে পরান খুলে, ডাক্ ডাক্ ডাক্ ফিরে ফিরে।
দেখব কেমন রয় সে ভুলে॥
সে ডাক বেড়াক বনে বনে, সে ডাক শুধাক জনে জনে,
সে ডাক বুকে দুঃখে সুখে ফিরুক দুলে॥
সাঁঝ-সকালে রাত্রিবেলায় ক্ষণে ক্ষণে
একলা ব'সে ডাক্ দেখি তায় মনে মনে।
নয়ন তোরই ডাকুক তারে, শ্রবণ রহুক পথের ধারে,
থাক্-না সে ডাক গলায় গাঁথা মালার ফুলে॥

[পা , -না না | -র্সনা] ।
II পনা -া না | -া নধা -া I পা -া -া | -া -া -ধা I
ফি • • রে • ফি • রে • • • • •

I ধমা -ধা পা | -ধা গমা -পা I গা -া -া | -া -া -মা I
ডা ক্ দে • খি • রে • • • • •

I পা -া ধা | -র্সা র্সা -া I র্সা -া -া | র্সর্রা -া -র্সনা I
প • রা ন্ খু • লে • • • • ••

I নর্সা -া -না | ধনা -া -ধপা I পা -া -র্সা | র্সনা -া -ধপা I
ডা• • ক্ ডা• • •ক্ ডা • • • • •ক্

I পনা -া না | -া নধা -া I পা -া -া | -া -া I
ফি• • রে • ফি • রে • • •

I { পা -দা দা | -া দা -া I দা -া -া | -পাং -দা -পা I
দে খ্ বো • কে • ম • • • • ন্

I পা -পা পা | -া পদা -া I পা -া -া | -া -া (-ক্সা)} I -া I
·র র্‌ সে · ছু · লে · · · · · ·

I পর্সা -া -না | না -া -ধপা I পা -া -র্সা | -র্সনা -া -ধপা I [ ] I
ভা · ক্‌ ভা · ·ক্‌ ভা · · · · ·ক্‌

-া II { পর্সা -া র্সা | -া র্সা -া I র্সা -া -া | -া -া -া I
· সে· · ভা ক্‌ বে · ভা · · · · ক্‌

I র্সা -া র্সা | -া র্সা -া I র্সর্রা -া -া | -া -র্সা -না I
ব · নে · ব · নে· · · · · ·

I র্সা -না র্সা | -ান র্সা -া I র্সা -র্জ্রা -া | -া -র্রা -র্সা I
সে · ভা ক্‌ শু · ধা · · · · ক্‌

I র্সা -া র্রা | -র্জ্রা জর্রা -া I র্সনা -া -া | -া -া -া} I
জ · নে · জ · নে· · · · · ·

I পা -া দা | -া দা -া I দর্সা -া -া | -া -না -দা I
সে · ভা ক্‌ বু · কে· · · · · ·

I দপা -পা পা | -া পদা -া I দপা -া -া | -া -া -দা I
দু ক্‌ খে · সু · খে · · · · ·

I দমা -া পা | -দা মপা -া I মগা -া -া | -া -া -া I
ফি · রু ক্‌ দু · লে· · · · · ·

I পর্সা -া -না | না -া -ধপা I পা -া -র্সা | -র্সনা -া -ধপা I [ ] I
ভা · ক্‌ ভা · ·ক্‌ ভা · · · · ·ক্‌

-া II { সা -া সা | -া সা -া I রা -া -া | -া -া -া I
• সাঁ ঝ্ ন • কা • জে • • • • •

I রা -া গা | -া রা -া I গা -া -া | -া -া -মা I
রা ং জি • বে • লা • • • • র্

I মরা -গা রা | -পা পমা -া I গা -া -া | -া -া -মা I
ক্ষ • ণে • ক্ষ • ণে • • • • •

I মা -া পা | -া পা -া I পা -া -া | পা -া -দা I
এ ক্ লা • ব • সে • • ডা • ক্

I দপা -না না | -দা দা -া I দপা -া -া | -া -া -দা I
ডা ক্ দে • খি • ডা • • • • র্

I দমা -া পা | -দা মপা -া I মগা -া -া | -া -া -া } I
ম • নে • ম • নে • • • • • •

I { পা -র্সা র্সা | -া র্সা -া I র্সা -া -া | -া -া -া I
ন • য় ন্ • তো • রি • • • • •

I র্সা -া র্সা | -া র্সা -া I সর্রা -া -া | -া -র্সা -না I
ডা • কু ক্ ডা • রে • • • • • •

I র্সা -না র্সা | -না র্সা -া I র্সা -জ্ঞা -া | -া -র্রা -র্সা I
শ্র • ব ণ্ র • হ • • • • ক্

I র্সা -া র্রা | -জ্ঞা সর্রা -া I র্সনা -া -া | -া -া -া } I
প • থে র্ ধা • রে • • • • • •

I পা -ধা ধা | -া ধা -া I র্সা -া -া | -া -না -ধা I
. থা হ্ না • নে • তা• • • • • হ্

I মপা -পা পা | -া পধা -া I পা -া -া | -া -া -ধা I
প • না য়্ নী • থা • • • • •

I পমা -া পা | -ধা মপা -া I মগা -া -া | -া -া -া I
মা • না ব্ হু • নে • • • • • •

I পর্সা -া -না | না -া -ধপা I পা -া -র্সা | -না -া -ধপা II [ ] II
ভা • ক্ ভা • • হ্ ভা • • • • • হ্

২৯

ও কি এল, ও কি এল না, বোঝা গেল না—
ও কি মায়া কি স্বপনছায়া, ও কি ছলনা ॥
ধরা কি পড়ে ও রূপেরই ডোরে,
গানেরই তানে কি বাঁধিবে ওরে—
ও যে চিরবিরহেরই সাধনা ॥
ওর বাঁশিতে করুণ কী সুর লাগে
বিরহমিলনমিলিত রাগে।
সুখে কি দুখে ও পাওয়া না-পাওয়া,
হৃদয়বনে ও উদাসী হাওয়া,
বুঝি শুধু ও পরমকামনা ॥

॥
সা সা II সন্‌া সা -দা | -া দা পা I পজ্ঞা পা -দা | দর্সা -র্সণা -া I
ও কি এ • ল • • ও কি এ • ল • না • • • •

I -দা দা দা | দপা পদা মপা I পমা মা মপা | -জ্ঞমা জ্ঞরা মজ্ঞা I
• বো ঝা গে ল • না • গে ল না • • • ও • কি •

I সরা জ্ঞা জ্ঞঋা | সরা জ্ঞা জ্ঞঋা I সরা জ্ঞা -া | -া ঋা সণ্‌া I
মা • য়া কি • স্ব • প ন • ছা • য়া • • ও কি •

I সর্সা র্সণা ণা | -দা দা পা II
ছ • ল • না • "ও কি"

-া -া II র্সর্ঋা র্ঋা র্ঋর্সা | র্সনা র্সা দণা I র্সর্ঋা র্ঋা র্ঋর্সা | র্সনা র্সা -া I
• • ধ • রা কি প ড়ে ও • রূ • পে রি ডো • রে •

I র্সর্জ্ঞা র্জ্ঞা র্জ্ঞর্রা | র্জ্ঞর্রা র্মর্জ্ঞা দণা I র্সর্জ্ঞা র্জ্ঞা র্জ্ঞর্ঋা | র্সনা র্সা -র্সর্ঋা I
গা • নে রি • তা • নে • কি • বাঁ • ধি বে ও • রে • •

I র্ণর্সা -া -া | -া দা দা I দা দর্ঋা ঋর্সা | র্সণা ণদা দপা I
০ ০ ০ ০ ও যে চি র০ বি০ র০ হে০ রি০

I পা -ঋা পদা | দর্সা -া -ণা I -দা দা দা | দপা পদা মপা I
লা ০ ধ০ মা০ ০ ০ ০ বো ঝা গে ল০ না০

I পমা মা মপা | -জ্ঞমা জ্ঞরা মজ্ঞা I সরা জ্ঞা জ্ঞঋা | সরা জ্ঞা জ্ঞঋা I
গে ল না০ ০০ ও০ কি০ মা০ য়া কি০ স্ব০ প ন০

I সরা জ্ঞা -া | -া ঋা সণ্‌া I সর্সা র্সণা ণা | -দা দা পা II
ছা০ য়া ০ ০ ও কি০ ছ০ ল০ না ০ "ও কি"

সা -া II সদা দা দা | দপা পা পদা I দর্সা র্ণণা দপা | মপা পমা -া I
ও র্ বাঁ০ শি তে ক রু ণ০ কি০ সু র০ লা০ গে ০

I মা দণা র্সা | র্সঋা ঋর্সণা দপা I মা দা ণর্সা | র্ণণা র্সা -া I
বি র০ হ মি০ ল০ ন০ মি লি ত০ রা গে ০

I র্সঋা ঋা ঋর্সা | র্সনা র্সা দণা I র্সঋা ঋা ঋর্সা | র্সনা র্সা -া I
সু০ খে কি দু০ খে ও০ পাও য়া না পাও য়া ০

I র্সজ্ঞা জ্ঞা জ্ঞা | জ্ঞর্রা র্মজ্ঞা দণা I র্সজ্ঞা জ্ঞর্ঋা ঋর্সা | র্সনা র্সা -ঋা I
হৃ০ দ য় ব০ নে০ ও০ উ০ দা০ সী০ হাও য়া ০

I ণর্সা -া -া | -া দা দা I দঋা ঋর্সা র্সণা | ণদা দা দপা I
০ ০ ০ ০ বু ঝি শু০ ধু০ ও০ প০ র ম০

I পা -ঋা পদা | দর্সা -া -ণা I -দা দা দা | দপা পদা মপা I
কা ০ র০ মা০ ০ ০ ০ বো ঝা গে ল০ না০

I পমা মা মপা | -জ্ঞমা জ্ঞরা মজ্ঞা I সরা জ্ঞা জ্ঞঋা | সরা জ্ঞা জ্ঞঋা I
গে ল মা • • • ও • কি • মা • য়া কি • ম্ব • প ন •

I সরা জ্ঞা -া | -া ঋা সণ্া I সর্ণা র্সণা ণা | -দা দা পা II II
ছা • য়া • • ও কি • ছ • ল • না • "ও কি"

প্রভাত-আলোরে মোর কাঁদায়ে গেলে
মিলনমালার ডোর ছিঁড়িয়া ফেলে॥
পড়ে যা রহিল পিছে সব হয়ে গেল মিছে,
বসে আছি দূর-পানে নয়ন মেলে॥
একে একে ধূলি হতে কুড়ায়ে মরি
যে ফুল বিদায়পথে পড়িছে ঝরি।
ভাবি নি রবে না লেশ সে দিনের অবশেষ—
কাটিল ফাগুনবেলা কী খেলা খেলে॥

II সা -দা দা | -া দা -া I দপা -দা পা | -র্সা র্সা -র্ঋা I
প্র • ভা • ত • আ • লো • রে •

I র্ঋণা -র্সা -ণা | -দা -া -ণদা I -পা -া -া | -া -া -া I
মো • • • • •• • • • • • র্

I সা -ঋা জ্ঞা | -মা মজ্ঞা -া I ঋা -া -জ্ঞঋা | সা -া -া I
কাঁ • দা • য়ে• • গে • •• লে • •

I ণা -া র্সা | -া র্সা -র্ঋা I র্ঋণা -া র্সা | -দা দা -া I
মি • ল • ন • মা • লা • র •

I দপা -দা -ণা | -পা -া -ণা I ণদা -া দা | -পা পা -দা I
ডো • • • • র্ ছিঁ • ড়ি • য়া •

I দমা -া -পদপা | মজ্ঞা -া -া I মা -া সা | -ঋা জ্ঞা -মজ্ঞা I
ফে • ••• লে• • • কাঁ • দা • য়ে ••

I জঋা -া -জ্ঞঋা | সা -া -া II
গে • •• লে • •

II দা -া দা | -া দা -া I ণা -া র্সা | -া র্সা -া I
প • ড়ে • যা • য় • ছি • ল •

I র্সা -া -া | র্সা -র্জ্ঞা -া I -া -া -া | -া -া -া I
পি • • ছে • • • • • • • •

I জ্ঞর্ঋা -র্মা র্মা | -র্জ্ঞা র্জ্ঞা -র্ঋা I ঋর্সা -া -র্ঋা | র্জ্ঞা জ্ঞর্ঋা -া I
ল ব্ হ • য়ে • গে • • ল মি •

I ঋর্সা -া -া | র্সা র্সা -র্ঋা I ঋণা -র্সা ণা | -দা পা -দা I
ছে • • ব সে • আ • ছি • দূ •

I -পা -দা -ণা | -র্সা -র্ঋা -র্জ্ঞা I র্সা -র্জ্ঞা র্ঋা | -র্সা র্সা -ণা I
• • • • • ব্ পা • নে • ন •

I ণপা -দা পা | -ণা ণদা -া I পা -া -া | পা -া -া I
য় • ন • মে • লে • • কাঁ • •

I সা -ঋা জ্ঞা | -মা -মজ্ঞা -া I জ্ঞঋা -া -জ্ঞঋা | সা -া -া II
দা • য়ে • • • গে • • • লে • •

II { -া -া -া | -া সা মা I মা -া মা | -া মা -া I
• • • • এ কে এ • কে • ধূ •

I মা -া মা | -পা পমা -পা I দণা -া দা | -া দা -পা I
লি • হ • তে • কু • • ড়া • য়ে •

I পা -মা মা | -া মা -পা I মা -া মা | -া মা -া I
ঝ • রি • যে • ফু ল্ বি • দা য়্

I মা -া -পা | পমা -ণা -া I -দা -া -া | -া -া -পা I
প • • থে • • • • • • • •

I মা -পা পজ্ঞা | -া মা -া I জ্ঞা -ঋা -া | সা -া -া } I
প • ড়ি • ছে • ঝ • • রি • •

I দা -া দা | -া ণা -া I র্সা -া র্সা | -া র্সা -ণা I
ভা • বি • নি • য় • বে • না •

I র্সা -র্জ্ঞা -া | -া -া -া I র্জ্ঞর্ঋা -র্মা র্মর্জ্ঞা | -া র্জ্ঞা -র্ঋা I
লে • • • • শ্ সে • দি • নে র্

I র্সা -া -র্ঋা | র্জ্ঞা -র্ঋা -া I র্সা -া -া | র্সা র্সা -র্ঋা I
অ • • ব • • শে • ষ্ কা টি •

I র্সণা -র্সা ণা | -দা -পা -দা I -ণা -র্সা র্ঋা | -র্সা র্সণা -র্সা I
ল • ফা • • • • • গু ন্ বে •

I ণা -া -া | -দা -া -া I দা -র্সা র্সা | -ণা ণা -া I
লা • • • • • কী • গে • লা •

I ণপা -ণা ণদা | -পা পা -া I সা -ঋা জ্ঞা | -মা -মজ্ঞা -া I
খে • লে • কাঁ • দা • য়ে • • •

I জ্ঞঋা -া -জ্ঞঋা | সা -া -া II II
গে • •• লে • •

আজি ওই আকাশ-'পরে সুধায় ভরে আষাঢ়-মেঘের ফাঁক।
হৃদয়-মাঝে মধুর বাজে কী উৎসবের শাঁখ॥
একি হাসির বাঁশির তান, একি চোখের জলের গান—
পাই নে দিশে কে জানে সে দিল আমায় ডাক॥
আমায় নিরুদ্দেশের পানে কেমন করে টানে এমন করুণ গানে।
ওই পথের পারের আলো আমার লাগলো চোখে ভালো,
গগনপারে দেখি তারে সুদূর নির্বাক॥

II সা সদা -া | দপা -া -পদা I দপা -া -া | -া -া -দা I
আ কা॰ শ্ প • •• রে • • • • •

I দমা পা -দা | দমা -া -পদপা I মজ্ঞা -া -া | -া -ঋা -সা I
সু ধা য়্ ভ • ••• রে॰ • • • • •

I সা সা -ঋা | জ্ঞা মা -পমা I জ্ঞরা -মজ্ঞা জ্ঞা | ঋা সা -া I
আ ষা ঢ়্ মে ঘে •র্ ফাঁ॰ •ক্ আ জি ও ই

I সর্সা র্সা -া | র্সঋা ণর্সা -া I ণা ণা -পণা | পদা পা -দা I
হৃ• দ য়্ মা• ঝে • ম ধু •র্ বা জে •

I দর্সা র্সা -া | ণা দা -পা I মজ্ঞা -রমা মজ্ঞা | ঋা সা -ণা II
কী॰ উ ৎ স বে র্ শাঁ •খ্ আ জি ও ই

পা পা II { মা পদা -া | ণা ণা -র্সা I র্সা -া -া | র্সা র্সা -ঋা I
এ কি হা সি॰ র্ বাঁ শি র্ তা • ন্ এ কি •

I ঋণা ণা -জ্ঞা | জ্ঞঋা -া -জ্ঞঋা I র্সা -া -া | র্সা র্সা -ঋা I
চো খে র্ জ • •• লে • র্ এ কি •

I ৰ্পা ৰ্পা -র্জ্ঞা | র্ঋা র্ঋা -র্জ্ঞর্ঋা I র্সা -া (-া | ণা দা -পা)} I -া | -া -া -া I
চো খে র্ জ লে • র্ গা • ন্ এ কি • • • • ন্

I র্সা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা | র্ঋা র্সা -া I র্সা -র্ঋা র্ঋর্সা | ণা দপা -া I
পা ই নে দি শে • কে • জা নি সে• •

I সা সা -া | সা সা -ঋা I জ্ঞা -া -া | -া -া -া I
দি ন • আ মা য় ভা • • • • ক্

I র্সা র্সা -া | র্সর্ঋা র্ঋর্সা -া I ণা ণা -পণা | পদা পা -দা I
হৃ দ য় মা• ঝে • ম ধু •র্ বা জে •

I দর্সা র্সা -া | ণা পদা -পা I মজ্ঞা -রমা মজ্ঞা | ঋা সা -ণ্‌া II
কী• উ ৎ স বে র্ বাঁ •শ্ আ জি ও ই

সা সা II {সা সা -া | সা সা -ণ্‌া I সা -া -া | সা -দা -া I
আ মায় নি রু দ্ দে শে র্ পা • • নে • •

I দা দা -পা | পা পা -া I পা -া -ক্ষা | পা -ণা -া I
কে ম ন্ ক রে • টা • • নে • •

I পপা পদা -পা | মা পা -মা I জ্ঞা -ঋা -া | সা (-া -া)} I মা -া I
এ ম• ন্ ক রু ণ্ গা • • নে • • ও ই

I {মা পদা -া | ণা ণা -র্সা I ণপা র্সা -া | র্সা র্সা -র্ঋা I
প থে• র্ পা রে র্ আ লো • আ মা র্

I ৰ্পা -া পর্জ্ঞা | র্জর্ঋা -া -র্জ্ঞর্ঋা I র্ঋর্সা -া -া | র্সা র্সা -র্ঋা I
লা গ্ লো চো • •• খে • • আ মা র্

I র্ণর্সা -া র্ণর্জ্ঞা | র্জ্ঞর্ঋা র্ঋা -র্জ্ঞা I র্জ্ঞর্ঋা র্সা -া | (-া ণা -দপা) } I -া -া -া I
লা গ্ লো চো খে ০ ভা লো ০ ০ ও ০ ই ০ ০ ০

I র্সর্জ্ঞা র্জ্ঞা -া | র্জ্ঞর্ঋা র্সা -া I র্সর্ঋা র্ণর্সা -া | ণা দা -পা I
গ ০ গ ন্ পা রে ০ দে ০ খি ০ তা রে ০

I সা সা -া | সা ঋা২ -া I জ্ঞা -া -া | -া -া -া I
সু দূ ০ র নি র্ বা ০ ০ ০ ০ ক্

I র্সা র্সা -া | র্সর্ঋা র্ণর্সা -া I ণা ণা -পণা | পদা পা -দা I
হৃ দ য় মা ০ ঝে ০ ম ধু ০ র্ বা জে ০

I দর্সা র্সা -া | ণা দা -পা I মজ্ঞা -ঋমা মজ্ঞা | ঋা সা -ণ্া II II
কী ০ উ ৎ স বে র্ শাঁ ০ ০ খ্ আ জি ও ই

৩২

গহন রাতে শ্রাবণধারা পড়িছে ঝরে,
কেন গো মিছে জাগাবে ওরে ॥
এখনো দুটি আঁখির কোণে যায় যে দেখা
জলের রেখা,
না-বলা বাণী রয়েছে যেন অধর ভরে ॥
নাহয় যেয়ো গুঞ্জরিয়া বীণার তারে
মনের কথা শয়নদ্বারে।
নাহয় রেখো মালতীকলি শিথিল কেশে
নীরবে এসে,
নাহয় রাখী পরায়ে যেয়ো ফুলের ডোরে।
কেন গো মিছে জাগাবে ওরে ॥

II সা সণা ণা | ণধা পা -া I পজ্মা পা জ্মধা | ধপা মা -গা I
গ হ• ন রা তে • শ্রা ব ণ• ধা রা •

I গরা রপা মা | গা রা -গা I সা -া -রা | রা -া -গা I
প ড়ি ছে ঝ রে • কে • • ন • •

I গরা -া -গমা | মা মা -গা I গরা -া -গা | গরা -া -পা I
গো • •• মি ছে • জা • • গা • •

I মগা -পমা -গা | রগা রসা -া II
বে• •• • ও• রে •

[র্সর্গা র্র্সা]
II { পা পা পা | পনা নধা -না I র্সা র্সা র্সা | র্সা -া -না I
এ খ নো দু• টি • আঁ খি র কো • •

I র্সা -া -া | -া -া -া I ধা -া ধা | না র্সা -া I
দে· · · · · · যা হ্ দে যে খা ·

I মা ধা নর্সা | র্সনা ধপা -া } I পা পর্সা র্সা | না ধপা -মা I
ভ বে র· রে খা· · মা ধ· না বা ণী· ·

I মা পা মধা | ধপা মা -গা I রা রা রপা | পমা পা -া I
য রে ছে· যে ন · অ ধ র· ভ রে ·

I সা -া -রা | রা -া -গা I গরা -া -গমা | মা মা -গা I
কে · · ব · · গো · ·· মি ছে ·

I গরা -া -গা | গরা -া -পা I মগা -পমা -গা | রগা সা -া II
জা · · গা · · বে· ·· · ও· রে ·

II { সা সা -রা | রা রা -গা I মা -া -া | মধা ধপা -া I
যা হ র্ বে রো · ও · ন্ জ· রি ·

I মা -া -া | মা মা -গা I গরা -া -পমা | পা -া -া I
রা · · বী ণা র্ তা · ·· রে · ·

I ধা না -া | নর্সা -া -না I ধপা -া -া | -রা -া -া I
ব নে র্ ক· · · থা· · · · · ·

I রা গরা গা | মা -পা -ধপা I মা -া -া | -া -া -া } I
প র· ন যা · ·· রে · · · · ·

[র্সর্গা র্রা]
I { পা পা -া | না নধা -না I র্সা র্সা র্সা | র্সা র্সা -না I
যা হ র্ রে খো · মা ল তী ক লি ·

I পধা না ধা | না র্সা -া I না ধা নর্সা | র্গনা ধপা -া } I
শি খি ল কে শে • মী র বে • এ লে • •

I র্গা র্গা -া | র্রা র্সা -া I না ধা না | পধা পা -া I
না হ র্ রা খী • প রা য়ে যে য়ো •

I ধা ধা পা | ধা পা -া I সা -া -রা | রা -া -গা I
ফু লে র ভো য়ে • কে • • ন • •

I গরা -া -গমা | মা মা -গা I গরা -া -গা | গরা -া -পা I
গো • • • বি ছে • জা • • গা • •

I মগা -পমা -গা | রগা সা -া II II
বে • • • • ও • রে •

ঝরে ঝরো ঝরো ভাদরবাদর, বিরহকাতর শর্বরী।
ফিরিছে এ কোন্ অসীম রোদন কানন কানন মর্মরি॥
আমার প্রাণের রাগিণী আজি এ গগনে গগনে উঠিছে বাজিয়ে।
মোর হৃদয় একি রে ব্যাপিল তিমিরে সমীরে সমীরে সঞ্চরি॥

II সা -া সণ্‌্ঃ -রা | রা রা রা রা I রা -সা রা রপা | মপা -মা মজ্ঞা জ্ঞমা I
ঝ • রে• • ঝ রো ঝ রো ভা • দ র• বা• • দ র•

I মা পা পা -মা | পমা -ণা ণধা পমা I পা -া -া পর্সা | র্সণা ধণা পধা মপা I
বি র হ • কা• • ত র• শ • র্ ব• রী ঝ• রে• ঝ•

I মা -জ্ঞা রা সা | সরা ণ্‌্ঃ সা সা I { মা পা পণা -পা | না -র্সা র্সা -া I
রে • ঝ রো ঝ• রো ঝ রো ফি রি ছে• • এ • কো ন্

I র্সা র্সা -া র্সা | র্সা -না র্সা -ধা I -ণা -ধা -ণা -ধা | -ধণা -ধণা -পা -া } I
অ সী • ম রো • দ • • • • • •• •• • ন্

I মা -ণা ণা ধা | ধণা -ধণা ধপা পমা I পা -া -া পর্সা | মজ্ঞা -া -া -মা I
কা • ন ন কা• •• ন ন• ম • র্ ম• রি • • •

I মা পা পা -মা | পমা -ণা ণধা পমা I মপা -া -া পর্সা | র্সণা ধণা পধা মপা I
বি র হ • কা• • ত র• শ • র্ ব• রী ঝ• রে• ঝ•

[ধা]
I মা -জ্ঞা রা সা | সরা ণ্‌্ঃ সা সা I { সা -ণা ধা -ণা | ধা -র্সণা ধা পা I
রে • ঝ রো ঝ• রো ঝ রো আ • মা র্ প্রা •• ণে র

I পধা পমা পা (-ধা | ধমা পা মা -জ্ঞা I জ্ঞা জ্ঞা জ্ঞা -রা | মরা রমা রা -জ্ঞা I
রা॰ গি ণী ॰ আ জি এ ॰ গ গ নে ॰ গ গ॰ নে ॰

I জ্ঞরা সন্‌া সা -া | সা সণা পধা -ণা)} I -া | -া -া পা -া I
উ ঠি॰ ছে ॰ বা জি॰ রে ॰ ॰ ॰ ॰ মো হ্‌

I মা পা পা -না | না -া না -র্সা I র্সা -া -া -া | -া -া -া -া I
ম দ ম ॰ এ ॰ কি ॰ রে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I পর্সা -া র্সা র্সা | র্সা র্সনা র্সা -ধা I -ণা -ধা -পা -ধা | -ণা -ধণা -পণা -া I
ধ্যা॰ ॰ পি ল তি মি॰ রে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰॰ ॰ ॰

I মা পধা পা -ধা | ধণা পধা পা -ধা I মা -পা -া পর্সা | মজ্ঞা -া -া -মা I
স মী॰ রে ॰ স॰ মী রে ॰ ল ॰ ন্‌ চ॰ রি ॰ ॰ ॰

I মা পা পা -মা | পমা -পা পধা পমা I পা -া -া পর্সা | ণা ধা পধা মপা I
বি র হ ॰ কা॰ ॰ ত র॰ শ ॰ র্‌ ব॰ রী ঝ রে॰ ঝ॰

I মা -জ্ঞা রা সা | সরা ণ্‌া সা সা II II
রে ॰ ঝ রো ঝ॰ রো ঝ রো

৩৪

শ্যামল ছায়া, নাইবা গেলে
শেষ বরষার ধারা ঢেলে ॥
সময় যদি ফুরিয়ে থাকে— হেসে বিদায় করো তাকে,
এবার নাহয় কাটুক বেলা অসময়ের খেলা খেলে ॥
মলিন, তোমার মিলাবে লাজ—
শরৎ এসে পরাবে সাজ।
নবীন রবি উঠবে হাসি, বাজাবে মেঘ সোনার বাঁশি—
কালোয় আলোয় যুগলরূপে শূন্যে দেবে মিলন মেলে ॥

II সা -া | সা -া সা -দা I দা -া | দপা -া -জ্ঞা -া I
শ্যা • ম • ল • ছা • য়া • • •

I পা -দা | দপা -পা দা -পা I মজ্ঞা -া | -া -া -া -া I
না ই বা • গে • লে • • • • •

I পা -দা | -দমা -পা -জ্ঞা -া I জ্ঞা -মা | -মঋা -জ্ঞা -সা -া I
না • • ◦ • • না • ◦ • • •

I ঋা -মা | মজ্ঞা -ঋজ্ঞা জঋা -া I সা -া | -া -া -া -া I
না ই বা •• গে • লে • • • • •

I সা -জ্ঞা | জ্ঞা -া রা -া I মজ্ঞা -া | -া -া -ঋা -সা I
শে ষ্ ব • র • ষা • • • • র্

I সা -ঋা | ঋা -া -সা -জ্ঞা I জ্ঞা -রা | মজ্ঞা -া -া -া I
ধা • রা • • • ঢে • লে • • •

I র্সা -র্ঋা | -র্ণা -র্সা -র্সা -া I দপা -মা | -মা -পা -জ্ঞা -া I
না • • • • • না • • • • •

I জ্ঞমা -মা | মজ্ঞা -ঋজ্ঞা জ্ঞঋা -া I সা -া | -া -া -া -া II
মা• ই বা •• গে • লে • • • • •

II { দা -া | দা -া -া -া I ণা -া | র্সা -া -া -া I
স • ম • • য়্ য • দি • • •

I র্সর্ঋা -া | র্ঋা -া র্সা -া I ণা -া | র্সা -া -া -া I
হৃ• • রি • য়ে • থা • কে • • •

I র্সা -র্ঋা | র্ঋা -া -া -া I র্ঋা -া | র্ঋা -া -া -া I
হে • সে • • • বি • দা • • য়্

I ঋা -া | র্ঋা -া -র্সা -র্জ্ঞা I র্জ্ঞর্ঋা -া | র্সা -া -দা -ণা I
ক • রো • • • তা • কে • • •

I র্সা -র্ঋা | র্ঋর্সা -া -া -র্জ্ঞা I র্জ্ঞর্ঋা -া | র্সা -া -া -া } I
বি • দা • • য়্ ক • রো • • •

I র্সা -র্জ্ঞা | র্জ্ঞা -া র্ঋা -া I র্সা -া | র্সা -র্ঋা র্সা -া I
এ • বা র্ না • হ য়্ কা • টু ক্

I র্সণা -র্সা | ণা -া -দা -া I দা -র্সা | র্সা -া ণা -া I
বে • লা • • • অ • স • ম •

I দা -া | -পা -া -া -া I পা -দা | দপা -া -া -ণা I
য়ে • • • • র্. খে • লা • • •

I ᵖদা -া | পা -া -া -দা I মপা -া | -জ্ঞা -া -া -া I
খে • লে • • • না• • • • • •

I পণা -া | -জ্ঞা -া -া -া I জ্ঞা -মা | ᵐজ্ঞা -ঋজ্ঞা ᴶঋা -া I
না• • • • • • মা ই বা •• গে •

I সা -া | -া -া -া -া II
লে • • • • •

II { ণ্‌া -া | সা -া -া -া I জ্ঞা -া | মা -া -া -া I
ম • লি • • ন্ তো • মা • • র্

I মা -া | ᵖদা -া -া -া I ণা -া | র্সা -া -া -া I
মি • লা • • • বে • লা • • য়্

I র্সা -ঋর্া | ঋর্সা -া -া -া I ণা -া | ᵖদা -া -পা -া I
শ • র • • ৎ এ • সে • • •

I মা -পা | ᵐজ্ঞা -া -া -া I ঋা -া | সা -া -া -া } I
প • রা • • • বে • লা • • য়্

I দা -া | দা -া -া -া I ণা -া | র্সা -া -া -া I
ন • বী • • ন্ র • বি • • •

I র্সা -া | -ঋর্া -া র্সা -া I ণা -া | র্সা -া -া -া I
উ • ঠ্ • বে • হা • সি • • •

I র্সা -া | র্সা -া -া -ঋর্া I ঋর্া -া | ঋর্া -া -া -া I
বা • জা • • • বে • মে • • ঘ্

I র্ঋা -া | র্ঋা -া -র্সা -র্জ্ঞা I র্জ্ঞর্ঋা -া | র্সা -া -া -া I
লো • না • • র্ বা • শি • • •

I দা -া | -া -া -ণা -া I র্সা -া | -র্জ্ঞা -র্ঋা -র্সা -ণা I
বা • • • • • জা • • • • •

I র্সা -া | -া -া -া -া I র্সা -র্জ্ঞা | র্জ্ঞা -া র্ঋা -া I
বে • • • • • কা • লো য়্ আ •

I র্সা -া | র্সা -র্ঋা র্ঋর্সা -া I ণা -র্সা | র্সণা -া -দা -পা I
লো য়্ যু • গ ল্ ম • পে • • •

I পা -র্সা | র্সা -া ণা -া I ণদা -া | -পা -া -া -া I
শ্ ন্ নে • দে • বে • • • • •

I পা -দা | দপা -া -ণা -া I দা -া | পা -া -া -দা I
মি • ল • • ন্ মে • লে • • •

I মপা -া | -জ্ঞা -া -া -া I পণা -া | -জ্ঞা -া -া -া I
না • • • • • • না • • • • •

I জ্ঞা -মা | মজ্ঞা -ঋজ্ঞা জ্ঞঋা -া I সা -া | -া -া -া -া II II
না ই বা • • গে • লে • • • • •

শ্যামল শোভন শ্রাবণ, তুমি নাই বা গেলে
সজল বিলোল আঁচল মেলে ॥
পুব হাওয়া কয়, 'ওর যে সময় গেল চলে।'
শরৎ বলে, 'ভয় কী সময় গেল ব'লে,
বিনা কাজে আকাশ-মাঝে কাটবে বেলা অসময়ের খেলা খেলে' ॥
কালো মেঘের আর কি আছে দিন।
ও যে হল সাথিহীন।
পুব-হাওয়া কয়, 'কালোর এবার যাওয়াই ভালো।'
শরৎ বলে, 'মিলবে যুগল কালোয় আলো,
সাজবে বাদল সোনার সাজে আকাশ-মাঝে কালিমা ওর ঘুচিয়ে ফেলে' ॥

II পা পর্সা র্সা | না ধপা -া I ক্ষা ধপা -া | ক্ষা গা -ক্ষা I
শ্যা ম• ল শো ভ• ন্ শ্রা ব• ণ্ তু মি •

‖
I পা -র্সা র্সা | না ধপা -া I ধা না -া | র্সা র্রা -া I
না ই বা গে লে• • স জ ল্ বি লো ল্

I র্রর্সা না -া | ধা পা -া I পর্সা -া -গা | পা -া -া I
আঁ চ ল্ মে লে • না• • • না • •

I পা -র্সা র্সা | না ধপা -া II
না ই বা গে লে• •

II { পা -া পা | না নধা -না I র্সা -া র্সা | র্গনা ধা -না I
পু ব্ হাও য়া ক য়্ ও র্ যে স ম য়্

I র্সা র্সা -র্সা | র্রা র্সা -া I র্সা র্সা -া | র্রা র্সা -া I
গে ল • চ লে • শ র ৎ ব লে •

I র্সনা -র্রা র্রা | র্সা র্সা -া I র্সনা ধা -র্সা | না ধপা -া } I
ত র্ কী স ম য়্ গে ল • ব লে• •

I মা মা -া | মা মা -া I মা মা -া | মা মা -া I
বি না • কা জে • আ কা শ্ মা ঝে •

I মা -া মা | মা -গা -পক্ষা I পা -া -া | -া -া -া I
কা ট্ বে বে • •• লা • • • • •

I ধা না -া | র্সা র্রা -া I র্রর্সা না -া | ধা পা -া I
অ স • ম য়ে র্ খে লা • খে লে •

I পর্সা -া -গা | পা -া -া I পা -র্সা র্সা | না ধপা -া II
না• • • মা • • না ই বা গে লে• •

II { সমা মা -া | মা মা -া I মা -া মা | মা মগা -পক্ষা I
কা• লো • মে ঘে র্ আ র্ কি আ ছে• ••

I পা -া -া | পা পক্ষা -পা I ধা ধা -ণা | ধা পা -ক্ষা I
দি • ন্ ও যে • হ লো • সা থি •

I ধপা -া -া | -মা -া -া } I { পা -া পা | না নধা -না I
হী• • • • • ন্ পু ব্ হাও য়া ক র্

I র্সা র্সা -া | না ধা -না I র্সা র্সা -র্সা | র্সর্রা র্সা -া I
কা লো র্ এ বা র্ যাও য়া ই ভা লো •

I র্গা র্গা -া | র্রা র্সা -া I না -র্রা র্রা | র্সা র্সা -া I
শ র ৎ ব লে • রি ন্ বে ণু গ ন্

I না নধা -র্সা | না ধপা -া } I মা -া মা | মা মা -া I
কা লো য়্ আ লো• • সা জ্ বে বা দ ল্

I মা মা -া | মা মা -া I মা মা -া | মা -গা -পমা I
সো না র্ সা জে • আ কা শ্ মা • ••

I পা -া -া | -া -া -া I ধা না -া | র্সা র্রা -া I
ঝে • • • • • কা লি • মা ও র্

I র্সা না না | ধা পা -া I পর্সা -া -গা | পা -া -া I
ঘু চি য়ে ফে লে • না• • • না • •

I পা -র্সা র্সা | না ধপা -া II II
মা ই বা গে লে• •

৩৬

ওলো শেফালি, ওলো শেফালি,

আমার সবুজ ছায়ার প্রদোষে তুই জ্বালিস দীপালি ॥

তারার বাণী আকাশ থেকে তোমার রূপে দিল এঁকে

শ্যামল পাতায় থরে থরে আখর রূপালি ॥

তোমার বুকের খসা গন্ধ-আঁচল রইল পাতা সে

আমার গোপন কাননবীথির বিবশ বাতাসে।

সারাটা দিন বাটে বাটে নানা কাজে দিবস কাটে,

আমার সাঁঝে বাজে তোমার করুণ ভূপালি ॥

[ধনা]

II না না -া | ধা ধা -ন্ধা I ধপা -া -া | -মা -া -া I
ও লো • শে ফা • লি• • • • • •

I সমা মা -া | মা মা -গা I গপা -া -া | পা পা -া I
ও• লো • শে ফা • লি• • • আ মা র্

I ধা না -া | নর্সা র্সনা -া I ধা পা -ন্ধা | ন্ধধা ধপা -া I
স বু জ্ ছা• য়া র্ প্র দো • ষে• তু ই

I মা মা -া | মা মা -গা I গপা -া -া | -ধা -না -র্সা I [ ] I
জ্বা লি স্ দী পা • লি • • • • • •

-া -া -া II { পন্ধা ধা -পা | পনা -া -র্সা I র্সা -া -া | -া -া -া I
• • • তা• রা র্ বা• • • ণী • • • • •

I র্সা র্সা -া | র্সা নধা -না I র্সা র্সা -র্গা | র্গর্রা র্সা -া I
আ কা শ্ থে কে• • তো মা র্ রূ পে •

I র্না ধা -নর্সা | র্না ধপা -া } I মা মা -া | মা মা -া I
দি ন ০০ এ কে০ ০ শ্যা ম ল্ পা তা য়্

I মা মগা -পা | পজ্ঞা পা -া I ধা না -া | নর্সা র্না -া I
থ রে০ ০ থ রে ০ আ থ র্ রু পা ০

I ধপা -া -া | জ্ঞা পা -া I ধা না -া | নর্সা র্না -া I
লি০ ০ ০ আ মা র্ স বু জ্ ছা০ য়া র্

I ধা পা -জ্ঞা | জ্ঞধা ধপা -া I মা মা -া | মা মা -গা I
প্র দো ০ যে০ তু ই আ লি স্ দী পা ০

I গপা -া -া | -ধা -না -র্সা I [ ] I
লি০ ০ ০ ০ ০ ০

সা সা -া II { সা সা -মা | মা মা -া I মা -া মা | মা -গা -পজ্ঞা I
তো মা র্ বু কে র্ থ সা ০ গ ন্ ধ আঁ ০ ০০

I পা -া -া | -া -া -া I ধা -া ণা | ণধা পা -জ্ঞা I
চ ০ ০ ০ ০ ল্ র ই ল পা তা ০

I ধপা -া -া | -মা -া -া I সমা মা -া | মা মা -া I
সে০ ০ ০ ০ ০ ০ আ০ মা র্ গো প ন্

I গা মা মা | মধা ধপা -া I রা রা গা | মা ধপা -া I
কা ন ন বী থি র্ বি ব শ বা তা০

I (মা -গা -মা | রা সা -া) } I মা -া -া | -া -া -া I
সে ০ ০ তো মা র্ সে ০ ০ ০ ০ ০

I { পা পা -া | পনা -া -র্সা I র্সা -া -া | -া -া -া I
সা য়া • টা• • • দি • • • • ন্

I র্সা র্সা -া | র্সনা না -ধনা I র্সা র্সা -র্সা | র্সরা র্সা -া I
বা টে • বা টে •• না না • কা জে •

I না ধা নর্সা | র্সনা ধপা -া } I মা মা -া | মা মা -া I
দি ব স• কা টে• • আ মা র্ গাঁ য়ে •

I মা মা -গপা | পক্ষা পা -া I ধা না -া | নর্সা র্সনা -া I
বা জে •• তো মা র্ ক ঙ্ ক ণ্ ধ্বু• পা •

I ধপা -া -া | ক্ষা পা -া I ধা না -া | নর্সা র্সনা -া I
লি• • • আ মা র্ স বু জ্ ছা• য়া র্

I ধা পা -ক্ষা | ক্ষধা ধপা -া I মা মা -া | মা মা -গা I
প্র দো • ষে• তু ই আ লি স্ দী পা •

I গপা -া -া | -ধা -না -র্সা II [ ] II
লি• • • • • •

৩৭

দেখো দেখো, দেখো, শুকতারা আঁখি মেলি চায়
প্রভাতের কিনারায়।
ডাক দিয়েছে রে শিউলি ফুলেরে—
আয় আয় আয়॥
ও যে কার লাগি জ্বালে দীপ,
কার ললাটে পরায় টিপ,
ও যে কার আগমনী গায়— আয় আয় আয়
জাগো জাগো সখী,
কাহার আশায় আকাশ উঠিল পুলকি।
মালতীর বনে বনে ওই শোনো ক্ষণে ক্ষণে
কহিছে শিশিরবায়— আয় আয় আয়॥

মা মা -পা II পগা -া মা | -গা মা -া I মা -দা -া | দা দা -পা I
দে খো ০ দে ০ খো ০ দে ০ খো ০ ০ শু ক ০

I { পমা -া পা | -া পদা -া I মপা -া মা | -গা গা -মা I
তা ০ রা ০ আঁ০ ০ খি০ ০ মে ০ লি ০

I মা -া -া | -া -া -া I (ঋা -া -া | দা দা -পা) } I
চা ০ ০ ০ ০ য় চা ০ য় শু ক ০

I সা -মা মা | -া মা -পা I পগা -া -া | মা -া -গা I
প্র ০ ভা ০ তে র্ কি ০ ০ না ০ ০

I মা -দা -া | দা দা -পা I পমা -া পা | -া পদা -া I
রা ০ য় শু ক ০ তা ০ রা ০ আঁ০ ০

I মপা -া মা | -গা গা‿-মা I মা -া -া | -া -া -া I
খি॰ • মে • লি • চা • • • • র্

I না -া র্সা | -া র্সা -র্ঋা I র্ঋনা -র্সা -না | দা -পা -দা I
ডা ক্ দি • য়ে • ছে • • রে • •

I দা‿-র্ঋা র্সা | -না দা -া I ণদা -া -া | পা -া -া I
শি উ লি • ফু • লে॰ • • রে • •

I সা -ঋা -গা | -মা -া -া I গা -মা -পা | -দা -া -া I
আ • • • • র্ আ • • • • র্

I মা -পা -দা | -দর্সা -া -া I -া -া -া | দা দা -পা I
আ • • •• • • • • র্ ও ক •

I পমা -া পা | -া পদা -া I মপা -া মা | -গা গা‿-মা I
তা • রা • আঁ॰ : খি॰ • মে • লি •

I মা -া -া | মা মা -পা II
চা • য় "দে খো •"

-া | দা দা -া II { মা‿-দা দা | -া দা -া I
র্ ও যে • কা র্ লা • গি •

I না -া -া | র্সা -া -র্ঋা I র্ঋনা -র্সা -া | -া র্সা -না I
আ • • জো • • দী • • প্ কা র্

I র্সা -র্ঋা র্ঋা | -া র্ঋা -া I র্ঋা -া -া | র্ঋর্সা -া -র্ঋা I
ল • লা • টে • প • • রা • য়্

I র্না -র্সা -দা | -া দা দা } I { দা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা | -র্ঋা র্ঋা -া I
টি • • প্ ও যে কা র্ আ • গ •

I র্ঋা -া -া | র্সা -া -র্ঋা I র্না -র্সা -া | (-া দা দা) } I -া -া -া I
র • • নী • • গা • • র্ ও যে • • র্

I সা -ঋা -গা | -মা -া -া I মগা -মা -পা | -দা -া -া I
আ • • • • র্ আ • • • • র্

I দমা -পা -দা | -দর্সা -া -া I -া -া -া | র্সদা দা -পা I
আ • • •• • • • • র্ শু ক •

I পমা -া পা | -া পদা -া I মপা -া মা | -গা গা -মা I
তা • রা • আঁ• • খি• • মে • লি •

I মা -া -া | মা মা -পা II
চা • র্ "দে খো •"

-া | সা সা -ন্া II সা -া -ঋা | গা -মা -পমা I
র্ জা গো • জা • • গো • ••

I মগা -ঋা -া | সা -া -া I { সা -দা দা | -া দা -া I
স • • খি • • কা • হা র্ আ •

I দা -র্সা -া | -া -া -া I র্সণা -া ণা | -দা দা -া I
শা • • • • র্ আ • কা শ্ উ •

I দা -া দা | -া দপা -া I পমা -পদপা -মপা | পগা -া -া I
ঠি • ল পু ল ••• •• কি • •

I -গা -া -পা | গা ঋা -া I ঋসা -া -ঋা | গা -মা -পমা I
• • • জা গো • জা • • গো • ••

I গা -ঋা -া | সা -া -া } I { মা -দা দা | -া দা -া I
স • • খি • • মা • ল • তী •

I না -া র্সা | -া র্সা -া I র্সঋা -া -না | র্সা -া -া I
য় • ব • নে • ব• • • নে • •

I ঋা -া ঋা | -া ঋা -া I ঋা -া -া | র্সা -া -া I
ও ই শো • নো • ক্ষ • • ণে • •

I র্সঋা -া -না | র্সা -া -া } I র্সা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা | -া র্জ্ঞা -া I
ক্ষ• • • ণে • • ক • হি • ছে •

I ঋা -া ঋা | -া র্সা -া I র্সনা -র্সা -া | -দা -া -া I
শি • শি • র • বা • • • • য়্

I সা -ঋা -গা | -মা -া -া I মগা -মা -পা | -দা -া -া I
আ • • • • য়্ আ • • • • য়্

I মা -পা -দা | -দর্সা -া -া I -া -া -া | দা দা -পা I
আ • • •• • • • • য়্ শু ক •

I পমা -া পা | -া পদা -া I মপা -া মা | -গা গা -মা I
তা • রা • আঁ• •• খি• • মে • লি •

I মা -া -া | মা মা -পা II II
চ • য় "(খো •"

৩৮

গান আমার   যায় ভেসে যায়—
চাস্ নে ফিরে,   দে তারে বিদায় ॥
সে যে   দখিনহাওয়ায় মুকুল ঝরা,   ধুলার আঁচল হেলায় ভরা,
সে যে   শিশির-কোঁটার মালা গাঁথা বনের আঙিনায় ॥
কাঁদন-হাসির আলোছায়া সারা অলস বেলা—
মেঘের গায়ে রঙের মায়া, খেলার পরে খেলা।
ভুলে-যাওয়ার বোঝাই ভরি   গেল চলে কতই তরী—
উজান বায়ে ফেরে যদি কে রয় সে আশায় ॥

II গরা -া -গা | মা -পা -মা I মগা -া -া | -া -া -মা I
গা ০ ন্ আ ০ ০ মা ০ ০ ০ ০ র্

I মা -া -পা | পা পা -মা I মপা -া -ধা | না নধা -না I
যা ০ য়্ ভে সে ০ যা০ ০ য়্ ভে সে ০

॥
I ধপা -া -া | -া -া -ধা I ধা -র্রা -া | র্সা -া -া I
যা০ ০ ০ ০ ০ য়্ চা ০ স্ নে ০ ০

I -া -া -া | পা পা -ধা I ধা -া -র্রা | র্র্সা -া -া I
০ ০ ০ ফি রে ০ চা ০ স্ নে ০ ০

I র্সনা -র্সা র্সা | র্সা না -া I ধনা -া -া | র্সা র্সা -না I
দে ০ তা রে বি ০ দা০ ০ য়্ ভে সে ০

I ধপা -া -া | ধা ধা -পা I মগা -া -া | -া -া -মা II
যা০ ০ য়্ ভে সে ০ যা০ ০ ০ ০ ০ য়্

-া সা সা II { সা সা -া | রা গা -া I মা পা -া | ধা না -া I
য়্ সে যে দ খি ন্ হাও য়া য়্ মৃ দু ল্ র য়া ০

I পা -র্সা র্সা | -া র্সা -া I র্সা -র্রা -র্সা | -না -া -া I
ধু ০ লা য়্ আঁ ০ চ ০ ০ ০ ০ ল্

I না র্সা -না | ধনা -র্সনা -ধনা I ধপা -া -া | -া (সা সা) } I পা ধা I
হে লা য়্ ভ০ ০০ ০০ রা০ ০ ০ ০ সে যে সে যে

I ধর্সা র্সা -া | র্সা র্সা -া I র্সা র্সা -া | র্সা না -র্সা I
শি০ শি র্ কোঁ টা য়্ মা লা ০ গাঁ থা ০

I নধা না -া | নর্সা র্সা -না I ধপা -া -া | পধা পা -া I
ব নে র্ আ০ ঙি ০ না০ ০ য়্ ভে০ সে ০

I মগা -া -া | -া -া -মগা II
যা ০ ০ ০ ০ ০য়্

-া -া -া II { সা সা -া | রা গা -া I মা পা ধা | ধপা মা -পা I
০ ০ য়্ কাঁ দ ন্ হা সি র্ আ লো ০ ছা য়া ০

I পগা গা -া | গা গা -মা I মা পা -া | ধা না -ধা I
সা রা ০ অ ল স্ বে লা ০ মে ঘে র্

I ধপা -া -া | -ধা -না -নধা I পা -া -া | ধা না -ধা I
গা ০ ০ ০ ০ ০ য়ে ০ ০ র ঙে র্

I ধপা -া -া | -ধা -না -নধা I ধপা -া -া | -া -া -া I
মা ০ ০ ০ ০ ০ য়া ০ ০ ০ ০ ০

I পনা না -া | ধা পা -ধা I মপা মগা -া | -া -া -া } I
খে৹ লা ব্ প রে • খে লা৹ • • • •

I { সা সা -া | রা গা -া I মা পা -া | ধা না -া I
ভু লে • যাও য়া য্ বো ঝা ই ত রি •

I নর্সা -া -া | র্সা র্সা -া I র্সা -র্রা -র্র্সা | -না -া -া I
গে৹ • • লো চ • লে • • • • •

I না র্সা -না | ধনা -র্সা -না I ধপা -া -া | -া -া -া } I
ক ত ই ত৹ • • রী৹ • • • • •

I পর্সা র্সা -া | র্সা র্সা -া I র্সা র্সা -া | র্সা না -া I
উ৹ জা ন্ বা রে • ফে রে • য দি •

I নধা না -া | র্সা র্সা -না I ধপা -া -া | পধা ধা -পা I
কে র য়্ সে আ • শা • য়্ ভে৹ সে •

I মগা -া -া | -া -া -মা II II
যা৹ • • • • য়্

ওই শুনি যেন চরণধ্বনি রে,
শুনি আপন-মনে।
বুঝি আমার মনোহরণ আসে গোপনে॥
পাবার আগে কিসের আভাস পাই,
চোখের জলের বাঁধ ভেঙেছে তাই গো,
মালার গন্ধ এল যারে জানি স্বপনে॥
ফুলের মালা হাতে ফাগুন চেয়ে আছে ওই-যে—
তার চলার পথের কাছে ওই-যে।
দিগঙ্গনার অঙ্গনে যে আজি
ক্ষণে ক্ষণে শঙ্খ ওঠে বাজি,
আশার হাওয়া লাগে ওই নিখিল গগনে॥

II { সা -া রা রা | রা জ্ঞা জ্ঞরা সা I রা -ণা ণা ধা | পা -া (পধা ধপা I
ও ই শু নি যে ন চ র ণ ॰ ধ্ব নি রে ॰ শু॰ নি

I মা গা মা পা | পমা -পা -জ্ঞা -রা) } I মা ণা I { ধা -া ধা -মা | ধা -ণা ণধা -র্সা I
আ প ন ম নে ॰ ॰ ॰ . বু ঝি আ ॰ মা র্ ম ॰ নো ॰

I ণা -ধা পা -া | -া (-া মা ণা) } I -া -া -া I পধা ধপা মা গা | মা -গা -মা -পা II
হ ॰ র ॰ ॰ ণ্ বু ঝি ॰ ॰ ণ্ আ॰ সে গো প নে ॰ ॰ ॰

-া -া II { পা পা -া পা | পা -া া -ধা I না র্সা -া না | র্সা -না র্র্সা -া I
॰ ॰ পা বা র্ আ গে ॰ ॰ ॰ কি সে র্ আ ভা স্ পা॰ ই

I ণা ণা -া ণা | ধা -া ধা -মা I ধা ধণা -র্সা ণধা | র্সণা -ধা পা -ধা I
চো খে র্ জ লে র্ বাঁ ধ্ ভে ঙে॰ ॰ ছে॰ তা॰ ই গো ॰

I পা ধপা -র্সা পধা | পা -া -া -া} I মা -ধা ধা -া | ধা -া ধা -া I
ভে ঙে• • ছে• তা • • ই মা • লা র্ গ ন্ ধ •

I ধা -া পা -া | -ধা -পা -মা -া I পা -র্সা র্সা -ণা | ণা -ধা ধা -া I
এ • লো • • • • • মা • লা র্ গ ন্ ধ •

I ধা -া পা -া | -া -া ধা পা I পধা ধপা মা গা | মা -গা -মা -পা II
এ • লো • • • যা রে জা• নি স্ব প নে • • •

-া -া II {সা সা -া রা | রা -া রা গা I মা পা -া পা | ধপা -া মা গা I
• • ফু লে র্ মা লা • হা তে ফা গু ন্ চে য়ে• • আ ছে

I মা -পা পা -া | -া -া মা -গা I মা ধা -া ধা | র্সণা -া ধা পগা I
ও ই যে • • • তা র্ চ লা র্ প থে• র্ কা ছে•

I মা -ধা পা -া | -া -া -া -া} I {পা পা -া পা | পা -া পা -ধা I
ও ই যে • • • • • দি গ ঙ্ গ না র্ অ ঙ্

I না না -র্সা র্সা | র্সা -না র্রর্সা -া I ণা ণা -া ধা | ধা -া ধা -মা I
গ নে • যে আ • জি• • ক্ষ ণে • ক্ষ ণে • শ ঙ্

I ধা ধণা -র্সা পধা | র্সণা -ধা পা -া} I মা -ধা ধা -া | ধা -া ধা -া I
খ ও• • ঠে• বা• • জি • আ • শা র্ হা ও য়া •

I ধা -া পা -া | -ধা -পা -মা -া I পা -র্সা র্সা -ণা | ণা -ধা ধা -া I
লা • গে • • • • • আ • শা র্ হা ও য়া •

I ধা -া পা -া | -া -া ধা -পা I ধা পা মা গা | মা -গা মা -পা II II
লা • গে • • • ও ই নি খি ল গ গ • নে •

জানি, জানি হল যাবার আয়োজন—
তবু, পথিক, থামো থামো কিছুক্ষণ ॥
শ্রাবণগগন বারি-ঝরা, কাননবীথি ছায়ায় ভরা,
শুনি জলের ঝরোঝরে যূথীবনের ফুল-ঝরা ক্রন্দন ॥
যেয়ো— যখন বাদলশেষের পাখি
পথে পথে উঠবে ডাকি ডাকি।
শিউলিবনের মধুর স্তবে জাগবে শরৎলক্ষ্মী যবে,
শুভ্র আলোর শঙ্খরবে পরবে ভালে মঙ্গলচন্দন ॥

দা দপা II মা -া পা -দপা | পগা -া মা -া I মা -গা মা -গা | গা -া গদা -া I
জা নি জা • নি • • হ • ল • যা • বা র্ আ • য়ো •

I পা -া পদা দপা | মা -া পা -দপা I পগা -া মা -া | -া -া র্সা র্সা I
জ ন্ জা• নি জা • নি • • হ • ল • • • ত বু

I র্সর্ঋা -া র্সা -র্ঋা | র্ঋর্না -া র্সা -দা I র্সর্ঋা -া র্সা -া | র্সর্ঋা -া র্সা -র্ঋা I
প • • থি ক্ থা • মো : ত • • বু • প • • থি ক্

I না -া র্সা -দা | -া -া -া -া I পা -দা গা -া | -া -া গদা দা I
থা • মো • • • • • থা • মো • • • কি ছু

I পা -া পদা দপা | মা -া পা -দপা I পগা -া মা -া | -া -া -া -া I
ক্ষ ণ্ জা• নি জা • নি • • হ • ল • • • • •

I সা -দা দা দা | দা -া দা পা I পা -া পা -া | পা -ক্ষা ক্ষা -দা I
শ্রা • ব ণ গ • গ ন বা • রি • ঝ • রা •

I -া -া -া -া | -া -া -া -া I দা -া ণা র্সা | র্সর্ঋা -া -া -র্সণা I
০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ কা ০ ন ন বী ০ ০ ০ ০০

I র্সা -া -া -া | -া -া -া -া I পা -া দা -া | -ণা -র্সা -র্ঋা -র্সা I
থি ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ছা ০ য়া ০ ০ ০ ০ য়্

I র্সণা -া র্সা -া | -া -া -া -া I সা া সা -া | সা -ঋা জ্ঞা -া I
ভ ০ রা ০ ০ ০ ০ ০ শু ০ নি ০ জ ০ লে র্

I জ্ঞা -দা দা -া | দা -া দর্সা -া I র্সর্জ্ঞা -া র্জ্ঞা -া | র্জ্ঞর্ঋা -া র্সা -া I
ঝ ০ রো ০ ঝ ০ রে ০ ০ যু ০ ০ থী ০ ব ০ নে র্

I দা -র্জ্ঞা -া র্জ্ঞা | র্জ্ঞর্ঋা -া র্সা া I ণা -দা দা পা | মা -া পা -দপা I
ফু ০ ল্ ঝ রা ০ ক্র ন্ দ ন্ জা নি জা ০ নি ০০

I পগা -া মা -া | -া -া সা সা I {সা -া সা -র্সা | র্সা -ণা ণা -দা I
হ ০ ল ০ ০ ০ য খন্ বা ০ দ ল্ শে ০ ষে র্

I দা -া পা -া | -া -া -া -া I র্সা -র্ঋা র্সণা -া | ণা -র্সা র্সদা -া I
পা ০ খি ০ ০ ০ ০ ০ প ০ থে ০ প ০ থে ০

I দা -া -া দা | দা -া দপা -দা I মা -া পা -া | -া -া -া -া I
উ ০ ঠ্ বে ভা ০ কি ০ ভা ০ কি ০ ০ ০ ০ ০

I র্জ্ঞা -র্সা র্সর্জ্ঞা -া | -র্ঋা -া -র্জ্ঞা -র্ঋা I -র্সা -া -া -া | -া -া সা সা} I
বে ০ য়ো ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ য খন্

I সা -া -া সা | সা -া সা -দা I -া -া -ণা -র্সা | র্সর্ঋা -া র্সা -া I
শি উ ০ লি ব ০ নে ০ ০ ০ ০ র্ ম ০ ০ ধু র্

I ^র্ণা -া র্সা -া | ণা -া -া র্জ্ঞা I র্জ্ঞর্ঋা -া র্সা । | ণা -া র্সা -র্ঋর্সা I
শু • বে • জা • গ্ বে শ • র ৎ ল • ক্ষী • •

I ণা -া দা -পা | সা -া -া সা I সা -ঋা জ্ঞা -া | জ্ঞা -দা -া দা I
স • বে • শু • ভ্ ভ্র আ • লো র্ শ ঙ্ • খ

I দা -া দর্সা -া | -া -া -া -া I র্সা -র্জ্ঞা -া র্জ্ঞা | র্জ্ঞর্ঋা -া র্সা -া I
র • বে• • • • • প • র বে ভা • লে •

I পা -দা ণা ^ণদা | পা -া দা পা II II
ম ঙ্ গ ল চ ন্ দ ন

আমার যে গান তোমার পরশ পাবে
থাকে কোথায় গহন মনের ভাবে ॥
সুরে সুরে খুঁজি তারে অন্ধকারে,
আমার যে আঁখিজল তোমার পায়ে নাবে ॥
যখন শুষ্ক প্রহর বৃথা কাটাই
চাহি গানের লিপি তোমায় পাঠাই।
কোথায় দুঃখসুখের তলায় সুর যে পলায়,
আমার যে শেষ বাণী তোমার দ্বারে যাবে ॥

[সা -া -পা | পমা] ॥
সা সা -া II সা -ঋা -মা | মা -া -া I পা ণদা -পা | মা পা -মা I
আ মা র্ যে • • গা • ন্ তো মা• র্ প র শ্

I জ্ঞরা -া -া | জ্ঞা মা -পমা I জ্ঞসা -জ্ঞঋা -া | ঋসা -ঋা -ণ্া I
পা• • • বে গো •• পা• •• • বে • •

I সা -া -পা | পমা -া -া I র্দা দা -া | ণা -া -দণা I
যে • • গা • ন্ থা কে • কো • ••

I র্সা -া -া | -া -া -া I র্সা র্ঋা -র্ঋর্সা | র্সণা র্সা -ণা I
থা • • • • য়্ গ হ ন্ ম নে র্

I দপা ণদা -পা | মা জ্ঞা -ঋা I [ ] I
ভা• বে• • "আ মা র্"

II দা দা -া | ণা -া -দণা I র্সা -া -া | -া -া -া I
সু রে • সু • •• রে • • • • •

I র্সর্ঋা র্ঋা -র্সা | র্সর্ঋা -া -র্ণা I র্সা -া -র্দা | -র্জ্ঞা -া -র্ঋা I
খুঁ• জি • তা• • • য়ে • • • • •

I ঋর্সা -া -র্ঋা | র্মজ্ঞা -র্ঋর্জ্ঞা র্ঋা I র্সা -া -া | র্সা র্সা -া I
অ • ন্ ধ• •• কা রে • • আ মা র্

I র্সা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা | -র্ঋা র্ঋা -া I র্সা -া র্সা | -র্ঋা র্সা -া I
যে • আঁ • খি • জ ল্ তো • মা র্

I র্সণা -া ণদা | -ণা ণদা -া I দপা -া -া | পা পা -া I
পা • য়ে • না • বে • • আ মা র্

I পা -র্সা র্সণা | -া দা -া I পা -া -া | -া -া -া I
যে • আঁ • খি • জ • • • • ল্

I পা দা -পা | পমা পা -মা I মজ্ঞা মা -জ্ঞা | ঋা সা -ণ্া I [ ] I
তো মা র্ পা য়ে • না বে • "আ মা র্"

II -া -া -া | সা সা -া I { সা -া সঋা | -সা ণ্া -া I
• • • য খ ন্ শু ষ্ ক• • প্র •

I সা -া -া | -া -া -া I সা -ণ্া সা | -র্সা র্সা -ণা I
হ • • • • র্ বৃ • থা • কা •

I দা -া -া | -া -া -া I দা -র্সা র্সা | -া ণা -া I
টা • • • • ই চা • হি • পা •

I দা -া -পা | মা পা -মা I মজ্ঞা -মা ঋা | -জ্ঞা ঋা -া I
নে • র্ লি পি • তো• • মা য়্ পা •

I সা -া (-া | সা সা -া)} I -া | -া -া -া I দা দা -া | ণা -া র্সা I
ঠা • ই য খ ন্ • • • ই কো থা য়্ তু কু থ

I র্সঋা র্সা -া | র্সঋা -া -ণা I র্সা -া -দা | -র্জ্ঞা -া -ঋা I
সু • খে র্ ত • • • লা • • • • য়্

I র্সা -া -ঋা | র্মজ্ঞা -ঋজ্ঞা জ্ঞঋা I র্সা -া -া | র্সা র্সা -ঋা I
সু • র্ বে • • • প লা • য়্ আ মা র্

I র্সা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা | -া ঋা -া I ঋর্সা -া র্সা | -ঋা ঋর্সা -া I
বে • শে ষ্ বা • নী • তো • মা র্

I ণা -া ণপা | -ণা ণদা -া I পা -া -া | পা পা -দা I
দ্বা • রে • যা • বে • • আ মা র্

I দা -র্সা র্সণা | -া দা -া I পা -া -া | -া -া -া I
বে • শে ষ্ বা • নী • • • • •

I পা দা -পা | পমা পা -মা I জ্ঞা মা -জ্ঞা | ঋা সা -ণ্া II II
তো মা র্ দ্বা রে • যা বে • "আ মা র্"

এসো আমার ঘরে।
বাহির হয়ে এসো তুমি যে আছ অন্তরে॥
স্বপনদুয়ার খুলে এসো অরুণ-আলোকে
মুগ্ধ এ চোখে।
ক্ষণকালের আভাস হতে চিরকালের তরে
এসো আমার ঘরে॥
দুঃখসুখের দোলে এসো, প্রাণের হিল্লোলে এসো।
ছিলে আশার অরূপ বাণী ফাগুনবাতাসে
বনের আকুল নিশ্বাসে—
এবার ফুলের প্রফুল্ল রূপ এসো বুকের 'পরে॥

রা রা II রমা মা -া | মা মা -পমা I মগা গা -মগা | গরা রা -গা I
এ সো এ॰ সো ॰ আ মা ॰র্ ঘ রে ॰॰ এ সো ॰

I গসা -া -রা | রগা -মা রগা I গরা -া -া | -া -া -া I
আ ॰ ॰ মা॰ র্ ঘ॰ রে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I রা গরা -গা | মা পা -মপধা I ধপা মা -া | -া -া -া I
বা হি॰ র্ হ য়ে ॰॰॰ এ সো ॰ ॰ ॰ ॰

I মা পা -া | পা পা -ণা I ণধা র্সণা -া | ধা পা -ধা I
বা হি র্ হ য়ে ॰ এ সো॰ ॰ তু মি ॰

I ধমা পা -া | পণা ণা -ধা I ধপা মা -া | গা রা -গা I
যে আ ॰ ছ॰ অ ন্ ত রে ॰ এ সো ॰

I সা -া -রা | রগা -মা গা I রা -া -া | -া রা রা II
আ ॰ ॰ মা॰ র্ ঘ রে ॰ ॰ ॰ "এ সো"

II পনা না -া | না না -া I না না -র্সা | ধনা -র্সর্রা -র্সনা I
অ• প র্ ছ য়া র্ খু লে • এ• •• ••

I র্সা -া -া | -া -া -া I র্সনা নর্রা র্রর্সা | ণা ণা -ধা I
সো • • • • • অ রু• ণ আ লো •

I র্সণা -া -া | ধা পা -ধা I না -া র্সা | র্সর্রা র্সা -না I
কে• • • এ সো • মু গ্ ধ এ• চো •

I র্সা -া -া | -া -া -পা I পা ধা -র্রা | র্রর্সা র্সা -ধা I
খে • • • • • ক্ষ ণ • কা লে র্

I ধর্সা র্সণা -া | ধা পা -ধা I ধমা পা -া | পণা ণা -ধা I
আ• ভা স্ হ তে • চি র • কা• লে র্

I পা মা -া | গা রা -গা I গসা -া -রা | রগা -মা রগা I
ও রে • এ সো • আ • • মা• র্ ঘ•

I গরা -া -া | -া রা রা II
রে • • • "এ সো"

II { মা -পা পা | পা পা -ণা I ধা র্সণা -ধা | পধা -পধা -পধা I
দু ক্ খ সু খে র্ দো লে• • এ• •• ••

I ধপা -া -া | -া -া -া I (পা ধা -া | ণা র্সা -নর্রা I
সো • • • • • প্রা ণে • র হি •ন্

I র্রর্সা ণা -ধা | পধা -পধা -পধা I ধপা -া -া | -া -ধা -মা) } I
দো লে • এ• •• •• সো • • • • •

I না না -া | না না -া I না না পা | নাঃ -র্সর্সঃ -না I
ছি লে • আ শা র্ অ রূ প বা • • • •

I র্সা -া -া | -া -া -া I র্সনা নর্রা র্রর্সা | ণা ণা -ধা I
ণী • • • • • ফা গু • ন বা তা •

I র্সণা -া -া | ধা পা ধা I না না র্সা | র্সর্রা -না না I
সে• • • ব নে র আ কু ল নি• • শা

I র্সা -া -া | -পা -া -া I পা ধা -র্রা | র্রর্সা র্সা -ধা I
সে • • • • • এ বা র্ ফু লে র্

I ধর্সা র্সণা -া | পধা পাঃ -ধণঃ I পধা ধপা -া | -া -ধা -মা I
প্র• ফু ল্ ল রূ •প্ এ• সো • • • •

I মা পা -া | পণা ণা -ধা I ধপা মা -া | গা রা -গা I
এ সো • বু• কে র্ প রে • এ সো •

I গসা -া -রা | বগা -মা রগা I গরা -া -া | -া রা রা II II
আ • • মা• র্ ঘ• রে • • • "এ সো"

বিনা সাজে সাজি দেখা দিয়েছিলে কবে,
আভরণে আজি আবরণ কেন তবে ॥
ভালোবাসা যদি মেশে আধা-আধি মোহে
আলোতে আঁধারে দোঁহারে হারাব দোঁহে
ধেয়ে আসে হিয়া তোমার সহজ রবে,
আভরণ দিয়া আবরণ কেন তবে ॥
ভাবের রসেতে যাহার নয়ন ডোবা
ভূষণে তাহারে দেখাও কিসের শোভা।
কাছে এসে তবু কেন রয়ে গেলে দূরে—
বাহির-বাঁধনে বাঁধিবে কি বন্ধুরে,
নিজের ধনে কি নিজে চুরি করে লবে।
আভরণে আজি আবরণ কেন তবে ॥

II { সা রা | গা মা মপা -পমা I গা -া | -া -া -া -া I
বি না সা জে সা• • জি • • • • •

I (গরা গা | গা গা গা -মা I মগাঃ -গপমঃ | -গমা মগা রা -গা) } I
দে খা দি য়ে ছি • লে • • • • • ক বে •

I পা ধা | ধর্সা র্সা র্সা -র্র্সা I র্সনা -র্সা | -না -া -ধা -পা I
আ ভ র• ণে আ • • জি • • • • •

I পনা না | না ধা ধা -না I নপা -ধা | -ধপা মগা রা -গা II
আ• ব র ণ কে • ন • • ত• বে •

II { মা পা | পা পা পা -দা I দপদা -না | -া -দা -পা -া I
ভা লো বা সা য • দি• • • • • •

I পনা না | না না না -া I নধা -া | -না ধা পা (-ধা)} I -া I
মে॰ শে আ ধা আ • ধি • • মো হে • •

I পা ধা | র্সা র্সা র্সনা -র্রা I র্রর্সা -া | -া -া -া -পা I
আ লো তে আঁ ধা॰ • রে • • • • •

I পনা না | না না না -া I নধা -া | -না নধা পা -ধা I
দোঁ॰ হা রে হা রা • ব • • দোঁ হে •

I ধমা পা | পা পা পা -দা I দপদা -না | -া -দা -পা -া I
ভা লো বা সা য • দি॰ • • • • •

I পনা না | না না না -া I নধা -া | -না ধা পা -া I
মে॰ শে আ ধা আ • ধি • • মো হে •

I পা ধা | র্সা র্সা নর্সা -র্রর্গা I র্গর্রা -র্সা | -া -া -া -া I
ধে য়ে আ সে হি॰ . • • য়া • • • • •

I র্সা র্সা | র্সা র্সা না র্রা I র্রা র্সা | -া -পা -া -া I
তো মা র স হ জ র বে • • • •

I পা দা | দা দা দা -না I নপা -দা | দপা -া -া -মা I
আ ভ র ণ দি • য়া • • • • •

I মনা না | না ধা ধা -না I নপা -ধা | ধপা মগা রা -গা II
আ॰ ব র ণ কে • ন • • ত॰ বে •

II { সা রা | রা রা রা -গা I গরা -পমা | -গমা মগা রা -গা I
ভা বে র র সে • তে • • • • যা হা য়্

I র্সা র্সা | র্রা র্রা র্গা -া I (পা ধা | র্সা র্সা র্সা -র্রর্সা I
ন য় ন ভো বা • ভূ ষ ণে তা হা • •

I র্সনা -র্সা | -না না নধা -পা I পধা ধপা | -া মগা গরা -গা) } I
রে • • দে খা• ও কি• সে র্ শো• ভা •

I { মা পা | পা পা পা -দা I দপদা -না | -া -দা -পা -া I
কা ছে এ সে ত • বু• • • • • •

I পনা না | না না না -া I নধা -া | -না ধা পা (-ধা) } I -া I
কে• ন র য়ে গে • লে • • দূ রে • •

I পা ধা | র্সা র্সা র্সা -া I র্সনা -র্সা | -না -া -ধা -পা I
বা হি র বাঁ ধ • নে • • • • •

I পনা না | না না নধা -না I নধা পা | -া -া -ধা -মা I
বাঁ• ধি বে কি ব ন্ ধু রে • • • •

I মা পা | পা পা পা -দা I দপদা -না | -া -দা -পা -া I
কা ছে এ সে ত • বু• • • • • •

I পনা না | না না না -া I নধা -া | -না ধা পা -া I
কে• ন র য়ে গে • লে • • দূ রে •

I পা ধা | র্সা র্সা নর্সা -র্রর্গা I র্গর্রা -র্সা | -া -া -া -া I
নি জে র ধ নে• • • কি • • • • •

I র্সা র্গা | র্গা র্রা র্রা -র্গর্রা I র্সা -র্রা | -র্সা না ধা -ধনা I
নি জে চু রি ক • • রে • • ল বে • •

I পা দা | দা দা দা -না I র্পা -দা | -র্পা -া -া -মা I
আ ভ র ণে আ • জি • • • • •

I মনা না | না ধা ধা -না I নপা -ধা | -ধপা মগা রা -গা II II
আ• ব র ণ কে • ন • • ত• বে •

পাগল যে তুই, কণ্ঠ ভরে
জানিয়ে দে তাই সাহস করে ॥
দেয় যদি তোর দুয়ার নাড়া
থাকিস কোণে, দিস নে সাড়া—
বলুক সবাই 'সৃষ্টিছাড়া', বলুক সবাই 'কা কাজ তোরে' ॥
বল রে 'আমি কেহই না গো,
কিছুই নহি, যে হই-না।'
শুনে বনে উঠবে হাসি,
দিকে দিকে বাজবে বাঁশি —
বলবে বাতাস 'ভালোবাসি', বাঁধবে আকাশ অলখ ডোরে ॥

II র্সা -র্রা র্সা -া | ^র্স^ধর্সা -ণধা পা -া I পা -ধা ণা ধা | র্সণা -ধা ^ধপা ধা I
পা • গ ল্ যে• •• তু ই ক ণ্ ঠ ভ রে• • জা নি

I ^ধমপা -ধপা মজ্ঞা -রা | মজ্ঞা -রা সা রা I মজ্ঞা -রা সা -া | -া -া -া -া I
য়ে• •• দে• • তা• ই জা নি য়ে• • দে • • • • •

I গা মা পা -ধা | ধর্সা ^র্সণা -ধা -পা I -মা -জ্ঞা -রা -সা | -া -া -া -া I
জা নি য়ে • দে• • • • • • • • • • • •

I সা -রা জ্ঞা -া | ^জ্ঞরা মজ্ঞরা সা রা I মজ্ঞা -রা সা -া | -া -া -া -া II
সা • হ স্ ক রে•• ও রে পা• • গ • • • • ল্

II { না -া না না | না -া না -র্সা I ধনা -া র্সর্রা -র্সনা | র্সা -া র্সা -া I
দে য়্ য দি তো র্ দু • য়া• র্ না •• ড়া • থা •

I র্সনা -র্রা র্সা -া | ণা -া -া -া I ণর্রা -া র্সা -া | ণা -ধা র্সণা -ধা I
কি• স্ কো • ণে • • • দি• স্ নে • দি স্ নে• •

I পা -ধা ণা ধা | পা -া (-া -া)} I পা -া I ধা -া মা -া | পা -া পধা -মা I
দি ন্ নে সা ড়া • • • ব • লু ক্ স • বা ই ব• •

I পা -া -া -া | পা -ণা ণা ণধা I র্সণা -ধা পধা -মা | পা -া -া -া I
লু • • ক্ স্ ব্ টি ছা ড়া• • ব• • লু • • ক্

I মা -া পা -া | পা -া পা -ধা I ধমা -ণা ধা -পা | মা জ্ঞরা সা রা I
ব • লু ক্ স • বা ই কী • কা জ্ তো রে• ও রে

I মজ্ঞা -রা সা -া | -া -া -া -া II
পা• • গ • • • • ল্

II {সা -রা জ্ঞা রা | মজ্ঞা -া -রা -সা I সা -পা পা -া | পা -া পা -ধা I
ব ল্ রে আ মি• • • • কে • হ ই না • গো •

I ধমা -পা মা -রা | মজ্ঞা -রা সা রা I জ্ঞা -রমা মজ্ঞা -রা | সা -া -া -া I
কে • হ ই না• • আ মি কে •• হ ই না • • •

I মা -পা পা -া | পা -া পা -ধা I ধর্সা -া র্সা -ধা | ধা -র্সা ণা -ধা I
কি • ছু ই ন • ছি • যে• • হ ই যে • হ ই

I ধপা -ধা ণা -র্সা | র্সণা -ধা পা ধা I মা -পা মজ্ঞা -রা | সা -া -া -া} I
যে • হ ই না• • আ মি কে • হ• ই না • • •

I {পা -না না -া | না -পা না -া I না -র্সা র্সা -র্রা | র্না -া র্সা -া I
শু • নে • ব • নে • উ ঠ্ বে • হা • সি •

I র্সা -র্রা র্সা -া | ণা -ধা ণা -া I ণা -র্রা র্সা -া | -া -া -া -া I
দি • কে • দি • কে • বা জ্ বে• • • • • •

I ধা -র্সা র্ণা -া | -া -া -ধা -পা I পা -ধা ণা -া | পধা -া ধপা -া } I
বা জ্ বে · · · · বা জ্ বে · বাঁ· · শি ·

I পা -ধা ণা ণধা | ণা -া -ধা -পা I পধা -মা পা -া | -া -া -া -া I
ব ল্ বে বা তা · · স্ ব· ল্ বে · · · · ·

I গা -মা পা -ধা | ণা -ধর্সা র্ণা -ধা I পধা -মা পা -া | -া -া -া -া I
ভা · লো · বা · · সি · ব· ল্ বে · · · · ·

I পা -ধা পা মগা | মা -া -া -া I মা -গপা মা জ্ঞরা | মজ্ঞা রা সা রা I
বাঁ ধ্ বে আ· কা · · শ্ ত্ · · ল খ· ডো· রে ও রে

I মজ্ঞা -রা সা -া | -া -া -া -া II II
পা· · গ · · · · ল্

নাই রস নাই, দারুণ দাহনবেলা। খেলো খেলো তব নীরব ভৈরব খেলা॥
যদি ঝ'রে পড়ে পড়ুক পাতা, ম্লান হয়ে যাক মালা গাঁথা,
থাক্ জনহীন পথে পথে মরীচিকাজাল ফেলা॥
শুষ্ক ধুলায় খসে-পড়া ফুলদলে ঘূর্ণী-আঁচল উড়াও আকাশতলে।
প্রাণ যদি কর মরুসম তবে তাই হোক— হে নির্মম,
তুমি একা আর আমি একা, কঠোর মিলনমেলা॥

II { সা -জ্ঞা -া -া | -া -া ঋা সন্‌া I সা -জ্ঞা -া -া | -া -া -া -া I
না ‧ ‧ ‧ ই ‧ র স‧ না ‧ ‧ ‧ ই ‧ ‧ ‧

I (হ্মা -া পা পা | পদা -া দপা পা I হ্মা -া পা -হ্মা | -জ্ঞা -া -ঋা -সন্‌া) } I
দা ‧ রু ণ দা‧ ‧ হ ন বে ‧ লা ‧ ‧ ‧ ‧ ‧ ‧

I হ্মা -া পা -া | -া -া -া -দা I দহ্মা -া পা -া | -জ্ঞা -া জ্ঞা মা I
খে ‧ লো ‧ ‧ ‧ ‧ ‧ খে ‧ লো ‧ ‧ ‧ ত ব

I পা -না না না | র্সা -া র্সঋা র্ঋর্সা I র্সনা -া র্সা -পা | -মা -জ্ঞা -ঋা -সন্‌া II
নী ‧ র ব ভৈ ‧ র‧ ব খে ‧ লা ‧ ‧ ‧ ‧ ‧ ‧

পা পা II { পা -হ্মা পা -দা | হ্মপা -জ্ঞা জ্ঞা -মা I পা পনা -া না | র্সা -া -া -া I
য দি ঝ ‧ রে ‧ প‧ ‧ ড়ে ‧ প ড়ু‧ ক্ পা তা ‧ ‧ ‧

I র্সা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা র্ঋা | র্ঋা -র্সা র্সা -া I র্সা -ণা ণা -া | ণদা -া পা -া } I
ম্লা ‧ ন হ য়ে ‧ যা ক্ মা ‧ লা ‧ গাঁ ‧ থা ‧

I পা -ণা ণা ধা | ণা -া ণা -র্সা I র্সণা -া দা -া | পা -া -া পা I
থা ক্ জ ন হী ন্ প ‧ থে ‧ প ‧ থে ‧ ‧ ম

I পা -ণা -া ণা | ণদা -া পা -া I পজ্ঞা -া পা -দা | -ঋপা -জ্ঞা -ঋা -পা I
রী • • চি কা • জা ন্ কে • লা • •• • • •

I পদা -া পা -া | -া -া -া -দা I দজ্ঞা -া পা -া | -জ্ঞা -া জ্ঞা মা I
খে• • লো • • • • • খে • লো • • • ত ব

I পা -না না না | র্সা -া র্সঋা ঋর্সা I ণনা -া র্সা -পা | -মা -জ্ঞা -ঋা -সন্‌া II
মা • র ব ভৈ • র• ব খে • লা • • • • ••

-া -া II { সা -জ্ঞা জ্ঞা রা | জ্ঞা -া -া -া I জ্ঞমা মজ্ঞা রা জ্ঞঋা | ঋসা -ঋা২ জ্ঞা ঋা I
• • শু ষ্ ক ধু লা • • য়্ খ• সে প ড়া• ফু • ল দ

I সা -া -া -া | ণ্‌া -সা জ্ঞা মা I পা পা পা -দা | দমপা -া -জ্ঞা ঋা I
লে • • • ঘূ র্ ণী আঁ চ ল উ ০ ড়া• • ও আ

I সা -জ্ঞা জ্ঞা জ্ঞরা | জ্ঞা -া -া -া I জ্ঞমা মজ্ঞা রা জ্ঞঋা | সা -ঋা২ জ্ঞা ঋা I
কা ০ শ ত লে • • • খ• সে প ড়া০ ফু • ল দ

I সা -া -া -া | -া -া -া -া } I পা -া পা -া | পা -া পা -দা I
লে • • • • • • • প্রা ণ্ য • দি • ক •

I ঋপা -া -জ্ঞা -মা | পা পনা -া না I র্সা -া -া -া | র্সা -া র্সা -না I
র• • • • ম রু• • স ম ০ • • ত • বে •

I র্সা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা -া | র্ঋা -া র্সা -া I র্সা -ণা ণা -া | ণর্সা র্সা ণা -ধা I
তা ই হো ক্ হে • নি র্ ম • ম • তু• মি এ •

I ণা -া ণা -া | ণর্সা ণা ণা -দা I ণদা -পা -া -া | পর্সা র্সা ণা ণা I
কা • আ র্ আ• মি এ • কা • • • ক• ঠো র মি

I ^পদা দা পা -দা | ^পজ্ঞপা -জ্ঞা -ঋা -পা I পদা -া পা -া | -া -া -া -দা I
জ ম মে ∘ লা ∘ ∘ ∘ ∘ খে∘ ∘ লো ∘ ∘ ∘ ∘ ∘

I ^পজ্ঞা -া পা -া | -জ্ঞা -া জ্ঞা মা I পা -না না না | র্সা -া র্সর্ঋা ^ঋর্সা I
খে ∘ লো ∘ ∘ ∘ ত ব নী ∘ র ব ভৈ ∘ র∘ ব

I ^র্সনা -া র্সা -পা | -মা -জ্ঞা -ঋা -সন্‌া II II
খে ∘ লা ∘ ∘ ∘ ∘ ∘∘

মরুবিজয়ের কেতন উড়াও শূন্যে হে প্রবল প্রাণ।
ধূলিরে ধন্য করো করুণার পুণ্যে হে কোমল প্রাণ॥
মৌনী মাটির মর্মের গান কবে উঠিবে ধ্বনিয়া মর্মর তব রবে,
মাধুরী ভরিবে ফুলে ফলে পল্লবে হে মোহন প্রাণ॥
পথিকবন্ধু, ছায়ার আসন পাতি এসো শ্যামসুন্দর।
এসো বাতাসের অধীর খেলার সাথি, মাতাও নীলাম্বর।
উষায় জাগাও শাখায় গানের আশা, সন্ধ্যায় আনো বিরামগভীর ভাষা,
রচি দাও রাতে সুপ্ত গীতের বাসা হে উদার প্রাণ॥

II পা র্সা র্সা | সর্না ধা পা I পা -ঙ্মা ধা | ধপা পা -ঙ্মা I
ম রু বি জ য়ে র কে • ত ন উ •

I গঙ্মা -গা গা | গা -া -ঙ্মা I নধা -া ধা | ধনা -া ধা I
ড়া• ও হে শূ • ন্ নে• • উ ড়া• ও উ

॥
I ধর্সা -া র্সা | র্সা র্সা না I ধপা -া পা | পঙ্মা পা -া I
ড়া• ও হে প্র ব ল প্রা• ণ্ ধূ লি রে •

I ধা -া ণা | ণধা পা -ঙ্মা I পাঃ -ঙ্মধঃ পা | পমা মা -া I
ধ ন্ ন ক রো • ধ •ন্ ন ক রো •

I -া -া মা | মা মা -া I মা -া মা | মা -া মা I
• • ক রু ণা র্ পু ণ্ ণে ধ ন্ ন

I মগা মা -গা | গপঙ্মা পা -া I সা -া সা | রা রা -সগা I
ক• রো • ক• রো • হে • কো ম ল ••

I গা -া -া | -া -া -া II
প্রা • • • • ণ্

-া | -া -া -া II { র্সা -া র্গা | র্গর্রা র্সা -া I র্সা -না র্রা | র্র্সা নধা -পা I
০ ০ ০ ০ মৌ ০ নী মা টি র্ ম র্ মে র গা০ ন্

I পা পা -ধা | -না -া -া I নর্সা র্সা র্সা | র্সা র্সা র্সা I
ক বে ০ ০ ০ ০ উ০ ঠি বে ধ্ব নি য়া

I র্সা র্সা না | -া -া -া I না -া র্রা | র্র্সা র্সা না I
ধ্ব নি য়া ০ ০ ০ ম র্ ম র ভ ব

I ধনা ধপা -া | -া -া -া } I পর্সা র্সা না | ধা পা পা I
র০ বে০ ০ ০ ০ ০ মা০ ধু রী ভ রি বে

I পক্ষা পধা ধপা | মা মা -া I মা মা -া | মা মা -া I
ফু০ লে০ ফ লে প ল্ ল বে ০ ফু লে ০

I মা -গা -পক্ষা | পা -া -া I পর্গা -া র্গা | র্গা র্গা -া I
ফ ০ ০০ লে ০ ০ হে০ ০ মো হ ন ০

I র্রা -া র্সা | র্সা র্সা -া I র্সনা -া র্রা | র্র্সা র্সা -না I
প্রা ণ্ ধূ লি রে ০ ধ ন্ ন ক রো ০

I নধা -র্সা র্সনা | নধা পা -া I -মা -া মা | মা মা -া I
ধ ন্ ন০ ক রো ০ ০ ০ ক রু ণা র্

I মা -া মা | মা -া মা I মগা মা -গা | গপক্ষা পা -া I
পু ণ্ ণে ধ ন্ ন ক০ রো ০ ক০ রো ০

I সা -া সা | রা রা -সরা I গা -া -া | -া -া -া II
হে ০ কো ম ল ০০ প্রা ০ ০ ০ ০ ণ্

-া | -া -া -া II { সা সা সা | রা -া রা I রা গা -রা | গা গা -মা I
· · · · প থি ক ব ন্ ধু ছা য়া র্ আ স ন্

I মা পা -ধপা | পমা গা -মা I মরা গা মা | পা গমা -গা I
পা তি ·· এ সো · এ সো শ্যা ম স্ ন্

I রা -গা -া | -া -া -া } I { মা পা পা | পা পা -মা I
দ · · · · র্ এ সো বা তা সে র্

I পা ধা না | না নধা -না I ধা ধা -না | নধা পা -ধা } I
অ ধী র খে লা র্ সা থি · এ সো ·

I মা পা -া | পধা ধপা -া I মগা -া -া | -া -া -া I
মা তা ও নী৹ লা ম্ ব৹ · · · · র্

I র্সর্গা র্গা -া | র্রা র্রা -না I নর্রা র্রর্সা -া | না ধপা -া I
উ৹ ষা য়্ জা গা ও শা৹ খা য়্ গা নে৹ র্

I পা পধা -না | -া -া -া I র্সা -া র্সা | -া র্সা -া I
আ শা৹ · · · · স ন্ ধা য়্ আ ·

I না -া -া | ধনা -র্সনা -ধনা I ধপা -া -া | -মা -া -া I
নো · · আ৹ ·· ·· নো৹ · · · · ·

I মা মা মা | মা মা মা I মা মা -া | মা মা -া I
বি রা ম গ ভী র ভা ষা · র চি ·

I মা -া -া | মা -গা -পমা I পা -া -া | -া -া -া I
দা · ও য়া · ·· তে · · · · ·

I ধা -া ণা | ধা পা -ক্ষা I ক্ষধা পা -া | মা মা -গা I
সু প্ ত গী তে র্ বা• সা • র চি •

I গপা -া -া | -া -া -া I পর্গা -া র্গা | র্গা র্গা -া I
দা• • ও • • • হে• • উ দা র •

I র্রা -া র্সা | র্সা র্সা -া I র্সনা -া র্রা | র্রর্সা র্সা -ণা I
প্রা ণ্ ধূ লি য়ে • ধ ন্ ন ক রো •

I নধা -র্সা র্সনা | নধা পা -া I -মা -া মা | মা মা -া I
ধ ন্ ন• ক রো • • • ক রু ণা র্

I মা -া মা | মা -া মা I মগা মা -গা | গপক্ষা পা -া I
পূ ণ্ ণে ধ ন্ ন ক• রো • ক• রো •

I সা -া সা | রা রা -সরা I গা -া -া | -া -া -া II II
হে • কো ম ল •• প্রা • • • • ণ্

অনেক দিনের আমার যে গান আমার কাছে ফিরে আসে
তারে আমি শুধাই, তুমি ঘুরে বেড়াও কোন্ বাতাসে ॥
যে ফুল গেছে সকল ফেলে গন্ধ তাহার কোথায় পেলে,
যার আশা আজ শূন্য হল কী সুর জাগাও তাহার আশে ॥
সকল গৃহ হারালো যার তোমার তানে তারি বাসা,
যার বিরহের নাই অবসান তার মিলনের আনে ভাষা।
শুকালো যেই নয়নবারি তোমার সুরে কাঁদন তারি,
ভোলা দিনের বাহন তুমি স্বপন ভাসাও দূর আকাশে ॥

II সা সা -রা | রা রা -া I রা -া -গা | গরা -মা গা I
অ নে ক্ দি নে র্ আ • • মা র্ যে

I রা -া -া | -া -া -া I রা গা -া | মা পা -া I
গা • • • • ন্ আ মা র্ কা ছে •

I পধা ধপা -া | মা -া -গা I গরা -মা -া | -া -া -া I
ফি• রে • আ • • সে • • • • •

I মা মা -া | মা মা গা I রগা গা -া | রা সা -া I
তা রে • আ মি • শু• ধা ই তু মি •

I সা রা -মা | মগা রা -া I রা রা মা | মগা পমা -গা I
ঘু রে • বে ড়া ও ঘু রে ০ ঘু• রে• •

I গরা রা -গমা | মগা রা -া I মা -পা পধা | ধপা সা -া II
ঘু রে •• বে ড়া ও কো ন্ বা• তা সে •

II { মা পা -া | পা পা -পা I পধা র্সণা -া | ধা পা -মা I
যে ছু ল্ গে ছে • স ক• ল্ ফে লে •

I পা -র্সা র্সা | র্সা র্সা -র্রা I ণর্সা র্ণণা -া | ধা পা (-ধা) } ! -া I
গ ন্ ধ তা হা র্ কো• থা য়্ গে লে • •

I পা -ণা ণা | ণধা র্ণণা -ধা I পা -া -ধা | ধপাঃ -ধণঃ ণধা I
যা র্ আ শা আ জ্ শূ • ন্ য • • হ

I পা -া -া | -া -া -া I পধা ধপা -া | মা মা -া I
ল • • • • • কী• সু র্ জা গা ও

I মপা পমা -া | গা রা -গা II
তা• হা র্ আ শে •

II { মা মা -া | মা মা -পমা I মগা গা -রা | সাঃ -রগমগঃ -রগা I
স ক ল্ গৃ হ • • হা রা • লো • • • • • •

I রা -া -া | -া -া -া I মা পা -া | পা পা -পা I
যা • • • • র্ স ক ল্ গৃ হ •

I ণধা র্সণা -ধা | পাঃ -ধণধঃ -পধা I পা -া -া | -া -া -া I
হা রা• • লো • • • • • যা • • • • র্

I পণা ণা -া | ধা ণা -া I ধর্সা র্সণা -া | ধা পা -ধা I
তো• মা র্ তা নে • তা• রি • বা সা •

I ধমা -পা পা | পা পা -র্সা I র্সধা -র্সা ণা | ধা পা -মা I
যা র্ বি র হে র্ না ই অ ব সা ন

I পা -র্সা ণা | ধা পা -া I পধা ধপা -া | মা মা -া } I
তা র্ মি ল নে র্ আ নে • ভা ষা •

I মা মা -া | মা মা পমা I গা গা -রা | সাঃ -রগমগঃ -রগা I
ল ক ল্ গৃ হ •• হা রা • লো •••• ••

I রা -া -া | -া -া -া I { না না -া | না না -র্সা I
ষা • • • • র্ শু কা • লো বে ই

I না র্সা -া | না র্সা -া I নর্রা র্ণা -া | ধা পা -মা I
ন য় ন্ বা রি • তো• মা র্ সু রে •

I পা র্পা -র্রা | র্রা র্রা -া } I র্রর্মা র্গর্রা -া | র্রা র্সা -া I
কাঁ দ ন্ ভা রি • ভো• লা • দি নে র্

I র্সর্রা ণা -া | ধা পা -া I পধা পা -া | মা মা -া I
বা হ ন্ তু মি • স্ব• প ন্ ভা সা ও

I গা -পা মা | গা রা -গা II II
দূ র্ আ কা শে •

আমার মাঝে তোমারি মায়া জাগালে তুমি কবি।
আপন-মনে আমারি পটে আঁকো মানস ছবি ॥
তাপস তুমি ধেয়ানে তব কী দেখ মোরে কেমনে কব,
আপন-মনে মেঘস্বপন আপনি রচ রবি।
তোমার জটে আমি তোমারি ভাবের জাহ্নবী ॥
তোমারি সোনা বোঝাই হল, আমি তো তার ভেলা—
নিজেরে তুমি ভোলাবে ব'লে আমারে নিয়ে খেলা।
কণ্ঠে মম কী কথা শোন অর্থ আমি বুঝি না কোনো,
বীণাতে মোর কাঁদিয়া ওঠে তোমারি ভৈরবী।
মুকুল মম সুবাসে তব গোপনে সৌরভী ॥

দ্ণ্ II সা -জ্ঞা -া | জ্ঞঋা -া -জ্ঞঋা I সা -া -া | -া -া সা I
আ॰ মা ॰ র্ মা ॰ ॰॰ ঝে ॰ ॰ ॰ ॰ তো

I সা -ঋা -ণ্া | সা -জ্ঞা॰ জ্ঞরা I জ্ঞা -া রা | জ্ঞা -া -রা I
মা ॰ ॰ রি ॰ মা য়া ॰ জা গা ॰ ॰

I মজ্ঞা -ঋা -সা | সা জ্ঞা ঋা I সা দ্া -ণ্া | সা -জ্ঞা -া I
লে॰ ॰ ॰ তু মি ক বি আ ॰ মা ॰ র্

I জ্ঞঋা -া -জ্ঞঋা | সা -া -া I সা জ্ঞা জ্ঞা | রা জ্ঞা -া I
মা ॰ ॰॰ ঝে ॰ ॰ আ প ন ম নে ॰

I জ্ঞা -া -রা | জ্ঞা -দা পা I মজ্ঞা -া -রা | জ্ঞা -া রা I
আ ॰ ॰ মা ॰ রি প॰ ॰ ॰ টে ॰ আঁ

I জ্ঞা -া -া | -মা -পা -মা I জ্ঞা মা জ্ঞা | ঋা সা দ্ণ্া II
কো ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ মা ন স ছ বি "আ॰"

-া II { সা -দা দা | দা দা -া I পা -া -া | -া -া -া I
• তা • প স তু • মি • • • • •

I পা -া -া | পা -া পা I পা -া -ঋা | দা -া -া I
থে • • ম্লা • নে ত • • ব • •

I দা -া -া | দা -া দা I দা -া -া | দর্সা -া -া I
কী • • দে • খ মো • • রে• • •

I পা পণা ণা | দা পা -া I সা জ্ঞা জ্ঞা | ঋা সা -া } I
কে ম• নে ক ব • কে ম নে ক ব •

I সা জ্ঞা জ্ঞা | রা জ্ঞা -া I জ্ঞা রা জ্ঞা | রা জ্ঞা -া I
আ প ন ম নে • মে ঘ স্ব প ন •

I মা পা দা | জ্ঞা ঋা -জ্ঞা I ঋা সা -া | -া -া -া I
আ প নি র চ • র বি • • • •

I র্সা র্সা র্সা | ঋর্া র্সা -া I ণা র্সা ণা | ণপা -ণা -দা I
তো মা র জ টে • আ মি তো মা • •

I পা -া -া | -া -া -া I সা -পা পা | পা পা -ক্ষা I
রি • • • • • ভা • বে র জা •

I পা দা -া | -া -া -া I সা -া -ঋা | জ্ঞা -া -মজ্ঞা I
হ্ন বী • • • • আ • • মা • •র্

I জঋা -া -জ্ঞঋা | সা -া -া I { দ্া দ্া ম্া | দ্া দ্া -ণ্া I
মা • •• ঝে • • তো মা রি সো না •

I ণ্‌া সা -া | সা সা -া I সঋা ঋা ঋা | ঋা -া সা I
বো কা ই হ ল • আ• মি তো তা • র্

I ণ্‌া সা -া | -া -া -া I সা জ্ঞা জ্ঞা | রা জ্ঞা -া I
ভে লা • • • • নি জে রে তু মি •

I মা পা দা | মপা জ্ঞা -া I মা পা দা | মপা জ্ঞা -া I
ভো লা বে ব• লে • আ মা রে মি• রে •

I মা মা -া | -া -া -া I জ্ঞা জ্ঞা ঋা | সা -া -জ্ঞা I
খে লা • • • • আ মি তো তা • র্

I রা জ্ঞা -া | -া -া -া } I { সা -দা দা | দা পা -া I
ভে লা • • • • ক ণ্‌ ঠে ম ম •

I পা পা পা | পজ্ঞা . দা -া I দা -া দা | দা দর্সা -া I
কী ক থা শো• ন • অ র্ থ . আ মি• •

I পা ণা ণা | দা পা -া I সা জ্ঞা জ্ঞা | ঋা সা -া } I
বু ঝি না কো নো • বু ঝি না কো নো •

I সা জ্ঞা রা | জ্ঞা -া -া I জ্ঞা -া . জ্ঞা | জ্ঞা -দা পা I
বী ণা তে মো • র্ কাঁ • দি য়া • ও

I মজ্ঞা -া -া | -মা -পা -মা I জ্ঞা মা জ্ঞা | ঋা -জ্ঞা ঋা I
ঠে• • • • • • তো মা রি ভ ই র

I সা -া -া | -া -া -া I র্সা র্সা র্সা | র্ঋা র্সা -া I
বী • • • • • মৃ দু ল ম ম •

I ণা র্সা -ণা | ণপা -ণা দা I পা -া -া | -া -া -া I
স্থ বা ০ সে ০ ত ব ০ ০ ০ ০ ০

I সা -পা পা | পা পা -হ্মা I পা দা -া | -া -া -া I
গো ০ প নে সৌ ০ র ভী ০ ০ ০ ০

I সা -া -ঋা | জ্ঞা -া -মজ্ঞা I ঋা -া -জ্ঞঋা | সা -া দ্‌ণ্‌া II II
আ ০ ০ মা ০ ০র্ মা ০ ০০ মো ০ "আ০"

৪৯

তোমার সুর শুনায়ে যে ঘুম ভাঙাও সে ঘুম আমার রমণীয়—
জাগরণের সঙ্গিনী সে, তারে তোমার পরশ দিয়ো ॥
অন্তরে তার গভীর ক্ষুধা, গোপনে চায় আলোকসুধা,
আমার রাতের বুকে সে যে তোমার প্রাতের আপন প্রিয় ॥
তারি লাগি আকাশ রাঙা আঁধার-ভাঙা অরুণরাগে,
তারি লাগি পাখির গানে নবীন আশার আলাপ জাগে।
নীরব তোমার চরণধ্বনি শুনায় তারে আগমনী,
সন্ধ্যাবেলার কুঁড়ি তারে সকালবেলায় তুলে নিয়ো ॥

সা সা II { রা -মা -া | পা পর্সা -ণর্সা I ণা -দা -ণা | ণপা -া (-দা I
তো মার্ সু • র্ শু না• •• য়ে • • • •

I দমা পা -দা | দমপা -দপা -মপা I মজ্ঞা -া -া | -া -া -া I
যে ঘু ম্ ভা• •• •• ঙা• • • • • ও

I পণা ণদা -পা | মপা মজ্ঞা -া I জ্ঞমা মা -া | জ্ঞঋা সা -া) } I -া I
সে• ঘু ম্ আ• মা• • র্ র ম • ণী • য় • •

I না র্সা -া | র্সঋা ঋর্সা -া I র্সনা -র্সা -দা | দা -র্জ্ঞা ঋর্সা I
জা গ • র• ণে র্ স • ঙ্ গি • নী•

I র্সণা -র্সা -ণা | -দা -পা -া I পা পা -া | পা পা -া I
সে • • • • • তা রে • তো মা র্

I পা পা -স্মা | পা পর্সা -র্সণা I -দা -া -া | দা সা -া II
প র শ্ দি য়ো• • • • • "তো মা র্"

-া II { দা -া দা | ণা র্সা -া I র্সা র্সা -ণা | র্সা র্সা -র্জ্ঞা I
• অ ন্ ত রে তা র্ গ ভী র্ সু ধা •

I -র্জ্ঞর্ঋা -া -র্জ্ঞর্ঋা | -র্সা -া -া I র্ণদা র্সা -ণর্জ্ঞা | র্জ্ঞর্ঋা র্সা -া I
• • •• • • • গো প •• নে চা য়্

I ণা র্সা -ণর্ঋা | ণর্সা ণদা -া } I দর্সা র্সা -া | র্সর্ঋা ণর্সা -ণা I
আ লো •ক্ সু ধা• • আ• মা র্ রা• তে র্

I ণর্সা র্সণা -পণা | ণদা পা -া I সপা পা -া | পা পা -া I
বু• কে •• সে যে • তো• মা র্ প্রা তে র্

I পা পা -মা | পা পদা -া I -া -া -া | দা সা -া II
আ প ন্ প্রি য়• • • • • "তো মা র্"

-া II { সা রা -মা | মা মাঃ -গপঃ I পা পা -া | পা পা -া I
• তা রি • লা গি •• আ কা শ্ রা ঙা •

I পদা দা -া | দা দা -া I দা দা -পণা | ণদা পা -া I
আঁ• ধা র্ ভা ঙা • অ রু •ণ্ রা গে •

I পা পা -া | পা পা -া I পক্ষা দা -া | দা দা -র্সা I
তা রি • লা গি • পা• খি র্ গা নে •

I র্সা র্সর্ঋা -ণা | ণা দা -পা I পা পাঃ -ক্ষদঃ | দা পা -া } I
ন বী ন্ আ শা র্ আ লা •প্ জা গে •

I { দা দা -া | ণা র্সা -া I র্সা র্সা -া | র্সনা র্সা -া I
নী র ব্ তো মা র্ চ র ণ্ ধ্ব• নি •

I র্সনা র্সা -জ্ঞা | জ্ঞর্ঋা র্সা -া I ণা -া -া | র্সা র্সঋা -ণর্সা I
শু০ না য়্ তা রে ০ আ ০ ০ প ম০ ০০

I ণা -দা -া | -া -া -া } I র্সা -া র্সা | র্সঋা ণর্সা -ণা I
নী ০ ০ ০ ০ ০ স ন্ ধা বে০ লা য়্

I ণর্সা র্সণা -পণা | পদা পা -া I পা পা -া | পা পা -া I
কুঁ০ ড়ি ০০ তা রে ০ স কা ল্ বে লা য়্

I পা পা -মা | পা পদা -া I -া -া -া | দা সা -া II II
তু লে ০ নি যো ০ ০ ০ ০ "তো মা র্

৫০

নীল আকাশের কোণে কোণে ওই বুঝি আজ শিহর লাগে   আহা।
শাল-পিয়ালের বনে বনে কেমন যেন কাঁপন জাগে   আহা॥
সুদূরে কার পায়ের ধ্বনি   গনি গনি দিন-রজনী
ধরণী তার চরণ মাগে   আহা॥
দখিন-হাওয়া ক্ষণে ক্ষণে কেন ডাকিস ‘জাগো জাগো’।
ফিরিস মেতে শিরীষবনে, শোনাস কানে কোন্ কথা গো।
শূন্যে তোমার ওগো প্রিয়   উত্তরীয় উড়ল কি ও
রবির আলোর রঙিন রাগে   আহা॥

II { পা -র্সা র্সা | না ধা -া I ধপা পা -ক্ষা | পক্ষা -ধপা -ক্ষপা I
নী ল্ আ কা শে র্ কো ণে ॰ কো॰ ॰॰ ॰॰

॥
I পক্ষা -া -া | -া -া -া I (সা -মা মা | মা -া -া I
ণে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ও ই বু ঝি ॰ ॰

I মগা -পা পা | পক্ষা ধপা -া I সা সা রা | গা মা -গা I
ও॰ ই বু ঝি॰ আ॰ জ্ শি হ র লা গে ॰

I রা -গা -মা | পা -া -ক্ষা) } I পা -র্সা র্সা | র্সা র্সা -া I
আ ॰ ॰ হা ॰ ॰ শা ল্ পি য়া লে র্

I র্সা র্সা -া | র্সা -া -না I র্র্সা -া -া | -া -া -া I
ব নে ॰ ব ॰ ॰ নে॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I র্সর্গা র্গা -া | র্রা র্রা -না I নর্রা র্র্সা -া | না ধপা -া I
কে॰ ম ন্ যে ন ॰ কাঁ॰ প ন্ জা গে॰ ॰

I রা -গা -মা | পা -া -ক্ষা II
আ ॰ ॰ হা ॰ ॰

II { র্সর্গা র্গা -া | র্গা র্গর্মা -র্গা I র্গর্পা র্মা -া | র্গা র্রর্সা -া I
সু৽ রু ৽ রে কা৽ র্ পা৽ রে র্ ধ্ব নি৽ ৽

I না ধা -া | না -র্সা -র্রর্গা I র্রর্সা -া -া | -া -া -া I
গ নি ৽ গ ৽ ৽৽ নি৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽

I না -া ধা | না -র্সা -র্রর্গা I র্রর্সা -া -া | -া -া -া } I
দি ন্ র জ ৽ ৽৽ নী৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽

I র্সর্গা র্গা -া | র্রা র্রা -না I নর্রা র্রর্সা -া | না ধপা -া I
ধ৽ র ৽ ণী তা র্ চ৽ র ণ্ মা গে৽ ৽

I রা -গা -মা | পা -া -হ্মা II
আ ৽ ৽ হা ৽ ৽

II { সা সা -মা | মা মা -া I মা মা -া | মা মা -া I
দ খি ন্ হাও য়া ৽ ক্ষ ণে ৽ ক্ষ ণে ৽

I মা মা -গপা | হ্মা পা -া I ধা না -া | র্সা -া -র্রর্গা I
কে ন ৽৽ ডা কি স্ জা গো ৽ জা ৽ ৽৽

I র্রর্সা -া -া | -া -া -া I র্সর্গা র্গা -া | র্রা র্রা -না I
গো৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ফি৽ রি স্ মে তে ৽

I নর্রা র্সা -া | না ধপা -া I পর্সা না -া | ধা পা -হ্মা I
শি৽ রী ষ্ ব নে৽ ৽ শো৽ না স্ কা নে ৽

I পা -হ্মধা ধপা | মা মা -া } I { র্সর্গা -া র্গা | র্গা র্গর্মা -র্গা I
কো ৽ন্ ক থা গো ৽ শু৽ ন্ নে তো মা৽ র্

I র্গর্পা র্পর্মা -া | র্গা র্রর্সা -া I না -া ধা | না -র্সা -র্রর্গা I
ও॰ গো ॰ প্রি য়॰ ॰ উ ত্ ত রী ॰ ॰॰

I র্রর্সা -া -া | -া -া -া I না -া ধা | না -র্সা -র্রর্গা I
য়॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ উ ড়্ ল কি ॰

I র্রর্সা -া -া | -া -া -া } I র্সর্গা র্গা -া | র্রা র্রা -না I
ও॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ য়॰ বি ব্ আ লো ব্

I নর্রা র্রর্সা -া | না ধপা -া I রা -পা -মা | পা -া -মা II II
য়॰ ভি ন্ রা গে॰ ॰ আ ॰ ॰ হা ॰ ॰

গীতমালিকা দ্বিতীয় ভাগ প্রকাশিত হয় পৌষ ১৩৩৬ সালে। এই গ্রন্থের আশ্বিন ১৩৬০ সালে মুদ্রিত সংস্করণের সম্পাদনা করেন অনাদিকুমার দস্তিদার।

বর্তমান গ্রন্থের অধিকাংশ গানের স্বরলিপি দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত। ৬, ৮, ১০, ১১, ১৭, ২৩, ২৪ ও ২৮-সংখ্যক গানের স্বরলিপিকার অনাদিকুমার দস্তিদার। ৯-সংখ্যক গানের স্বরলিপি রমা মজুমদার -কৃত।

এই গ্রন্থের অন্তর্ভুক্ত গানের সুরভেদ, ছন্দোভেদ, পাঠভেদ ও রচনাকাল-প্রকাশকাল বিষয়ে এ যাবৎ সংগৃহীত তথ্য বর্তমান সংস্করণে সন্নিবিষ্ট হইল। উল্লিখিত তথ্যাদি সংগ্রহ ও সংকলন করিয়াছেন শ্রীপ্রফুল্লকুমার দাস।

অগ্রহায়ণ ১৩৮৪

৩. ভেবেছিলেম আসবে ফিরে
গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :
৩।৩ মাত্রা-ছন্দের স্থলে ২।৪ মাত্রা-ছন্দে ছয় মাত্রার তালে স্বরলিপি মুদ্রিত।

৫. ভরা থাক্ স্মৃতিসুধায়
গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :

পা II পধা পা -া | ধা পা -া I পধা পা -া | -া -া পা I
যে প থে • যে তে • হ বে • • • সে

I পধা নধা -া | পা পগা -পা I...
প থে • তু মি •

১৭. গানের ঝরনাতলায় তুমি সাঁঝের বেলায় এলে
গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)। অনাদিকুমার দস্তিদার -কৃত স্বরলিপি :

-া -া -া II পা পা -া | পা পা -া I... I র্সর্রা র্সপা -া | পধা পা -া I
• • • যে সু র্ গো প ন আ কু ল স্রো তে •

...I পা পা -া | পা পা -া I... I র্সর্রা র্সপা -া | পধা পা -া I
যে সু র্ চা পা র্ উ• জা• ড় ক• রে •

২১. বজ্রমানিক দিয়ে গাঁথা, আষাঢ়, তোমার মালা
গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :
৩।৩ মাত্রা-ছন্দের স্থলে অবিভক্ত ছয় মাত্রার তালের স্বরলিপি মুদ্রিত।

২৩. এসো নীপবনে ছায়াবীথিতলে
গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)। অনাদিকুমার দস্তিদার -কৃত স্বরলিপি :
২।২ মাত্রা-ছন্দে চার মাত্রার তালের স্থলে ৪।৪ মাত্রা-ছন্দে আট মাত্রার তালে স্বরলিপি মুদ্রিত।

সা সনা II সা -পা পা মরা | মজ্ঞা -া... মা পা | গা গা মা পা II
এ সো নী • প ব নে • ধা রা জ লে "এ সো"

র্সা -া II { র্সা -া র্রা র্রা | র্জ্ঞা -া -া -া I র্জ্ঞর্রা র্মা র্জ্ঞা র্জ্ঞা | র্রা -া র্সা র্সা I
দা ও আ • কু লি য়া • • • ঘ ন কা লো কে শ, প রো

I র্সা -র্রা র্সা পধা | পা -া -া -া I··· I পা ধা মা পা | পা পা মা পা II
সে • হ দে রি • • • বৃ ষ্টি মা লা ক লে এ লো

···| পধা মা পা ধা I ধণা -া পা পা | পধা -া -পা -া I···
স খি অ ধ রে • ন য় নে • • •

I র্জর্রা র্সা র্জা র্জা | র্রা র্রা র্সা -া I র্সা -র্রা র্সা -া | পা -ধা পা -া I
ত র ম ধু র রে দি কৃ বা • ণী • আ • নি •

I পধা র্সা ণা -া | ধা পা ··· I পা ধা মা পা | পা পা মা পা I
ব ন ম র্ম রে জ ল ক ল ক লে এ লো

২৯. ওই আসে ওই অতি ভৈরব হরষে

গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :

৪।৪।৪।৪ মাত্রা-ছন্দে ষোলো মাত্রার স্থলে ৪।৪ মাত্রা-ছন্দে আট মাত্রার তালে প্রথম স্তবকের স্বরলিপি মুদ্রিত।

২৭. চৈত্রপবনে মম চিত্তবনে

গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :

[না -া]
II পা -ধা না র্সা | র্সনা -া নর্সা -র্র্সা I -নর্সা -া···
চৈ • ত্র প ব • নে• •• •• •

I পা ধা না র্সা | র্সা -া -পা -া I···
ঝ রে প ড়ে হা • য় •

I পা ধা না না | র্সা -া -া -া I···
তু লে নি রে বা • • ও

৩১. আজি ওই আকাশ-'পরে সুধায় ভরে

গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :

না II মা মদা -া | দপা -া -পদা I দপা -া -া | -া -া -না I
ঐ আ কাশ • প • •• রে • • • • •

৩২. গহন রাতে শ্রাবণধারা পড়িছে ঝরে

গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :

I {পা পা -া | মা মধা -া I র্সা র্সা র্সা | র্সা র্সা -া I
না হ য়্‌ রে খো ০ মা ন জী ব নি ০

৩৩. ঝরে ঝরো ঝরো ভাদর-বাদর

গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :

I {সা -পা ধা -পা | … | (ধমা পা মা -জ্ঞা I -া -া -া -া | জ্ঞা জ্ঞা জ্ঞা -মা I
আ ০ মা র আ জি এ ০ ০ ০ ০ ০ গ গ নে ০

I মরা রসা রা -জ্ঞা | জ্ঞরা সন্‌া সা -া I -া -া -া -া | সা সপা পধা -পা)} I
গ গ নে ০ উ ঠি ছে ০ ০ ০ ০ ০ বা জি য়ে ০

পাঠভেদ

১. গোপন প্রাণে একলা মানুষ যে

গোপন প্রাণে একলা মানুষ যে : স্বরলিপি, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

তোর গোপন প্রাণে একলা মানুষ যে : কথার অংশ, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)
গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

কোন্ আরেক একা ওরে খোঁজে,
সেই তো ওরি দরদ বোঝে : কথার অংশ, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)
গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

সে কোন্ আরেক একা তারে খোঁজে,
সেই তো তারি দরদ বোঝে : স্বরলিপি, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

২. খেলাঘর বাঁধতে লেগেছি

আমার মনের ভিতরে : স্বরলিপি, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

মনের ভিতরে : কথার অংশ, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)
গীতবিতান ৩ (১৩৩৯)

যাচ্ছে ছড়াছড়ি : গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

যাচ্ছে গড়াগড়ি : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

পুরোনো ভাঙা দিনের ঢেলা : স্বরলিপি, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

পুরানো ভাঙা দিনের ঢেলা : কথার অংশ, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

নতুন খেলার জন : গীত-মালিকা ২ (আশ্বিন ১৩৬০)

নতুন খেলার ধন : স্বরলিপি, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

নিত্য খেলার ধন : কথার অংশ, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)
গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

৩. ভেবেছিলেম আসবে ফিরে

তাই ফাগুন শেষে দিলেম বিদায় : কথার অংশ, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)
গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

তাই সাহস করে নিলেম বিদায় : স্বরলিপি, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

৬. তোমায় চেয়ে আছি বসে

কান্নার গান বীণায় এনেছি যে : গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

কান্নারি গান বীণায় এনেছি সে : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

৭. অবেলায় যদি এসেছ আমার বনে

এসো এসো কাল রজনীর অবসানে
প্রভাত-আলোর দ্বারে : গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

এসো এসো কালি রজনীর অবসানে
প্রভাত-আলোক দ্বারে : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

৮. আজ শ্রাবণের পূর্ণিমাতে

হাসির কানায় কানায় ভরা
নয়নের জল : গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

হাসির কানায় কানায় ভরা
কোন্ নয়নের জল : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

ওগো কী আবেশ হেরি চাঁদের চোখে : স্বরলিপি, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

কী আবেশ হেরি চাঁদের চোখে : কথার অংশ, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)
গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

১০. লহো লহো তুলে লহো নীরব বীণাখানি

তোমার নন্দননিকুঞ্জ হতে…
আমি আঁধার বিছায়ে আছি : গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

নন্দন-নিকুঞ্জ হ'তে…
আঁধার বিছায়ে আছি : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

পাষাণ আমার কঠিন দুখে : স্বরলিপি, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

পাষাণ আমার কঠিন দুঃখে : কথার অংশ, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)
গীতবিতান ৩ (১৩৩৯)

১২. পথিক পরান, চল্, চল্ সে পথে তুই

সে পথ বেয়ে গেছে রে তোর ‥
প্রাণের ছায়াবীথির তলে : স্বরলিপি, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

সে-পথ দিয়ে গেছে রে তোর…
প্রাণের ছায়াবীথি-তলে : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

১৩. ও আষাঢ়ের পূর্ণিমা আমার

ও আষাঢ়ের পূর্ণিমা আমার : স্বরলিপি, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

ওগো আষাঢ়ের পূর্ণিমা আমার : কথার অংশ, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)
গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

১৬. মধ্যদিনের বিজন বাতায়নে

কৈশোরে যে সলাজ কানাকানি : স্বরলিপি, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

কৈশোরে যেই সলাজ কানাকানি : কথার অংশ, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)
গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

১৮. আমায় যাবার বেলায় পিছু ডাকে

আমায় যাবার বেলায় পিছু ডাকে : গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

আমায় যাবার বেলায় পিছু ডাকে : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

১৯. তোমার নাম জানি নে সুর জানি

আমার বুকে ব্যথার বাঁশিখানি : গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

আমার ব্যথার বাঁশিখানি : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

২০. পথিক মেঘের দল জোটে ওই

(শোন্ শোন্‌রে) মনরে আমার : গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

মন রে আমার : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

২১. বজ্রমানিক দিয়ে গাঁথা, আষাঢ়

বামে রাখ ভয়ঙ্করী : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

বামে তব ভয়ঙ্করী : গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

২৫. যে ছায়ারে ধরব বলে করেছিলেম পণ

আকাশে যার পরশ মিলায় : কথার অংশ, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)
গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

দেখেছি যার পরশ মিলায় : স্বরলিপি, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

৩১. আজি ওই আকাশ-'পরে সুধায় ভরে

হৃদয় মাঝে মধুর বাজে : স্বরলিপি, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

আমার হৃদয় মাঝে মধুর বাজে : কথার অংশ, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)
গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

৩৩. ঝরে ঝরো ঝরো ভাদর বাদর

গগনে গগনে উঠিছে বাজিয়ে : স্বরলিপি, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

গগনে গগনে উঠিল বাজিয়ে : কথার অংশ, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)
গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

৩৫. শ্যামল শোভন শ্রাবণ, তুমি নাই বা গেলে

শ্যামল শোভন শ্রাবণ, তুমি : স্বরলিপি, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

শ্যামল শোভন শ্রাবণ-ছায়া : কথার অংশ, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)
গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

৩৬. ওগো শেফালি

আমার সবুজ ছায়ার…
তোমার বুকের খসা গন্ধ আঁচল…
আমার গোপন কানন বীথির : গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

সবুজ ছায়ার…
বুকের খসা গন্ধ আঁচল…
কানন বীথির গোপন কোণের : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

৩৯. ওই শুনি যেন চরণধ্বনি রে

তার চলার পথের কাছে : কথার অংশ, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)
গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

তার চলার পথের আগে : স্বরলিপি, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

৪০. জানি জানি হল যাবার আয়োজন

শিউলি বনের মধুর স্তবে : গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)
শিউলি বনে মধুর স্তবে : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

৪১. আমার যে গান তোমার পরশ পাবে

(আমার) যে-আঁখি জল তোমার…
(আমার) যে-শেষবাণী তোমার : গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

যে-আঁখিজল তোমার…
যে-শেষ বাণী তোমার : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

৪৩. বিনা সাজে সাজি দেখা দিয়েছিলে কবে

বিনা সাজে সাজি : কথার অংশ, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)
গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

বিনা সাজে তুমি : স্বরলিপি, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

দোঁহারে হারাবো দোঁহে : কথার অংশ, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)
গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

হারাবো দোঁহারে দোঁহে : স্বরলিপি, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

৪৪. পাগল যে তুই, কণ্ঠ ভরে

বল্‌রে আমি কেহই না গো : স্বরলিপি, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

বলিস্‌ "আমি কেহই না গো : কথার অংশ, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)
গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

৪৭. অনেক দিনের আমার যে গান

স্বপন ভাসাও দূর আকাশে : স্বরলিপি, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)

স্বপ্ন ভাসাও দূর আকাশে : কথার অংশ, গীত-মালিকা ২ (পৌষ ১৩৩৬)
গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৬)

রচনাকাল/প্রকাশকাল

গান	রচনা		প্রকাশ	স্বরলিপি	
	তারিখ/স্থান		তারিখ-প্রতিষ্ঠান	সাময়িক পত্র/গ্রন্থ	স্বরলিপিকার
অনেক দিনের আমার যে গান					
অবেলায় যদি এসেছ আমার বনে				সঙ্গীত-বিজ্ঞান ৩।১৩৩২	দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর
আছ আকাশ-পানে তুলে মাথা					
আজ শ্রাবণের পূর্ণিমাতে			শান্তিনিকেতন ৭।১৩৩২ সবুজপত্র ৭।১৩৩২	সঙ্গীত-বিজ্ঞান ৬।১৩৩৫	অনাদিকুমার দস্তিদার
আজি ওই আকাশ-'পরে			শান্তিনিকেতন ৪।১৩৩২		
আমার মাঝে তোমারি মায়া					
আমার যাবার বেলায় পিছু ডাকে					
আমার যে গান তোমার পরশ পাবে					
একলা ব'সে বাদল শেষে শুনি কত কী			সবুজপত্র ৭।১৩৩২ শান্তিনিকেতন ৮।১৩৩২	সঙ্গীত-বিজ্ঞান ৩।১৩৩৪	রমা মজুমদার
এসো এসো আমার ঘরে					
এসো নীপবনে ছায়াবীথিতলে			শান্তিনিকেতন ৭।১৩৩২ সবুজপত্র ৭।১৩৩২	প্রবাসী ৭।১৩৩৪	অনাদিকুমার দস্তিদার
ও আষাঢ়ের পূর্ণিমা আমার			শান্তিনিকেতন ৫।১৩৩২		
ও কি এল, ও কি এল না					
ওই আসে ওই অতি ভৈরব হরষে[1]			সবুজপত্র ৭।১৩৩২		
ওই শুনি যেন চরণধ্বনি রে					

---

১ কবিতা প্রকাশ : কল্পনা (১৩০৭)

গান	রচনা তারিখ/স্থান	তারিখ-প্রাপ্তিস্থান	প্রকাশ	স্বরলিপি সাময়িক পত্র/গ্রন্থ	স্বরলিপিকার
ওলো শেফালি, ওলো শেফালি			সবুজপত্র ৭।১৩৩২ শান্তিনিকেতন ৮।১৩৩২		
খেলাঘর বাঁধতে লেগেছি					
গহন রাতে শ্রাবণধারা পড়িছে ঝরে			শান্তিনিকেতন ৪।১৩৩২		
গান আমার যায় ভেসে যায়			শান্তিনিকেতন ৭।১৩৩২ সবুজপত্র ৭।১৩৩২		
গানের ঝরনাতলায়				প্রবাসী ৯।১৩৩১	অনাদিকুমার দস্তিদার
গোপন প্রাণে একলা মানুষ			'প্রবর্তক, ১১।১৩২৯' প্রবাসী ১২।১৩২৯		
চৈত্রপবনে মম চিত্তবনে					
জানি জানি হল যাবার আয়োজন			শান্তিনিকেতন ৪।১৩৩২		
ঝরে ঝরো ঝরো ভাদর-বাদর			শান্তিনিকেতন ৭।১৩৩২ সবুজপত্র ৭।১৩৩২		
তার হাতে ছিল হাসির ফুলের হার					
তোমায় চেয়ে আছি বসে	৬ ফাল্গুন ১৩৩০	প্রবাসী ১।১৩৩২	প্রবাসী ১।১৩৩২	প্রবাসী ১।১৩৩২	অনাদিকুমার দস্তিদার
তোমার নাম জানি নে, সুর জানি			শান্তিনিকেতন ৭।১৩৩২ সবুজপত্র ৭।১৩৩২		
তোমার সুর শুনায়ে যে ঘুম ভাঙাও	২৭ অগ্রহায়ণ [১৩৩৫]	পাণ্ডুলিপি			

গান	রচনা		প্রকাশ	স্বরলিপি	
	তারিখ/স্থান	তারিখ-প্রাপ্তিস্থান		সাময়িক পত্র/গ্রন্থ	স্বরলিপিকার
দিনশেষের রাঙা মুকুল				প্রবাসী ১২।১৩৩০	দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর
দেখো দেখো, দেখো, শুকতারা			শান্তিনিকেতন ৭।১৩৩২ সবুজপত্র ৭।১৩৩২		
দ্বারে কেন দিলে নাড়া ওগো মালিনী					
নাই রস নাই, দারুণ দাহনবেলা					
নীল আকাশের কোণে কোণে					
পথিক পরান, চল্, চল্ সে পথে			শান্তিনিকেতন ৬।১৩৩১		
পথিক মেঘের দল জোটে ওই			প্রবাসী ৫।১৩৩০ সবুজপত্র ৭।১৩৩২		
পাগল যে তুই, কণ্ঠ ভ'রে					
প্রভাত-আলোরে মোর কাঁদায়ে গেলে					
ফিরে ফিরে ডাক্ দেখি রে				সঙ্গীত-বিজ্ঞান ৩।১৩৩৫	অনাদিকুমার দস্তিদার
বজ্রমানিক দিয়ে গাঁথা			শান্তিনিকেতন ৪।১৩৩২ সবুজপত্র ৭।১৩৩২		
বিনা সাজে সাজি					
ভরা থাক্ স্মৃতিসুধায়					
ভেবেছিলেম আসবে ফিরে			প্রাচী, শ্রাবণ' প্রবাসী ৬।১৩৩০		
মধ্যদিনের বিজন বাতায়নে					
মরুবিজয়ের কেতন উড়াও শূন্যে			প্রবাসী ২।১৩৩২		
যে ছায়ারে ধরব ব'লে			সবুজপত্র ৭।১৩৩২		

গান	রচনা		প্রকাশ	স্বরলিপি	
	তারিখ/স্থান	তারিখ-প্রাপ্তিস্থান		সাময়িক পত্র/গ্রন্থ	স্বরলিপিকার
যেতে দাও গেল যারা			শান্তিনিকেতন ৪।১৩৩২	সঙ্গীত-বিজ্ঞান ৩।১৩৩৩	অনাদিকুমার দস্তিদার
লহো লহো, তুলে লহো			শান্তিনিকেতন ১১।১৩৩২	শান্তিনিকেতন ১১।১৩৩২	অনাদিকুমার দস্তিদার
শ্যামল ছায়া, নাইবা গেলে			শান্তিনিকেতন ৭।১৩৩২ সবুজপত্র ৭।১৩৩২		
শ্যামল শোভন শ্রাবণ, তুমি			সবুজপত্র ৭।১৩৩২		
হে ক্ষণিকের অতিথি, এলে প্রভাতে			শান্তিনিকেতন ৭।১৩৩২ সবুজপত্র ৭।১৩৩২	সঙ্গীত-বিজ্ঞান ৮।১৩৩৬	অনাদিকুমার দস্তিদার

শান্তিনিকেতন = শান্তিনিকেতন পত্রিকা

অধিকতর সুনির্দিষ্ট ও অধুনা বিশ্বভারতী-অনুসৃত
আকারমাত্রিক স্বরলিপি -পদ্ধতির সংক্ষিপ্ত ব্যাখ্যা

১ স র গ ম প ধ ন— সপ্তক। খাদ-সপ্তকের চিহ্ন স্বরের নীচে হসন্ত, যথা— প্‌, ধ্‌, এবং উচ্চ-সপ্তকের চিহ্ন স্বরের মাথায় রেফ, যথা— র্স, র্র।

২ কোমল র— ঋ, কোমল গ— জ্ঞ, কড়ি ম— হ্ম, কোমল ধ— দ এবং কোমল ন— ণ।

৩ ঋ^{১} =অতিকোমল ঋষভ। অতিকোমল ঋষভের স্থান স ও ঋ স্বরদ্বয়ের মধ্যবর্তী। জ্ঞ^{১}, দ^{১}, ণ^{১} =যথাক্রমে অতিকোমল গান্ধার, ধৈবত ও নিষাদ। ঋ^{২} =অণুকোমল ঋষভ। অণুকোমল ঋষভের স্থান ঋ ও র স্বরদ্বয়ের মধ্যবর্তী। জ্ঞ^{২}, দ^{২}, ণ^{২} =যথাক্রমে অণুকোমল গান্ধার, ধৈবত ও নিষাদ।

৪ একমাত্রা = া। অর্ধমাত্রা = ঃ। সিকিমাত্রা= ০। দুইটি অর্ধমাত্রা, যথা— সরা। চারিটি সিকিমাত্রা, যথা— সরগমা। দুইটি সিকিমাত্রা, যথা— সরঃ। একটি সিকিমাত্রা, যথা— স০। একটি অর্ধমাত্রা ও দুইটি সিকিমাত্রা মিলিয়া একমাত্রা, যথা— সঃ গরঃ। একটি দেড়মাত্রা ও একটি অর্ধমাত্রা মিলিয়া দুই মাত্রা, যথা— রাঃ গঃ।

৫ কোনো আসল স্বরের পূর্বে যদি কোনো নিমেষকালস্থায়ী আনুষঙ্গিক স্বর একটু ছুঁইয়া যায় মাত্র, তাহা হইলে সেই স্বরটি ক্ষুদ্র অক্ষরে আসল স্বরের বাম পার্শ্বে লিখিত হয়, যথা— মরা গরা। আসল স্বরের পরে যদি কখনো অন্ত স্বরের ঈষৎ রেশ লাগে; তখন ঐ স্বর ক্ষুদ্র অক্ষরে দক্ষিণ পার্শ্বে লিখিত হয়, যথা— রাস।

৬ বিরামের চিহ্ন ও মাত্রাসমূহের চিহ্ন একই; হাইফেন-বর্জিত হইলে এবং স্বরাক্ষরের গায়ে সংলগ্ন না থাকিলেই সেই মাত্রা, বিরামের মাত্রা বলিয়া বুঝিতে হইবে। সুরের ক্ষণিক স্তব্ধতাকে বিরাম বলে।

৭ তাল-বিভাগের চিহ্ন এক-একটি দাঁড়ি। সমে ও সম্‌ হইতে তালের এক ফেরা হইয়া গেলে দাঁড়ির স্থলে I এরূপ একটি 'দণ্ড' চিহ্ন বসে। প্রায় প্রত্যেক কলির আরম্ভে দুইটি দণ্ড বসে। যেখানে গান একেবারে শেষ হয় সেখানে চারিটি দণ্ড বসে।

৮ মাত্রাসমষ্টি ভিন্ন ভিন্ন গুচ্ছে বিভক্ত, প্রত্যেক গুচ্ছের প্রথম মাত্রার শিরোদেশে ১, ২, ৩, ৪, ০ ইত্যাদি সংখ্যা বিভিন্ন তালাঙ্ক নির্দেশ করে। শূন্য-চিহ্নে (০) ফাঁক ও যে সংখ্যায় রেফ-চিহ্ন থাকে (১´) তাহাতেই সম্‌ বুঝিতে হইবে।

৯ আস্থায়ীতে প্রত্যাবর্তনের চিহ্নস্বরূপ দুইটি করিয়া দণ্ড বসে। কোনো কলির শেষে এই II যুগল দণ্ড এবং সবশেষে II II দুই জোড়া দণ্ড দেখিলেই আস্থায়ীর প্রথমে যেখানে যুগল দণ্ড আছে সেইখান হইতে আবার আরম্ভ করিবে।

১০ আস্থায়ীর আরম্ভে, II এই যুগল দণ্ডের বাহিরে গানের অংশ গান ধরিবার সময় একবার মাত্র গাহিবে ; কারণ প্রত্যেক কলির শেষে এই অংশটুকু " " এরূপ উদ্‌বৃত্তি-চিহ্নের মধ্যে পুনঃ পুনঃ লিখিত হইয়া থাকে।

॥

১১ অবসানের চিহ্ন, শিরোদেশে যুগল দাঁড়ি, যথা— সা। হয় এইখানে একেবারে থামিবে, নয় এইখানে থামিয়া গানের অন্ত কলি ধরিবে।

১২ পুনরাবৃত্তির চিহ্ন { } এই গুম্ফবন্ধনী ; এবং পুনরাবৃত্তিকালে কতকগুলি স্বর বাদ দিয়া যাইবার চিহ্ন ( ) এই বক্র বন্ধনী, যথা—{ সা রা (গা মা) } । মা পা।

১৩ পুনরাবৃত্তিকালে কোনো স্বরের পরিবর্তন হইলে, শিরোদেশে [ ] এই সরল

[রা গা]

বন্ধনীচিহ্নের মধ্যে পরিবর্তিত স্বরগুলি স্থাপিত হয় ; যথা— { সা রা গা }। কলির শেষে যুগল দণ্ডের মধ্যে ও সব-শেষে দুই প্রস্থ যুগল দণ্ডের মধ্যে [ ] এই সরল বন্ধনী থাকিলে, যথা— I [ ] I, II [ ] II, আস্থায়ীতে ফিরিয়া পরিবর্তিত স্বর গাহিতে হয়।

১৪ কোনো এক স্বর যখন আর-এক স্বরে বিশেষরূপে গড়াইয়া যায়, তখন স্বরের নীচে ‿ এইরূপ মীড়-চিহ্ন থাকে ; যথা— গা -পা।

১৫ যখন স্বরের নীচে গানের অক্ষর না থাকে, তখন সেই স্বর বা স্বরগুলির বাম পার্শ্বে হাইফেন (-) বসে এবং গানের পংক্তিতে শূন্য (•) দেওয়া হয় ; যথা— সা -া -া -া। অথবা— সা -রা -গা -মা। একই স্বর পৃথক ঝোঁকে

মা • • •   . মা • • •

উচ্চারিত হইলে সেই স্বরের বাম পার্শ্বেও হাইফেন বসে ; যথা—

সা -সা -রা -রা। অথবা— সা -সা -রা -রা।

মা • • •   গা • • ন্

১৬ নীচে গানের অক্ষর স্বরান্ত না হইলে উপরে স্বরের বাম পার্শ্বে হাইফেন (-) বসে ; যথা— সা -রা -গা -মা । সা -া -া -া।

গা • • ন্   গা • • ন্

উচ্চারণ। স্বরলিপির ভিতরে প্রায় সব কথার বানান যথাসাধ্য উচ্চারণ-অনুযায়ী বিশ্লেষ করিয়া দেখাইতে যত্ন করা হইয়াছে। ে =এ এবং ৫ =অ্যা, যেরূপ বেদনা ও বেলা শব্দের প্রথম ব্যঞ্জনাশ্রিত একারের মুদ্রণে ইঙ্গিত করা হইয়াছে। তাহা ছাড়া 'অবেলায়' বিশ্লেষিত হইলে ছাপা হয়— অ বে লা য়। 'মনে'— ম নে।

স্বরবিতান ৩১

মূল্য ৩৫·০০ টাকা